WORLD INTELLECTUAL PROPERTY DAY April 26

दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 249/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10

संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल

■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, बुधवार 26 अप्रैल 2023 भोपाल से प्रकाशित

dainiksandhyaprakash.in

सांध्यप्रकाश विशेष

एनएसयूआई ने स्वास्थ्य मंत्री के बंगले के बाहर लगाए डॉ बिकाऊ लाल चौधरी की तबादले की दुकान के पोस्टर

भोपाल। मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा सरकार चौतरफा विरोध का सामना कर रही है। मध्य प्रदेश के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी के विरुद्ध मंगलवार को एनएसयूआई मेडिकल विंग का अनोखा प्रदर्शन देखने को मिला।

एनएसयूआई द्वारा चस्पा किए गए पोस्टर में डॉ बिकाऊ लाल चौधरी की तबादले की दुकान और यह स्वास्थ्य मंत्री के बंगला नहीं बिकाऊ लाल चौधरी का तबादलो का कारखाना हैं लिखा। इस तरीके के दो पोस्टर चस्पा कर हम्दू ने मेडिकल विभाग में हो रहे तबादलों का विरोध जताया है। एनएसयूआई ने प्रभुराम चौधरी के नेमप्लेट पर बिकाऊलाल चौधरी लिख दिया।

इस दौरान एनएसयूआई मेडिकल विंग के संयोजक रवि परमार ने स्वास्थ्य मंत्री प्रभुराम चौधरी पर आरोप लगाते हुए कहा कि, स्वास्थ्य विभाग में सभी नियमों को दरकिनार करते हुए लाखों रूपयों का लेन-देन कर धड़ल्ले से तबादले किए जा रहे हैं। सरकार के इस रवैए के कारण जरूरतमंद कर्मचारी परेशान हो रहे हैं। एक और स्वास्थ्य मंत्री मौज उडा रहे हैं वहीं इतनी भीषण गर्मी में पूरे मध्य प्रदेश में संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी अपनी नियमितीकरण और अन्य जायज़ मांगों को लेकर प्रदर्शन और भूख हड़ताल कर रहे हैं।

परमार ने चौधरी पर निशाना साधते हुए कहा, स्वास्थ्य मंत्री सत्ता के नशें में इतने मदहोश हो चुके

हैं कि उनको कोई होश ही नहीं है। हम भाजपा को चेतावनी देना चाहते हैं कि सत्ता का यह नशा ज्यादा दिन तक नहीं टिकने वाला। छः महीने बाद राज्य में कांग्रेस की सरकार बनेगी और सबका कच्चा चिट्ठा बाहर आएगा। घोटालोबाज स्वास्थ्य मंत्री को हम सलाखों के पीछे भिजवाएंगे। परमार ने चेतावनी देते हुए कहा कि चौधरी यदि तबादलों का कारखाना बंद नहीं करते हैं तो एनएसयूआई प्रदेशभर में चरणबद्ध तरीके से आंदोलन शुरू करेगी।

सरोगेसी अधिनियम के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश अग्रणी राज्यों में शामिल

भोपाल। मध्यप्रदेश सरोगेसी (विनियमन) अधिनियम-2021 के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश, देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी की अध्यक्षता में सोमवार को मंत्रालय में हुई राज्य सहायता प्राप्त जननीय प्रौद्योगिकी एवं सरोगेसी बोर्ड की बैठक में यह जानकारी दी गई।

बताया गया कि अधिनियम में राज्य बोर्ड, जिला समुचित प्राधिकारी और जिला अपीलीय अधिकारी को अधिसूचित करने संबंधी कार्य करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है। प्रदेश में अधिनियम के अधीन 74 संस्थाओं का पंजीयन किया गया है। इन संस्थाओं में एआरटी बैंक, एआरटी लेवल-1 क्लीनिक, एआरटी लेवल-2 क्लीनिक और सरोगेसी क्लीनिक शामिल हैं। अधिनियम में सरोगेसी प्रक्रिया के लिये प्रोसेस फ्लो और विभिन्न प्रारूपों के निर्धारण में भी मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है।

बोर्ड की बैठक में विधायक श्रीमती राजश्री रुद्र प्रताप सिंह, अपर मुख्य सचिव श्री मोहम्मद सुलेमान, स्वास्थ्य आयुक्त डॉ. सुदाम खाड़े, सदस्य डॉ. रणधीर सिंह, डॉ. वीरेन्द्र शाह, डॉ. श्रीमती अरुणा कुमार, डॉ. श्रीमती प्रिया चित्तावर, डॉ. श्रीमती वीणा दाणी और श्रीमती प्रार्थना मिश्रा उपस्थित थे। संयुक्त संचालक विनियमन डॉ. प्रज्ञा तिवारी ने प्रदेश में अधिनियम के क्रियान्वयन की स्थिति पर प्रस्तुतिकरण दिया।

जबलपुर हाईकोर्ट से पीएफआई से जुड़े 19 आरोपियों को बड़ा झटका

जमानत याचिका खारिज, सभी पर देशद्रोह समेत कई गंभीर आरोप

जबलपुर। मध्यप्रदेश के जबलपुर में प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया से जुड़े 19 आरोपियों को बड़ा झटका लगा है।

पीएफआई से जुड़े 19 आरोपियों की जमानत याचिका खारिज गई है। जानकारी के लिए आपको बता दें कि, यह सुनवाई मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के जस्टिस डी.के पालीवाल की पीठ के समक्ष हुई।

जबलपुर हाईकोर्ट ने सभी जमानत अर्जियां निरस्त कर दी। जानकारी के लिए आपको बता दें कि, पीएफआई संगठन देश में प्रतिबंधित है। एटीएस और एसटीएफ की ओर से आरोपियों पर मामला दर्ज किया गया है। पीएफआई से जुड़े 19 आरोपियों को अभी भी भोपाल जेल में ही रहना होगा। सरकार ने जमानत याचिकाओं का विरोध किया। पीएफआई से जुड़े 19 आरोपियों पर देशद्रोह समेत कई गंभीर आरोप है। भोपाल जेल में बंद सभी आरोपियों की ओर से जमानत के लिए जबलपुर हाईकोर्ट में आवेदन दिया गया था। हाईकोर्ट के जस्टिस डी.के पालीवाल की पीठ के समक्ष हुई सुनवाई में सभी आरोपियों की जमानत अर्जियां निरस्त कर दी गई है।

कांग्रेस विधायक का राई डांसर के साथ अश्लील डांस

पन्ना। पन्ना जिले के गुन्नौर विधानसभा क्षेत्र के कांग्रेसी विधायक शिवदयाल बागरी का नृत्यांगना के साथ राई नृत्य और अश्लीलता पूर्वक होठ से होठ में नोट देने का कथित वीडियो सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है। कांग्रेस विधायक की इस हरकत को सोशल मीडिया पर चटखारे लेकर देखा जा रहा है।

गुन्नौर विधानसभा क्षेत्र में राई नृत्य का कार्यक्रम रखा गया था। इसमें गुन्नौर विधानसभा के विधायक शिवदयाल बागरी को भी आमंत्रित किया गया था। डांसर का नाच देखकर वे इतने अभिभूत हो गए कि उन्होंने उसका हाथ पकड़कर डांस करते हुए अश्लीलता की सारी हदें पार कर दी। कांग्रेस विधायक ने अपने होठों में नोट दबाकर नृत्यांगना के होठों में दिया। यह कथित वीडियो अब सोशल मीडिया में जमकर वायरल हो रहा है।

भारत विविधता का जश्न मनाने वाला देश: मोदी

पीएम ने सौराष्ट्र-तमिल संगम प्रशस्ति पुस्तक का किया विमोचन

नइ दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत एक ऐसा देश है जो विविधता का जश्न मनाता है; हम विभिन्न भाषाओं, विभिन्न कलाओं, विभिन्न संस्कृतियों, धर्मों और रीति-रिवाजों का जश्न मनाते हैं। हमारा देश उनकी आस्था से लेकर आध्यात्मिकता तक विविधता को समाहित करता है और उसका जश्न मनाता है! ऐसी है हमारे देश की खूबसूरती। भारत विविधता को विशिष्टता के रूप में जीने वाला देश है।

पीएम आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सौराष्ट्र तमिल संगमम के समापन समारोह को संबोधित किया। साथ ही उन्होंने श्री सोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित सौराष्ट्र-तमिल संगमप्रशस्ति पुस्तक का विमोचन किया। इस 10 दिवसीय संगमम में 3000 से अधिक लोग एक विशेष ट्रेन सौराष्ट्रियन तमिल से सोमनाथ आए थे। यह कार्यक्रम 17 अप्रैल को शुरू हुआ था, जिसका समापन 26 अप्रैल को सोमनाथ में हुआ।

पीएम मोदी ने अपने संबोधन के दौरान कहा, 'मैं गद-गद हृदय से आज तमिलनाडु से आए अपनों के बीच वर्चुअली उपस्थित हूं। इतनी बड़ी संख्या में आप सब अपने पूर्वजों की धरती पर आए हैं, अपने घर आए हैंज्आपके चेहरों की खुशी को देखकर मैं कह सकता हूं कि आप अनेक यादें और भावुक अनुभव यहां से लेकर जाएंगे। इस महान सौराष्ट्र-तमिल संगमम के माध्यम से, हम अतीत की अमूल्य स्मृतियों को फिर से देख रहे हैं, वर्तमान की आत्मीयता और अनुभवों को देख रहे हैं, और भविष्य के लिए संकल्प और प्रेरणा ले रहे हैं!

कर्नाटक में चुनावी रैली को संबोधित किया शिवराज ने

बेलागवी। कर्नाटक। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान कर्नाटक में चुनावी दौर पर हैं। उन्होंने आज चिकोडी में चुनावी रैली को संबोधित किया। उन्होंने यहां राहुल गांधी पर निशाना साधा और कहा- वह 50 साल के हैं, लेकिन उनकी मानसिक उम्र 5 है। जब अदालत ने उन्हें सजा सुनाई, तो उन्होंने इसके लिए पीएम मोदी को दोषी ठहराया। उन्हें नहीं पता कि क्या बोलना है? क्या वह सक्षम हैं वादे पूरे करने में? भारतीय जनता पार्टी ने कर्नाटक में बेहतर सरकार दी है। हमारी सरकार डबल इंजन की सरकार होती है। एक इंजन दिल्ली से बढ़ता है, दूसरा बेंगलुरू से। यही कारण है कि हम तेजी से विकास करते हैं। आप विकास के लिए भाजपा की सरकार एक बार फिर बनाएं।

लंदन में बनेगा ब्रिटेन का पहला जगन्नाथ मंदिर

लंदन। ब्रिटेन की राजधानी लंदन में देश का पहला जगन्नाथ मंदिर बनने जा रहा है। इसके लिए ओडिया मूल के बिजनेसमैन बिस्वनाथ पटनायक ने 254 करोड़ रुपए दान किए हैं। उन्होंने उम्मीद जताई है कि मंदिर निर्माण का पहला चरण अगले साल के खत्म होने तक पूरा हो जाएगा। मंदिर का निर्माण चैरिटी कमीशन इन इंग्लैंड में रजिस्टर्ड श्री जगन्नाथ सोसाइटी करवा रही है।

फिननेस्ट ग्रुप के फाउंडर पटनायक और कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर अरुण कार इस मंदिर निर्माण के लिए दान करने वाले मुख्य लोगों में शामिल हैं। कार ने बताया कि पटनायक की तरफ से 254 करोड़ रुपए फिननेस्ट ग्रुप की कंपनियां देंगी। ग्रुप ने मंदिर निर्माण के लिए 15 एकड़ जमीन खरीदने के लिए 71 करोड़ रुपए देने की घोषणा की है।

लंदन में रविवार को अक्षय तृतीया के मौके पर पहले श्री जगन्नाथ सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें भारतीय हाईकमीशन के डिप्टी कमिश्नर सुजीत घोष और भारत के मंत्री (संस्कृति) अमीश त्रिपाठी मौजूद रहे। इनके अलावा पुरी के महाराज गजपति दिव्यसिंह देब, महारानी लीलाबती पट्टमहादेई के साथ शामिल हुए। इसी सम्मेलन में पटनायक ने मंदिर के लिए 254 करोड़ रुपए दान करने का संकल्प लिया।

आप की शैली ओबरॉय फिर बनीं दिल्ली की मेयर

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की शैली ओबरॉय एक बार फिर से दिल्ली की निर्विरोध मेयर चुनी गई हैं। भाजपा प्रत्याशी शिखा रॉय ने अपना नाम वापस ले लिया। पीठाशीन अधिकारी मुकेश गोयल ने शैली के नाम का एलान किया। वहीं, डिप्टी मेयर फिर से आले इकबाल चुने गए।

भाजपा की डिप्टी मेयर प्रत्याशी सोनी पांडेय ने भी अपना नाम वापस लिया। इस तरह से आले इकबाल दिल्ली के डिप्टी मेयर चुने गए। मेयर ने डिप्टी मेयर आले इकबाल को डिप्टी मेयर घोषित किया। एक बार फिर से मौका देने के लिए सबको धन्यवादः शैली ओबरॉय

मेयर शैली ओबरॉय अपनी चेयर पर लौटीं। उन्होंने सभी पार्षदों, मनोनीत एमएलए को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि हमें एक बार फिर से मौका देने के लिए सबको धन्यवाद, हम सब मिलकर दिल्ली के पार्कों सड़कों को सुंदर बनाएंगे।

मुरैना नगर निगम आयुक्त हटे

भोपाल। शासन ने आज मुरैना नगर निगम कमिश्नर संजीव कुमार जैन को हटा दिया है। उनके स्थान पर अभी किसी की पदस्थापना नही की गई है। राज्य शासन ने संजीव कुमार जैन, राप्रसे आयुक्त, नगर पालिका निगम, मुरैना की सेवाएँ नगरीय विकास एवं आवास विभाग से वापिस लेते हुए प्रशासकीय आधार पर तत्काल प्रभाव से स्थानातरित करते हुए अस्थाई रूप से आगामी आदेश पर्यन्त संयुक्त कलेक्टर जिला ग्वालियर के पद पर पदस्थ किया है।

धार में दिनदहाड़े युवती की गोली मारकर हत्या

धार। धार शहर की वसंत विहार कालोनी में बुधवार सुबह अज्ञात हमलावरों ने एक युवती पर ताबड़तोड़ में गोली चला दी। इसमें युवती की मौके पर ही मौत हो गई। प्राथमिक जांच में इसका उसका पूजा चौहान बताया गया है। पुलिस अधीक्षक मनोज सिंह मौके पर पहुंचे और उन्होंने इसकी पड़ताल की। पुलिस युवती पर गोली चलाने वालों की तलाश में जुट गई है। सीसीटीवी फुटेज के जरिए यह देखने की कोशिश की जा रही है कि वे कहां से आए थे और वारदात के बाद किस ओर भागे।

शहडोल और सतना के कारोबारियों के ठिकानों पर आयकर के छापे

शहडोल। शहडोल जिले में बुढ़ार के व्यापारी केशर सिंह छाबड़ा के घर और दूसरे ठिकानों पर इनकम टैक्स की रेड पड़ी है। टीम बुधवार सुबह व्यापारी के घर पहुंची। सतना में भी व्यापारियों के ठिकानों पर छापे पड़े हैं। जबलपुर, भोपाल और इंदौर की टीम ने एक साथ छापा मारा है। सतना में बड़े ट्रांसपोर्टर और कोयला कारोबारी मोतीलाल गोयल के आवास, उनके अकाउंटेंट राजेश गुप्ता के घर, कर सलाहकार नितिन और सीए पंकज डांगा के आवास और ऑफिस में सर्च चल रही है। केशर सिंह और मोतीलाल गोयल व्यापारिक पार्टनर बताए जा रहे हैं। सतना में मोतीलाल गोयल के कोयला के साथ प्रॉपर्टी डीलिंग और ट्रांसपोर्ट का बड़ा कारोबार है। राजेश गुप्ता पूरा करोबार का हिसाब देखते हैं। नितिन और पंकज डांगा निजी बालाजी बैंक चलाते हैं।

सूडान से अब तक 561 भारतीयों को निकाला, जेद्दाह पहुंचे

नई दिल्ली। सूडान में 72 घंटे के संघर्ष विराम के बाद राजधानी खार्तूम समेत देश के अन्य हिस्सों में झड़पें जारी हैं। इस बीच, पिछले 24 घंटों में साढ़े पांच सौ से ज्यादा भारतीयों को निकाल लिया गया है। इन्हें सऊदी अरब के जेद्दाह लाया जा चुका है। अब तक तीन बैच में 561 लोगों को जेद्दाह पहुंचा दिया गया है। सूडान में 4 हजार से ज्यादा भारतीय रहते हैं।

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि ऑपरेशन कावेरी के तहत पहले बैच में 278 भारतीयों को नेवी के जहाज आईएनएस सुमेधा से सूडान पोर्ट से सऊदी अरब के जेद्दाह पहुंचाया गया। इसके बाद 148 और 135 भारतीयों को भारतीय वायु सेना के सी-130 जे एयरक्राफ्ट से जेद्दाह लाया गया। अब इन्हें

जल्द ही एयरलिफ्ट कर भारत लाया जाएगा।

अब तक 459 लोग मारे गए- सूडान में तख्तापलट के लिए सेना और पैरामिलिट्री फोर्स के बीच 15 अप्रैल को लड़ाई शुरू हुई थी। वर्ल्ड हेल्थ आर्गनाइजेशन के मुताबिक, लड़ाई में अब तक 459 लोगों और सैनिकों की मौत हो चुकी है। 4,072 लोग घायल हुए हैं। सूडान में 72 घंटे का सीजफायर 27 अप्रैल रात 12 बजे तक हैं। इस दौरान यहां से अन्य देशों को अपने नागरिकों को निकालने का समय है।

एससीओ समिट में नहीं आएंगे पाकिस्तान के डिफेंस मिनिस्टर

नई दिल्ली। पाकिस्तान के डिफेंस मिनिस्टर ख्वाजा आसिफ का इसी हफ्ते होने वाली शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) की मीटिंग में आना करीब-करीब टल गया है। पाकिस्तान के अखबार 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' के मुताबिक, आसिफ इस समिट में वर्चुअली जुड़ेंगे।

एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, आसिफ के एससीओ समिट में न शामिल होने का मतलब ये है कि अगले महीने 4 और 5 मई को फॉरेन मिनिस्टर भी शायद एससीओ मीटिंग के लिए दिल्ली न जाएं। भारत ने इन दोनों समिट के लिए पाकिस्तान को न्योता भेजा था। में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि डिफेंस मिनिस्टर आसिफ नई दिल्ली में होने वाली एससीओ समिट में हिस्सा नहीं लेंगे। मुमकिन है कि वो वर्चुअली इसका हिस्सा बनें। हालांकि, इस बारे में अब तक ऑफिशियली कोई अनाउंसमेंट नहीं किया गया है।

संस्कार विद्यालय के बच्चों ने प्रारंभ किया संगीतमय हनुमान चालीसा का पाठ

संभवतः पहला ऐसा विद्यालय जहां प्रार्थना में शुरू हुआ हुनमान चालीसा का पाठ

संत हिरदाराम नगर। संस्कार विद्यालय में हर मंगलवार को प्रात: प्रार्थना के समय हनुमान चालीस का पाठ का प्रारम्भ किया गया। जिसक शुभारंभ मंगलवार से किया गया। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष सुशील वासवानी, सचिव बसंत चेलानी, उपाध्यक्ष सुरेश राजपाल, कोषाध्यक्ष चन्दर नागदेव, भाजपा जिला उपाध्यक्ष राम बंसल, प्राचार्य आर. के. मिश्रा सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं बच्चों द्वारा उपस्थित होकर एक साथ हनुमान चालीसा का पाठ किया गया।

बसंत चेलानी ने कहा कि संस्कार विद्यालय में प्रति मंगलवार को हनुमान चालीसा का पाठ सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं विद्यार्थियों से साथ मिलकर किया जाएगा ताकि भावी पीढी हमारे सनातन धर्म को पहचाने एवं आगे बढ़ाए। सुशील वासवानी ने कहा कि संस्कार विद्यालय में अपार आनन्द की अनुभूति हो रही है जैसा कि हम जानते है कि कलयुग में केवल हनुमान है जो मनुष्य की रक्षा करते हुए उनमें बल, बुद्धि का संचार करते है। उन्होंने कई उदाहरणों के साथ सनातन धर्म को आगे बढ़ाने एवं चारों ओर प्रसार करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में उपस्थित राम बंसल ने कहा कि मध्य प्रदेश का पहला विद्यालय है जहाँ यह कार्यक्रम सभी की सहमति से प्रारंभ हुआ है हम जानते है कि हनुमान चालीसा का पाठ एक ऐसा पाठ है जिसको करने से मनुष्य में बल बुद्धि एवं ऊर्जा का संचार होता है। ऐसे कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों में बड़ो के प्रति आदर एवं सम्मान का भाव जाग्रत होता है।

जल सेवा शिविर का शुभारंभ

भोपाल। पश्चिम मध्य रेल्वे समाज कल्याण केन्द्र, द्वारा संचालित भारत स्काउट गाईड ने ग्रीष्म कालीन जल सेवा शिविर का शुभारंभ भोपाल रेल्वे स्टेशन के प्लेट फार्म क्रमांक-1 पर सहायक मंडल अभियंता (कार्य) ए. के. पाण्डये एवं स्टेशन प्रबंधक एस. एल. मीणा की उपस्थिति में ट्रैन के यात्रियों को पानी पिलाकर किया गया। संस्था सचिव दिनेश त्रिपाठी ने बताया कि संस्था के स्काउट गाईड द्वारा ग्रीष्म कालीन जल सेवा शिविर लगातार चलेगा। इस अवसर पर प्राचार्य पी. सी. शुक्ला, संजय शर्मा, जितेन्द्र पुरोहित, मृदुल श्रीवास्तव, शंकर सिंह, आर. आर. लोधी, प्रमोद अस्थाना, राजेश श्रीवास्तव, गणेश शर्मा के साथ संस्था के स्काउट गाईड एवं स्काउट मास्टर प्रवीण पुरोहित विशेष रूप से उपस्थित थे।

जल संरक्षण पर राज्य स्तरीय निबंध प्रतियोगिता के आवेदन 1 मई तक

भव्य समारोह में पत्रकारिता विश्वविद्यालय द्वारा दिए जाएंगे 15 पुरस्कार

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

विश्व में बढ़ते जलसंकट को देखते हुए एक संवेदनशील अभियान की जरूरत है। भविष्य के संकट के लिए युवाओं को इस चेतना से जोड़ने के लिए एक राज्य स्तरीय निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है।

माखनलाल राष्ट्रीय पत्रकारिता व संचार विश्वविद्यालय व प्रहरी फाउंडेशन की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय व विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी भाग ले सकेंगे। इसके मार्गदर्शक कुलपति प्रोफेसर केजी सुरेश और जल योद्धा पद्मश्री उमाशंकर पांडे हैं। प्रोफेसर सुरेश ने बताया है कि भविष्य की भीषण जल समस्या का सामना आज की युवा पीढ़ी को करना पड़ेगा इसलिए उसे संवेदनशील बनाना जरूरी है। श्री पांडे इस क्षेत्र में अपने अनुभवों का जिक्र करके बताते हैं कि युवा ऊर्जा से पर्यावरण के संकट का समाधान करना आसान होगा।

उन्हें इस चुनौती का सामना करने के लिए तैयार करना होगा। प्रतियोगिता में जल और हमारे रोजमर्रा जीवन से संबंधित विषयों पर 2000 शब्दों का निबंध लिखना होगा। अंतिम तिथि 1 मई है। संयोजक प्रो. शिवकुमार विवेक व सहसंयोजक अंकित पांडेय ने बताया कि विद्यार्थी अपने निबंध जलशक्तिएमसीयू एट द रेट जीमेल डॉट कॉम jalshaktimcu@gmail.com पर भेज सकते हैं। प्रथम पुरस्कार के रूप में 11 हजार रुपए तथा द्वितीय में 5100 रुपए नगद दिए जाएंगे। इसके अलावा 2100 रुपए के तीन तृतीय पुरस्कार, 1100 रुपए के पांच चतुर्थ पुरस्कार व 500 रुपए के पांच पंचम पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। ये पुरस्कार एक समारोह में दिए जाएंगे।

अखंड रामायण पूर्णाहुति प्रसाद वितरण के साथ जिला पंचायत उपाध्यक्ष पहनेंगे जूता चप्पल

भोपाल । जिला पंचायत भोपाल उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट कल से अखंड रामायण पाठ के साथ 27 अप्रैल 2023 को 12 बजे अखंड रामायण के समापन अवसर पर पूर्णाहुति विशाल भंडारे के बाद वार्ड की जनता की उपस्थिति के बीच अपने मन्नत पूरी होने के उपलक्ष में मोहन सिंह जाट जूता-चप्पल पहनेंगे। मोहन सिंह जाट उपाध्यक्ष जिला पंचायत भोपाल ने बताया कि मेरे द्वारा 2 वर्ष पहले हमारी कुलदेवी मां बग्रेशवर देवी मंदिर हिनोतिया जागीर से मन्नत मांगी थी कि मैं जिला पंचायत वार्ड 1 से जीत कर जनता की सेवा करूंगा। क्षेत्र की जनता का कहना था कि जो भी जनप्रतिनिधि जीत के जाता है वह हमारे बीच कभी वापस लौट कर नहीं आता है, मैंने क्षेत्र की भगवान रूपी जनता है को वचन दिया था कि मैं चुनाव में हारू या जीतू चुनाव के बाद आपके घर घर पुन: आशीर्वाद लेने आऊंगा। मां बागेश्वर देवी ने मुझे और आपने जीत का आशीर्वाद दिया मैं आपके घर घर जाकर प्रसाद देने पहुंचा। 2 वर्षों से मैं नंगे पैर चल कर आपकी जन सेवा कर रहा हूं क्षेत्र की जनता के कहने पर मोहन सिंह जाट 27 अप्रैल को 12:00 जूता चप्पल पहनेंगे अपनी तपस्या पूर्ण होने पर। इस अवसर पर क्षेत्र की जनता के साथ वरिष्ठ नेता गण प्रसाद लेने एवं मुझे आशीर्वाद देने उपस्थित रहेंगे।

संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय में पब्लिकेशन सॉफ्टवेयर पर सर्टिफिकेट कोर्स का आयोजन

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस विभाग द्वारा पब्लिकेशन सॉफ्टवेयर एवं उसके उपयोग विषय पर सर्टिफिकेट कोर्स का आयोजन किया गया। इसमें विषय विशेषज्ञ के रूप में राकेश घुंघराले, टेक्नीकल एक्सपर्ट उपस्थित थे। प्रोफेसर सोनिया शर्मा के समन्वय में आयोजित इस सर्टिफिकेट कोर्स से बीसीए प्रथम वर्ष, बीएससी प्रथम वर्ष, बीकॉम द्वितीय वर्ष तथा बीएससी द्वितीय वर्ष की लगभग 90 छात्राएं लाभांवित हुई।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने इस आयोजन पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के सर्टिफिकेट कोर्स का आयोजन छात्राओं को विषयान्तर्गत प्रायोगिक ज्ञान प्रदान करने हेतु आवश्यक है। विभिन्न पब्लिकेशन सॉफ्टवेयर की जानकारी छात्राओं को सैद्धान्तिक ज्ञान के साथ उनके उपयोग में व्यवहारिक रूप से दक्ष बनाता है, जो कि विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्ध रोजगार के अवसरों के लिए एक महत्वपूर्ण कौशल हैं। इस 15 दिवसीय आयोजन में छात्राओं को

पब्लिकेशन सॉफ्टवेयर्स जैसे फोटोशॉप, को प्रभावी ढंग से बताया गया। इस कोरल ड्रा एवं पेजमेकर सॉफ्टवेयर की सविस्तार जानकारी दी गई, जिसमें उन्हें वेब डिजाईन, ग्राफिक डिजाईन, लोगो डिजाईन, इलुस्टेशन, ब्रांडिंग एवं प्रिन्ट पब्लिशिंग सर्टिफिकेट कोर्स के बाद छात्राएं ग्राफिक डिजाईनर, लोगो डिजाईनर, मल्टीमीडिया एडिटर एवं डेक्सटॉप पब्लिशिंग ऑपरेटर के रूप में अपना भविष्य बना सकती है।

नीलबड़ कलखेड़ा आवासीय परियोजना के भूखंडधारी भवन अनुज्ञा प्राप्त कर ही निर्माण कार्य करें: निगमायुक्त

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

निगम आयुक्त के.वी.एस.चौधरी ने नीलबड़ क्षेत्र स्थित कलखेड़ा में प्रधानमंत्री आवास योजनांतर्गत आवासीय परियोजनाओं में निर्माणाधीन एलआईजी, ईडब्ल्यूएस आवासों के प्रचलित कार्यों व प्रस्तावित स्थलों का निरीक्षण किया और सड़क, पानी, बिजली सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं के संबंध में अधिकारियों से विस्तारपूर्वक चर्चा की। निगम आयुक्त चौधरी ने अधिकारियों को सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया कि कलखेड़ा परियोजना के भूखण्डधारी निगम से भवन अनुज्ञा प्राप्त करने के पश्चात ही भवन निर्माण कार्य प्रारंभ करें। निगम आयुक्त चौधरी ने माता मंदिर स्थित रिवेरा टाउन के समीप राहुल नगर फेस-2 में प्रचलित कार्यों का निरीक्षण किया और निर्माणकर्ता कंपनी के इंजीनियर को समय अपव्यय किये बिना तीव्र गति से कार्य करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य अभियंता आर.के.सक्सेना सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

निगम आयुक्त के.वी.एस.चौधरी ने मंगलवार को नीलबड़ कलखेड़ा में प्रधानमंत्री आवास योजनांतर्गत आवासीय परियोजनाओं में विकसित भूखण्ड स्थल एवं निर्माणाधीन एलआईजी, जी3 ईडब्ल्यूएस स्लम व ईडब्ल्यूएस नॉन स्लम आवासीय ब्लाकों के प्रचलित कार्यों व प्रस्तावित स्थलों का निरीक्षण किया और सड़क, पानी, बिजली सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं के संबंध में अधिकारियों से विस्तारपूर्वक चर्चा की। निगम आयुक्त श्री चौधरी ने अधिकारियों को सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया कि कलखेड़ा परियोजना के भूखण्डधारी निगम से भवन अनुज्ञा प्राप्त करने के पश्चात ही अपने भवन का निर्माण कार्य प्रारंभ करें। निगम आयुक्त चौधरी ने निर्देशित किया कि पुरानी बस्ती की रिक्त भूमि पर कोई नया कब्जा/निर्माण नहीं होना चाहिए।

निगम आयुक्त चौधरी ने माता मंदिर स्थित रिवेरा टाउन के समीप राहुल नगर फेस-2 में प्रचलित कार्यों का निरीक्षण किया और निर्माणकर्ता कंपनी के इंजीनियर को समय अपव्यय किये बिना तीव्र गति से कार्य करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने खुदाई के कारण जमीन से निकल रहे पानी को रोकने के पर्याप्त प्रबंध करने तथा रिटर्निंग वाल सहित अन्य निर्माण कार्य तीव्रगति से करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री चौधरी ने गड्ढे में भरे पानी को निकालने के लिए अतिरिक्त पम्प लगाकर पानी निकालने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री चौधरी ने समझाइश देते हुए कहा कि स्थल पर कार्य करने के लिए यह बेहतर समय है इसलिए तीव्रगति से कार्य कर फाउंडेशन का कार्य शीघ्र पूर्ण करें।

मनसा शिर्के ने परीक्षा में प्राप्त किया द्वितीय स्थान

भोपाल। मनसा शिर्के ने इस वर्ष बी ए में 86.33 प्रतिशत अंक प्राप्त करते हुए विश्वविद्यालय में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। उसकी इस उपलब्धि पर माता पिता और सभी मित्रों की ओर से शुभकामनाएं सभी उज्जवल भविष्य की कामना की हैं।

कर्मचारियों का 29 को भोपाल में धरना

भोपाल । मध्य प्रदेश लिपिक वर्गीय कर्मचारी संघ,तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ,मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ,मध्य प्रदेश वाहन चालक यांत्रिकी कर्मचारी संघ,मध्य प्रदेश पेंशनर एसोसिएशन के आव्हान पर 29 तारीख को भोपाल में होने वाले विशाल धरने को सफल बनाने को लेकर लोक निर्माण विभाग में लोक निर्माण विभाग की समिति के अध्यक्ष मोहन अय्यर के नेतृत्व में द्वार सभा का आयोजन किया गया।

उक्त आशय की जानकारी तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के प्रदेश सचिव उमाशंकर तिवारी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि 17 सूत्री मांगों में प्रदेश के कर्मचारियों को केंद्रीय दर एवं केंद्रीय तिथि से महंगाई भत्ता /सेवानिवृत्त कर्मचारियों को महंगाई राहत पिछले कई सालों के एरियर का बकाया देने,सातवें वेतनमान के अनुसार मकान किराया भत्ता,वाहन एवं अन्य भत्ते प्रदाय करने,चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का पदनाम कार्यालय सहायक करने,पेंशनरों को पेंशन राहत प्रदान करने में धारा 49 समाप्त करने,कर्मचारियों की पदोन्नति समय मान वेतनमान,पुरानी पेंशन बहाली,कर्मचारियों की वेतन विसंगति टैक्सी प्रथा बंद कर वाहन चालकों की भर्ती करने,आउट सोर्स प्रथा बंद करने,पेंशन हेतु 25 साल की सेवा पूरी पेंशन हेतु गणना में लेने,संविदा एवं स्थाई कर्मियों को नियमित नियुक्ति/नियमित वेतनमान देने,सीपीसीटी का बंधन खत्म करने आदि मांगों को लेकर लोक निर्माण विभाग मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग,महिला बाल विकास, गवर्नमेंट प्रेस,वस्तु एवं सेवा कर विभाग के कर्मचारियों की लोक निर्माण विभाग परिसर में संयुक्त सभा हुई। सभा को मध्य प्रदेश लिपिक वर्ग कर्मचारी संघ के प्रांतीय अध्यक्ष एमपी द्विवेदी कार्यकारी अध्यक्ष विजय रघुवंशी लघु वेतन कर्मचारी संघ भोपाल के जिलाध्यक्ष राम कुंडल सेन,तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के कार्यकारी अध्यक्ष एस एस रजक,तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के भोपाल जिलाध्यक्ष मोहन अय्यर, उप कोषाध्यक्ष एसएल पंजवानी,प्रदेश सचिव उमाशंकर तिवारी,पेंशनर एसोसिएशन के प्रांतीय उपाध्यक्ष एलएन कैलासिया आदि ने संबोधित किया सभी नेताओं ने सरकार से मांगो के शीघ्र निराकरण की बात कही एवं उपस्थित कर्मचारियों से आगामी 29 अप्रैल को राजधानी भोपाल में नीलम पार्क जहांगीराबाद में विशाल धरने को सफल बनाने की अपील की ।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का प्रचार-प्रसार एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

शासकीय कला एवं वाणिज्य (नवीन) महाविद्यालय में मंगलवार 25.अप्रैल.2023 को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का प्रचार-प्रसार एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ महाविद्यालय के जनभागीदारी अध्यक्ष माननीय राजेन्द्र गुप्ता जी, प्रभारी प्राचार्य डॉ. शोभना जैन एवं प्रशिक्षक डॉ. शारदा सिंह, प्राध्यापक हमीदिया महाविद्यालय एवं डॉ. अरविंद देशमुख, प्राध्यापक एम.बी.एम महाविद्यालय द्वारा मा सरस्वती को माल्यार्पण करके किया गया ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष माननीय राजेन्द्र गुप्ता जी ने सहभागिता की । राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 प्रशिक्षण कार्यक्रम मुख्य अतिथि ने अपने उद्बोधन में बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के कार्य रूप में परिणति से छात्रों में रचनात्मक सोच एवं नवाचार को बढ़ावा मिलेगा तथा शिक्षकों की विशेषज्ञता का उपयोग करना संभव होगा जिससे सभी छात्र लाभांवित होंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 छात्रों को वैश्विक नागरिक बनाने में सक्षम होगी तथा छात्रों के अवगत कराया कि मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है जहां नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 लागू की गई ।

कार्यक्रम के विशेष वक्ता डॉ. अरविंद देशमुख प्राध्यापक एम.बी.एम महाविद्यालय, गोपाल के द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के केडिट सिस्टम को विस्तार से समझाया तथा व्यवसायिक पाठ्यक्रम की जानकारी प्रदान की । अन्त में प्रशिक्षण गणों के द्वारा छात्रों एवं शिक्षकों की नई शिक्षा नीति के संदर्भ में जिज्ञासाओं का समाधान किया गया । महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. शोभना जैन ने सम्बोधित करते हुये राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के महत्व पर प्रकाश डाला एवं नई शिक्षा नीति को कविता के माध्यम से समझाया । कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुरेखा उमाडे द्वारा किया गया एवं आभार डॉ. बिन्दू महावर, सहायक प्राध्यापक अर्थशास्त्र के द्वारा किया गया ।

साहित्य और कविताएं युवाओं की वास्तविक मार्गदर्शक : प्रो केजी सुरेश

पत्रकारिता विश्वविद्यालय में शिवाली श्रीवास्तव की पुस्तक उलझन का हुआ विमोचन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

साहित्य और कविताएं ही युवाओं की सच्ची मार्गदर्शक होती है, यह बात माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) के. जी. सुरेश ने पूर्व विद्यार्थी प्रकोष्ठ द्वारा आयोजित उलझन पुस्तक विमोचन कार्यक्रम के दौरान कही। पूर्व विद्यार्थी प्रकोष्ठ के द्वारा सृजन श्रृंखला कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित सुश्री शिवाली श्रीवास्तव की पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रो. सुरेश ने कहा कि कविताएं युवाओं को सोच की ओर ले जाती हैं, साथ ही उनके आत्मबल को मजबूत करने में भी महत्वपूर्ण योगदान निभाती है । कार्यक्रम

में मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता लेखिका डॉ. इंदिरा दांगी ने उलझन पुस्तक की रचनाओं को समाज का प्रतिबिंब बताते हुए कहा कि आप जो हो आपको वही बनने का प्रयास करना चाहिए। साथ ही इसके लिए कड़ी मेहनत करना भी जरूरी है । उन्होंने कहा कि साहित्य के क्षेत्र में महिलाओं को भी पर्याप्त मौके हैं इसलिए उन्हें आगे बढ़कर मौके हासिल करने चाहिए । इस मौके पर कुलसचिव प्रो. डॉ. अविनाश वाजपेयी ने प्रकोष्ठ द्वारा युवाओं की रचनात्मकता को मंच देने की इस पहल को सराहनीय बताते हुए कहा कि इसके माध्यम से मीडिया और लेखन की प्रतिभाओं को मंच मिल सकेगा । कार्यक्रम एवं पूर्व विद्यार्थी प्रकोष्ठ के समन्वयक श्री परेश उपाध्याय ने कुलपति प्रो. केजी सुरेश द्वारा शुरू किए गए सीनियर से संवाद और सृजन श्रृंखला को मीडिया के विद्यार्थियों के लिए एक उत्कृष्ट पहल बताते हुए उनका आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर पुस्तक उलझन की लेखिका सुश्री शिवाली श्रीवास्तव ने शिक्षकों को अपनी पुस्तक समर्पित करते हुए अपनी कविताओं का पाठ किया। इस अवसर पर विद्यार्थी सुश्री श्रृष्टि श्रीवास्तव ने कविता आधारित नृत्य प्रस्तुति भी दी।

कार्यक्रम में विज्ञापन एवं जनसंपर्क विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ पवित्र श्रीवास्तव, प्रकोष्ठ के सह-समन्वयक श्री अंकित पांडे, सहित विभिन्न शिक्षक एवं बड़ी संख्या में मीडिया शिक्षक उपस्थित रहे ।कार्यक्रम का संचालन डॉ अरुण खोबरे द्वारा किया गया ।

आचार्य शंकर ने चारों दिशाओं में भारत को जोड़ने का कार्य किया : शिवराज सिंह

कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में मना आचार्य शंकर प्रकटोत्सव-एकात्म पर्व

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि आचार्य शंकर ने पूर्व-पश्चिम-उत्तर-दक्षिण चारों दिशाओं में मठ स्थापित कर भारत को जोड़ने का कार्य किया। उनके कारण हमारी संस्कृति की पहचान बनी हुई है। उनका अद्वैत वेदांत दर्शन ही लोगों को सही दिशा दे रहा है। उनके संदेश को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।

मुख्यमंत्री चौहान कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आचार्य शंकराचार्य सांस्कृतिक एकता न्यास और मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित आचार्य शंकर प्रकटोत्सव, एकात्म पर्व को संबोधित कर रहे थे। स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज और मुख्यमंत्री श्री चौहान ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने मंचासीन संतों का स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने स्वामिनी विमलानंद सरस्वती को अध्यात्म और संस्कृति में योगदान के लिए और डॉ. कांशीराम जी को उल्लेखनीय सांस्कृतिक योगदान के लिए प्रशस्ति-पत्र और सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि हमारे वेद और उपनिषदों को पढ़ने से एक ही बात ध्यान में आती है कि हम सभी में एक ही चेतना है। हम सब एक हैं।

हजारों साल पहले हमारे ऋषि-मुनियों ने वसुदैव कुटुम्बकम का संदेश दिया। जियो और जीने दो का संदेश भारत ने दिया है। ओंकारेश्वर में एकात्मधाम बन रहा है। यहाँ से सारे विश्व को एकात्मता का संदेश मिलेगा। ओंकारेश्वर आचार्य शंकर की दीक्षा भूमि है। आदि गुरू शंकराचार्य की प्रतिमा स्थापित करने के लिए प्रदेश में एकात्म यात्रा निकली। अद्वैत वेदांत के संदेश को गाँव-गाँव ले जाने का कार्य किया जा रहा है। परिव्राजक योजना में भारत और विश्व को बदलने के लिए संतों के मार्गदर्शन में हम सब उनके पीछे चलेंगे। संतों की उपस्थिति वातावरण बदल देगी। भारत माता फिर से विश्व गुरू के पद पर आसीन हो रही है। दुनिया को राह दिखाने का कार्य भारत करेगा। सचमुच में वह दिन आएगा, जब प्राणियों में सद्भाव होगा और विश्व का कल्याण होगा।

सारे मत-मतांतरों का आदर भारत ने किया: स्वामी अवधेशानंद गिरिजी महाराज ने कहा कि संसार में आत्म तत्व ही जानने योग्य है। सारे मत-मतांतरों का आदर भारत ने किया। आदि शंकराचार्य 32 वर्ष की आयु में भारत का तीन बार भ्रमण कर चुके थे। भारत में साढ़े बारह लाख सन्यासी तैयार करने में मेरा योगदान रहा है। सन्यासियों से ही भारत विश्व को अद्वैव वेदांत के दर्शन कराएगा। उन्होंने मुख्यमंत्री श्री चौहान की सराहना करते हुए कहा कि भारत के आचार्यों और संतों को जो कार्य करना था, वह मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कर दिखाया है।

मुख्यमंत्री ने आचार्य शंकाराचार्य के सिद्धांतों को आगे बढ़ाने का बीड़ा उठाया: आध्यात्मिक गुरू युग पुरूष स्वामी परमानंद गिरि जी महाराज ने कहा कि जगतगुरू शंकराचार्य के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुँचाने में जीवन की सार्थकता है। ज्ञान, विद्या को जानने वाला धन्य हो जाता है। राष्ट्र निर्माण के लिए भारतीय संस्कृति जरूरी है। नशे से दूर रहें। भगवान शंकराचार्य ने बहुत कुछ किया है। उनके सिद्धांतों को आगे बढ़ाने का बीड़ा मुख्यमंत्री श्री चौहान ने उठाया है।

आदि शंकराचार्य की मूर्ति की स्थापना का निर्णय प्रशंसनीय: स्वामिनी विमलानंद सरस्वती ने कहा कि भगवान शंकराचार्य ब्रम्हज्ञानी थे। वे ब्रम्ह ही हैं यही उनकी असली पहचान है। वे अवतारी पुरूष भी थे। भगवान शिव के आशीर्वाद से शंकराचार्य जी का प्रकटीकरण हुआ। वे युग पुरूष थे। उनका प्रभाव विशाल था, जो आज भी हमारे घर-घर में है। अद्वैत भगवान शंकराचार्य जी का ही नाम है। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा ओंकारेशवर में आदि शंकराचार्य की मूर्ति की स्थापना का निर्णय प्रशंसनीय है। संस्कृति, साहित्य और व्याकरण के अध्येता डॉ. कांशीराम ने कहा कि अद्वैत दर्शन में एकात्मता है। मानव जगत में भिन्नताओं का निराकरण इसी से किया जा सकता है। शंकराचार्य के भाष्यों को पढ़ाने के लिए मैं अपने आपको समर्पित करता हूँ। प्रमुख सचिव संस्कृति शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि ओंकारेश्वर में आचार्य शंकर की मूर्ति के निर्माण का कार्य तेजी से चल रहा है। आचार्य शंकर प्रकटोत्सव को एकात्म पर्व के रूप में मनाया जाता है। सरकार द्वारा अद्वैत वेदांत जागरण शिविर किया जा रहा है। कार्यक्रम में अद्वैत वेदांत जागरण शिविर पर केन्द्रित लघु फिल्म दिखाई गई। दीक्षांत समारोह में लगभग 100 शिविरार्थियों को दीक्षा सामग्री प्रदान की गई। दो शिविरार्थी श्री अनंत सेठ और सुश्री स्नेहिल लाहोटी ने अपने अनुभव और विचार साझा किए।

400 श्रद्धालुओं के साथ मनोज शुक्ला ब्रज दर्शन एवं गिरिराज जी परिक्रमा के लिए रवाना

भोपाल। कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला आज नरेला विधानसभा क्षेत्र के 39 वार्ड की 400 महिला श्रद्धालुओं के साथ पवित्र गिरिराज जी परिक्रमा के 18 वें चरण के लिए रवाना हुए। शुक्ला ने नरेला विधानसभा क्षेत्र की माताओं-बहनों और धर्मप्रेमियों बंधुओं को ब्रज दर्शन और गिरिराज जी परिक्रमा कराने की अनूठी पहल की है। इस पवित्र धार्मिक यात्रा के लिए श्रद्धालुओं का चयन करने के लिए प्रत्येक वार्ड में कार्यक्रम आयोजित किए और यात्रा पर जाने के इच्छुक लोगों से फार्म भरवाए गए। दसवें चरण की यात्रा के लिए लॉटरी द्वारा 400 माता-बहनों का चयन किया गया। जिन माता-बहनों का नाम लॉटरी में नहीं आया, उन्हें साड़ी, मिठाई और भगवान कृष्ण और राधा की तस्वीर भेंट कर उनका सम्मान किया गया। क्षेत्र की माता-बहनों को पवित्र ब्रज दर्शन और गिरिराज परिक्रमा कराने की शुक्ला की इस पहल को पूरे क्षेत्र में सराहा जा रहा है। गली-मोहल्लों और चौक-चौराहों पर इस धार्मिक यात्रा की चर्चा हो रही है। शुक्ला के इस सेवा भाव की लोग प्रशंसा कर रहे हैं।

इस धार्मिक यात्रा के 18 वे चरण की शुरूआत 25 अप्रैल दिन मंगलवार को हुई। कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला अपने साथ 400 माताओं, बहनों के साथ भोपाल रेलवे स्टेशन प्लेटाफॉर्म नंबर एक पर लेकर पहुंचे। यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व, मनोज शुक्ला ने रेल्वे स्टेशन पर बने बालाजी पिपलेश्वर हनुमान मंदिर पर महाआरती की। इसके बाद सभी श्रद्धालु शुक्ला के साथ पातालकोट एक्सप्रेस से इस यात्रा के लिए रवाना हुए। यात्रा के 18 वे चरण में नरेला विधानसभा क्षेत्र के वार्ड नंबर 39 के श्रद्धालु शामिल हैं। यह सभी श्रद्धालु 26 अप्रैल को गिरिराज परिक्रमा करेंगे एवं 27 अप्रैल को सभी की वापसी होगी।

यात्रा पर जाने के पूर्व शुक्ला ने कहा कि गोवर्धन पूजा अहंकार को समाप्त करने के लिए द्वापर युग में शुरू हुई थी। प्रदेश की सत्ता में बैठे लोग भी अहंकार में डूब गए हैं। उनके अहंकार को समाप्त करने के लिए नरेला की 400 माता-बहनों के साथ गिरिराज जी की 21 किमी की परिक्रमा करने जा रहे हैं। इससे सत्ता में बैठे लोगों का अहंकार समाप्त होगा और मानव जाति का कल्याण होगा।

उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान को एनईपी के मॉडल संस्थान के रूप में विकसित करें: डॉ यादव

भोपाल । उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राजधानी स्थित उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के मापदंडों के अनुसार एक मॉडल संस्थान के रूप में विकसित किया जाए। पाठ्यक्रमों की रचनाएँ भी नीति के अनुसार की जाए। संस्थान के प्राध्यापक एनईपी को लेकर गठित राज्य टास्क फोर्स के सदस्यों के साथ चर्चा करें।

मंत्री डॉ. यादव की अध्यक्षता में उच्च शिक्षा उत्कृष्टता संस्थान भोपाल की सामान्य परिषद की बैठक हुई। उन्होंने कहा कि संस्थान द्वारा एनईपी के तहत तैयार संरचना को उच्च शिक्षा विभाग अन्य जिलों में एक मॉडल संस्थान की स्थापना के लिए लागू करेगा। डॉ. यादव ने संस्थान में इन्क्यूबेशन सेंटर की स्थापना के प्रस्ताव को स्वीकृति थी। इसके लिए बजट में सीड मनी का प्रावधान किया गया। इनक्यूबेशन सेंटर द्वारा नीति आयोग को वित्तीय सहायता के लिए प्रस्ताव भेजा जाएगा। साधारण परिषद ने संस्थान के वर्ष 2023-24 के बजट का अनुमोदन किया। बजट में 8 करोड़ 89 लाख रूपये की आय और 8 करोड़ 88 लाख के व्यय का आकलन प्रस्तावित है। अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा श्री के.सी. गुप्ता ने कहा कि संस्थान में सभी स्नातक पाठ्यक्रम 4 वर्षीय ऑनर्स में परिवर्तित किये जाएँ। उच्च शिक्षा मंत्री ने संस्थान में कलेक्टर दर पर वर्षों से कार्यरत 18 कर्मचारियों को स्थाई कर्मी बनाने और उन्हें परिवार के सदस्यों सहित मेडिक्लेम का लाभ देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विषम परिस्थितियों में कर्मचारी और उनके आश्रितजन को इलाज की सुविधाएँ मिल सकेगी।

पांच संगठनों के आव्हान पर 29 को धरना, कर्मचारियों ने लोक निर्माण विभाग कार्यालय के सामने की बैठक

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

पांच संगठनों के आव्हान पत्र प्रदेश के शासकीय कर्मचारियों द्वारा 29/4/ 23 को नीलम पार्क भोपाल में आयोजित धरने को सफल बनाने हेतु लोक निर्माण विभाग कार्यालय में मुख्य गेट के सामने मीटिंग का आयोजन किया गया। उक्त जानकारी मोहन अय्यर, जिलाध्यक्ष, तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ मध्यप्रदेश जिला भोपाल ने जानकारी दी। जिसमें एसएस रजक, कार्यकारी प्रांतध्यक्ष, तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ,एम पी द्विवेदी, प्रांतध्यक्ष, मप्र लिपिक वर्ग कर्मचारी संघ, उमाशंकर तिवारी, प्रांतीय सचिव, राम कुंडल सेन, जिलाध्यक्ष, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ, रत्नेश सोंधिया प्रमोद कुमार रिछारिया, एस एन मिश्रा, महेश शर्मा, प्रमोद ठाकुर, प्रेम कहार, आदि कर्मचारी नेताओं ने अपना उद्बोधन दिया भारी संख्या में कर्मचारी उपस्थित हुए।

सीताराम नाम जप 1008 कुण्डीय महायज्ञ में एक साथ बैठे 1100 यजमान

यज्ञाचार्य ने दी यजमानों को यज्ञ आहुति के पूर्व शिक्षा, वेदों का किया गया पूजन

सागर। सुरखी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत राजघाट स्थित मां शारदा देवी मंदिर प्रागण्य में चल रहे विश्व कल्याण हेतु सीताराम नाम जप 1008 कुण्डीय महायज्ञ में हजारों श्रद्धालु पहुंचे। मंगलवार को महायज्ञ में व्यास नगर में यज्ञाचार्य द्वारा यजमानों को यज्ञ के पूर्व शिक्षा दी गई जिसमें हवन यज्ञ में बैठने के नियम बतलाये गये किस तरह नियमों का पालन करके यजमानों को पूर्ण रीति नीति के अनुरासार हवन यज्ञ में बैठना है।

शाम को यजमानों के लिये हवन यज्ञ मंडप में मंत्र उच्चारण के साथ प्रवेश कराया गया तथा पूर्ण विधि विधान एवं पूजा अर्चना कर चारों वेदों की पूजा करायी गई कलश यात्रा में लाये गये नर्मदा जल से शिवजी का जल अभिषेक कराया गया। इस अवसर पर भजन मंडलियों द्वारा 24 घंटे श्री सीताराम नाम जप का पाठ किया जा रहा है। यज्ञ शाला में 1100 यजमान जोड़े सहित बैठे आज से हवन आहुतियां शुरू की जायेंगी। श्री सीताराम नाम जप 1008 कुण्डीय महायज्ञ में जिला पंचायत अध्यक्ष हीरा सिंह राजपूत, डॉ. वीरेन्द्र पाठक, अरविंद सिंह राजपूत टिंकू राजा, आकाश सिंह राजपूत, कुंवर सिंह ठाकुर, राजकुमार बरकोटी सहित यज्ञ समिति ने विधि विधान से पूजा अर्चना की एवं महायज्ञ की व्यवस्थाओं का चहुं ओर निरीक्षण किया। मेले में लगी दुकानों तथा बच्चों ने झूलों का लुफ्त उठया क्षेत्रवासियों ने मेले में जमकर खरीदी की। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी, कर्मचारी, यज्ञशाला तथा मेले की व्यवस्थाओं में अपना सहयोग करते नजर आये। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर यज्ञ समिति के सदस्य एवं पुलिस कर्मी क्षेत्र में मौजूद रहे।

एम्स भोपाल केदंत चिकित्सा विभाग में अपर प्राध्यापक डॉ. अभिनवसिंह सम्मानित

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

डॉ. अभिनव सिंह अपर प्राध्यापक दंत चिकित्सा विभाग अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) भोपाल को, नई दिल्ली में राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान अकादमी के63वें स्थापना दिवस के अवसर पर राजनाथसिंह, केंद्रीय रक्षामंत्री, भारत सरकार की उपस्थिति में, वर्ष 2023 के लिए डेंटल पब्लिक हेल्थ अकादमिक पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह मुख्यअतिथि थे। उन्होंने कोविड-19 से पीड़ित होने के कारण बैठक और पुरस्कार समारोह में वर्चुअली भाग लिया। उन्होंने अपने संबोधन में उल्लेखनीय कार्यों के लिए पुरस्कार विजेताओं, उनके संस्थानों और अन्य नवस्थापित एम्स को शुभकामनाएं दीं। इस समारोह के विशेष अतिथि एवं भारत सरकार के प्रधान वैज्ञानिक सलाहकार डॉ. अजय कुमार सूद तथा डॉ शिव केसरीन, अध्यक्ष, एनएएमएस द्वारा रक्षामंत्री की ओर सेएवं उनकी उपस्थिति में यह पुरस्कार दिया गया। समारोह में सशस्त्र बलों की तीनों इकाइयों के अन्य गणमान्य व्यक्तियों नेभीभाग लिया।

छात्रावासों में बेहतर सुविधाओं का माध्यम बनेगी मित्र हेल्पलाइन :मंत्री मीना सिंह

जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री ने जारी किया मित्र हेल्पलाइन का पोस्टर

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री सुश्री मीना सिंह ने मंगलवार को %मित्र हेल्पलाइन% का पोस्टर जारी किया। मित्र हेल्पलाइन जनजातीय कार्य विभाग एवं अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित छात्रावास के विद्यार्थियों के लिए बनाई गई है।

मंत्री सुश्री सिंह ने कहा कि हेल्पलाइन निश्चित रूप से विभागीय छात्रावासों में मूलभूत सुविधाओं को और बेहतर बनाने,समस्याओं का समाधान करने और अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने में सफल रहेगी। गौरतलब है कि इस हेल्पलाइन का उद्घाटन मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने 16 अप्रैल को ग्वालियर में आयोजित बाबा साहेब अम्बेडकर महाकुंभ में किया था। मंत्री सुश्री सिंह ने जनजातीय सी.एम. राइज विद्यालयों के ब्रोशर, विद्यार्थी डायरी, शिक्षक डायरी एवं विद्यालय प्लानर का अवलोकन भी किया। उन्होंने कहा कि इससे शिक्षक और विद्यार्थी अध्ययन-अध्यापन कार्य का बेहतर प्रबंधन कर सकेंगे। आयुक्त जनजातीय कार्य श्री संजीव सिंह भी उपस्थित थे।

समय-सीमा में होगा समस्या का निराकरण: मित्र हेल्पलाइन चौबीस घंटे व सातों दिन सक्रिय रहेगी। इस पर मानसिक, स्वास्थ्य और केरियर से संबंधित काउंसलिंग के साथ आवश्यकतानुसार मार्गदर्शन भी प्राप्त किया जा सकेगा। साथ ही विद्यार्थियों की शिक्षा, स्वास्थ्य, भोजन, पानी, स्वच्छता या सुरक्षा संबंधी समस्याओं का समय-सीमा में निराकरण किया जा सकेगा। छात्रावासों में रहकर शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अपनी शिकायतों एवं सुझावों के लिए 'मित्र हेल्पलाइन' का उपयोग कर सकेंगे।

टोल-फ्री नंबर और व्हाट्सएप पर भी मिलेगा समाधान: 'कॉल लगाओ...समाधान पाओ' सुविधा प्रदान करने वाली इस 'मित्र हेल्पलाइन' के टोल-फ्री नंबर 18002336136, मोबाइल नंबर 7880088665 पर व्हाट्सएप व एस.एम.एस. के माध्यम से संबंधित विद्यार्थी शिकायतें एवं सुझाव दर्ज कर सकेंगे। विद्यार्थी अपनी शिकायतें या सुझाव वेबसाइट www.mymitr.in एवं ईमेल आईडी mymitr.tribal@mp.gov.in पर भी कर सकते हैं।

स म्पा द की य

चाचा-भतीजा...कर नाटक...चालू आहे

कर्नाटक में चुनावी नाटक बनाम महाराष्ट्र के सियासी नाटक का दौर जारी है, तो इस बीच राष्ट्रीय राजधानी में पहलवानों की धमक के साथ ही खाप पंचायतों का मोर्चा सत्ताधीशों के चेहरों की शिकन बढ़ाने वाला है। कर्नाटक का चुनावी संग्राम रोचक होता जा रहा है। यहा सत्ता पर काबिज भाजपा के हाल खस्ता होते दिख रहे हैं, तो उधर कांग्रेस खोई जमीन वापस पाने मैदान में उतर चुकी है। दोनों पार्टियों का ध्यान कर्नाटक पर है, सो महाराष्ट्र में चाचा-भतीजे की जुगलबंदी नया गुल खिलाने की पटकथा तैयार करने में जुट गए लगते हैं। सुप्रीम कोर्ट के रुख से ऐसा लग रहा है कि महाराष्ट्र सरकार खतरे में है। और सांसद संजय राउत कह भी रहे हैं कि 'महाराष्ट्र में शिंदे-फडणवीस सरकार का डेथ वारंट जारी हो चुका है, सिर्फ तारीख का ऐलान होना बाकी है।

सुप्रीम कोर्ट में सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली 5 जजों की संविधान पीठ ने पिछले दिनों उद्धव और शिंदे गुटों और राज्यपाल दफ्तर की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस फैसले के साथ ही साफ हो जाएगा कि महाराष्ट्र का सियासी भविष्य क्या होगा? शिंदे गुट के 40 विधायक अगर अयोग्य हो गए तो विधानसभा में 248 सदस्य बचेंगे। यानी बहुमत का आंकड़ा 125 हो जाएगा। ऐसे में एनडीए के पास सिर्फ 122 विधायक ही रह जाएंगे। यानी भाजपा सरकार बनाने की स्थिति में नहीं रहेगी।

इसे भांपते हुए ही शायद पहले चाचा ने विपक्षी गठबंधन से दूरियां बढ़ाने के संकेत दिए, तो भतीजे ने सीधे-सीधे मुख्यमंत्री पद की दावेदारी कर डाली। यह दावेदारी यूं ही तो नहीं कही जा सकती। इसके चार मायने लगाए जा रहे हैं। पहला, वर्तमान एकनाथ शिंदे सरकार पर मंडराते अस्थिरता के बादल। दूसरा, संकट को अपने पक्ष में भुनाने की महत्वाकांक्षा। तीसरा, ईडी-सीबीआई के छापों से बढ़ता दबाव और चौथा, मोदी-बीजेपी का समर्थन करने की राजनीतिक मजबूरी।

शिंदे और बीजेपी की यही चिंता है। इसलिए वो भी विपक्ष में तोड़फोड़ के दांव चल रहे हैं। उन्हें पता है कि इसमें एनसीपी के अजित पवार सॉफ्ट टारगेट हो सकते हैं। लेकिन अजित भी कच्चे गुरु के चेले नहीं हैं। मुख्यमंत्री पद के रूप में वह इसकी कीमत वसूलना चाहते हैं। सो कहीं से पेशकश हो, उन्होंने पांसा फेक दिया। अजित दादा जनता की अदालत में आए और मुख्यमंत्री पद का अपना दावा ठोक दिया। साथ-साथ यह भी कह दिया कि जीते-जी एनसीपी नहीं छोडूंगा। इसमें भी चाचा शरद पवार की बल्ले-बल्ले हो गई। न सांप मरा, न लाठी टूटी। न एनसीपी टूटी, न अजित दादा का कद बढ़ा। खुदा न खास्ता शिंदे-फडणवीस सरकार गिर गई तो शरद पवार कोई राजनीतिक चमत्कार भी करवा सकते हैं। उद्धव, शिंदे, कांग्रेस को जोड़कर नई सरकार बन सकती है और तब अजित दादा के मुख्यमंत्री बनने का रास्ता खुल सकता है।

देखा जाए तो राजनीतिक दांव पेच में चाचा-भतीजे एक जैसे हैं। दोनों ने हफ्तेभर के अंदर मीडिया को लंबे इंटरव्यू दिए, और राज्य का राजनीतिक तापमान बढ़ा दिया। चाचा पवार ने एक चैनल को इंटरव्यू में कह दिया कि अडाणी मामले में संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) जांच की जरूरत नहीं है। जब हो-हल्ला हुआ तो पलटकर कहा, 'एनसीपी जेपीसी को उपयोगी नहीं मानती, लेकिन विपक्ष चाहता है तो हम इस पर दबाव नहीं डालेंगे।' अब भतीजे अजित दादा ने एक मराठी अखबार को दिए इंटरव्यू में मुख्यमंत्री पद पर दावा ठोंक दिया। लेकिन बाद में इस पर हो-हल्ला हुआ, तो कह दिया, 'मुख्यमंत्री पद की आकांक्षा कोई गलत बात नहीं है, लेकिन एनसीपी तोड़कर यह नहीं होगा। मैं जीते-जी एनसीपी में रहूंगा।' राजनीतिक वार-पलटवार में हो गए न- यथा चाचा तथा भतीजा।

वैसे, भतीजे के खिलाफ सिंचाई घोटाले और महाराष्ट्र सहकारी बैंक से एनसीपी से जुड़े लोगों की चीनी मिलों को अनाप-शनाप लोन मंजूर कराने के आरोप हैं। ईडी ने बैंक मामले में पहला आरोप-पत्र दाखिल किया है। इसमें अजित दादा का नाम नहीं है। लेकिन दूसरा पूरक आरोप-पत्र भी दाखिल हो सकता है। और सबको पता है कि कोई कितना भी भ्रष्ट हो, एक बार भाजपा की गंगा में नहाया कि उसके सारे पाप धुल जाते हैं। वह कीचड़ में कमल की तरह हो ही जाता है, एकदम कंचन।

सो कर्नाटक के चुनावी नाटक और महाराष्ट्र के सियासी ड्रामे की राजनीति के बीच पहलवानों का नया मोर्चा उत्तर भारत में क्या राजनीतिक परिवर्तन करता है, यह देखना होगा। कर्नाटक और महाराष्ट्र के नतीजे तो जल्द आ जाएंगे, पर पहलवानों के साथ खाप पंचायतों का समर्थन और साथ ही एकदम खट जाट नेता सत्यपाल मलिक के बयान। कुछ और राज्यों के चुनाव के साथ ही आम चुनाव की आहट। शायद अभी उठापटक का यह सिलसिला और तेज होने वाला है। इंतजार करते हैं।

धन्य वह भूमि जहां साक्षात् शंकर के चरण पड़े

जयराम शुक्ल

अपने देश की सनातन संस्कृति के अविरल प्रवाह की प्रशस्ति के लिए सर्वप्रिय गीत.. सारे जहां से अच्छा हिंदोस्तां हमारा की एक पंक्ति है- कुछ बात है कि हस्ती मिटती नहीं हमारी, सदियों रहा है दुश्मन दौर-ए-जहाँ हमारा। यूनान, मिस्र, रोमा सभी मिट गए काल के प्रवाह के साथ और हमारी सनातन संस्कृति सृष्टि की रचना के समय से अब तक निरंतर चलती चली आ रही है.. क्योंज? कवि ने ये जो ..कुछ बात.. का संकेत किया है ये कौन सी बात है ? यह जिज्ञासा हम सभी के अवचेतन मन में है।

मैं समझता हूँ कि ये जो कुछ बात है..इसके पीछे ही खड़े हैं आदिगुरू शंकराचार्य जी। साक्षात् भगवान् शंकर के अवतार। गीता में धर्म की हानि होने पर ईश्वर के मनुष्यरूप में अवतार का वर्णन है।

त्रेता में राम और द्वापर में कृष्ण का अवतार हुआ। इनके जन्म की पृष्ठभूमि में राक्षसी शक्तियों का अत्याचार, अनाचार, सामाजिक पतन था। धरती में चारों तरफ हाहाकार मचा था। इन दोनों ईश्वरीय अवतारों ने मनुष्य रूप धर के जग को मुक्ति दिलाई।

ईश्वर अंश होने के बावजूद दोनों ने मनुष्य रूप में जितने कष्ट होते हैं उसको भोगा। किसी चमत्कार से नहीं बल्कि अपने मानवीयोचित पराक्रम से समाज की आदर्श व्यवस्था कायम की। युगों-युगांतरों के बाद आज भी हर भारतीय के प्राणों में बसे हैं।

मनुष्य कामना करता है कि जब उसके प्राण निकले तो मुँह से गोविंद का नाम निकले राम का नाम निकले। राम और कृष्ण भगवान् विष्णु के अवतार थे। मनीषियों ने जगदगुरु शंकराचार्य को साक्षात् शंकर का अवतार माना है। आचार्य शंकर की अलौकिकता उनके जन्म संन्यास की दीक्षा से लेकर महाप्रयाण तक प्रकट रूप से रही।

राम और कृष्ण के अवतार तो समय की याचना के आधार पर हुए, पर आचार्य शंकर का अवतार पूर्वाभाषी था,मैं ऐसा मानता हूँ। आठवीं शताब्दी के पूर्व भारतभूमि में जो कुछ घटा वह यहीं की सनातन संस्कृति के गर्भ से प्रस्फुटित हो रहा था। एक तरह से वह वेदांत दर्शन का ही विस्तार था चाहे वह सिद्धार्थ का गौतमबुद्ध बन जाना हो या जैनमत का प्रादुर्भाव। विदेशी आक्रांताओं के हमले आठवीं सदी के बाद से शुरू हुए।

आचार्य शंकर के जन्म लेने के बाद। ये सभी हमले राज्य के हरण से ज्यादा सांस्कृतिक, धार्मिक हमले थे। यवन, तुर्कों और मुगलों के हमले धर्म के विस्तार को लेकर हुए। हमलावरों नें मंदिर, आश्रम, वैदिक साहित्य को अपना निशाना बनाया। सभी की कोशिश थी कि भारतभूमि की सनातनी संस्कृति का कहीं नामोनिशान न रह जाए।

वेद-वेदांत दर्शन के केंन्द्र नालंदा, तक्षशिला को आग के हवाले कर स्वाहा कर दिया। मुगलों के बाद अँग्रेजों का आना भी व्यवसायिक से ज्यादा धार्मिक था। वे चर्च और पादरी साथ लेकर आये। उनकी नीयति का अंदाज इसी से लगा सकते हैं कि उनके सबसे ज्यादा निशाने पर जगदगुरु शंकराचार्य की जन्मभूमि केरल ही रही। जिस केरल की भूमि सें सनातन धर्म पुन: आलोकित हुआ, पूरे देश में फैला अँग्रजों ने ईसाइयत के विस्तार के लिए उसी को चुना। इन सबके बाद भी कुछ बात कि हस्ती मिटती नहीं हमारी..।

जब इस हस्ती की रक्षा के लिए साक्षात् भगवान् शंकर ही अवतरित होकर आ गए तो फिर सृष्टि में ऐसा कौन है जो इसे मिटा दे। आचार्य शंकर ने सोलह वर्ष की उम्र में वेदांत दर्शन की व्याख्याएं कर दीं,सहस्त्राधिक रचनाएं रच दीं। देश के चारों कोनों पर चार पीठों की स्थापना करके भारतीयता को एक सूत्र में पिरो दिया।

इन चारों धामों का जब तक अस्तित्व रहेगा। हर सनातनी के ह्रदय में जब तक आचार्य शंकर का वास,मस्तिष्क में उनका दर्शन और उपदेश, आचरण में उनके द्वारा निर्धारित मर्यादाएं बनी रहेंगी तब तक हमारी सनातनी संस्कृति का प्रवाह अविरल रहेगा। भौतिक बाधाएं चाहे कितनी ही न खड़ी कर दी जाएं।

मध्यप्रदेश प्रदेश की भूमि धन्य और पवित्र है। आचार्य शंकर का समूचा वांगमय यहीं रचा गया,ओंकारेश्वर में गुरुगोविंदपादाचार्य के सानिद्ध में। मध्यप्रदेश की भूमि उनकी गुरुभूमि है। यहीं से शंकर दिग्विजय यात्रा शुरू हुई। मालव के प्राख्यात विद्वान मंडन मिश्र से शास्त्रार्थ यहीं महिष्मति जिसे आज माहेश्वर कहा जाता है हुआ।

इस कड़ी में हमारी विन्ध्यभूमि की महत्ता को आचार्य शंकर के श्रीचरणों ने और बढ़ा दी। विद्वानों के शोध बताते हैं कि उनकी दक्षिण से उत्तर की यात्रा का वही पथ था जो भगवान् राम का चित्रकूट से दंडकारण्य का था। वे अब के बस्तर की इंद्रावती और महानदी को पार करते हुए अमरकंटक पहुंचे। यहाँ माँ नर्मदा का ध्यान किया और यहीं से प्रदक्षिणा करते हुए ओंकारेश्वर पहुंचे।

ओंकारेश्वर में गुरु गोविंदपादाचार्य के दर्शन कर उनका शिष्यत्व ग्रहण किया। वेदांतसूत्र,उपनिषदों के भाष्य और प्रस्थानत्रयी की रचना यहीं हुई। विद्वानों के अनुसार 16वर्ष की आयु में ये सब रचकर वे बौद्धिक दिग्विजय यात्रा में निकले।

नर्मदा मैय्या की सबसे श्रेष्ठ कर्णप्रिय और पवित्र स्तुति -त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवि नर्मदे..। की भी एक रचना कथा है। ओंकारेश्वर आश्रम में उनके गुरु साधना रत थे। तभी माँ नर्मदा ने विकराल रूप किया। जनजीवन जल प्लवित होने लगा तब शंकराचार्य जी ने नर्मदाष्टक रचकर माँ की आराधना की।

रीवा की भूमि को भी आचार्य शंकर ने पवित्र किया। यहां पुण्यसलिला बीहर के तट पर एक आश्रम है पंचमठा। यह नाम बाद में दिया गया है। शंकराचार्य चारों मठ स्थापित करने के बाद काशी से प्रयाग होते हुए महिष्मति की यात्रा में थे तब यहां उनका प्रवास हुआ। वे यहां एक सप्ताह रहे।

सन् 1986 में काँचीकामकोटि के शंकराचार्य जयेंद्र सरस्वती जी अपने उत्तराधिकारी विजयेन्द्र जी के साथ यहां प्रवास पर आए थे। अपना उत्तराधिकार सौंपने के पूर्व वे आदि शंकराचार्य जी के प्रदिक्षणा पथ की यात्रा में थे। पँचमठा का प्रवास इसी क्रम में था। काँचीकामकोटि में आदिगुरू शंकराचार्य की यात्राओं और प्रवासों का यथार्थ वृतांत है उसमें रीवा शहर स्थित पँचमठा भी शामिल है।

यह मठ ब्रह्मलीन स्वामी ऋषिकुमार संचालित करते थे। उनके शिष्य जो स्वयं इस मठ में चालीस साल बिताए डा. कुशल प्रसाद शास्त्री बताते हैं कि पचमठा महानिर्वाणी अखाड़े के साधुओं का भी प्रवास स्थल रहा है। उज्जैन और प्रयाग के महाकुंभों के समय वे यहां लाव लश्कर के साथ आते थे। उनके आने व प्रवास के पीछे भी शंकराचार्य का इस भूमि से जुड़ाव था। उन साधुओं के महामंडलेश्वर के पास एक ताम्रपत्र था जिसमें पूरा वृत्तांत उल्लिखित है।

डा. शास्त्री ने जानकारी दी कि एक बार पुरी के शंकराचार्य निरंजन तीर्थ का भी पँचमठा प्रवास हुआ था। वे भी जगदुरू की स्मृतियों को सहेजने ही आए थे। पँचमठा का प्रसंग आदिगुरू के जीवन के उतरार्द्ध काल का है इसलिए न तो इसका ज्यादा महात्मय बना और न ही जगदगुरू के पाँचवें मठ के रूप में प्राणप्रतिष्ठा ही हो पायी।

सन् 2017 में मध्यप्रदेश में संपन्न हुई आदिगुरू शंकराचार्य को समर्पित एकात्म यात्रा के शुभारंभ के लिए रीवा के पँचमठा का भी चयन इसी लिए किया गया। तीन अन्य यात्राओं में अमरकंटक, उज्जैन, और ओंकारेश्वर से प्रारंभ हुईं थी।

आदिगुरु साक्षात् शंकरावतार ने अपने चरणों से मध्यप्रदेश की भूमि को पवित्र और कालजयी ऋचाओं से सुवासित किया है उनके संरक्षण और लोकव्यापीकरण के इस ऐतिहासिक प्रयोजन को युगों, युगों तक स्मरण किया जाएगा।

कानून और न्याय: मौत की सजा के क्रूर तरीकों पर विचार मंथन

विनय झैलावत

सर्वोच्च न्यायालय इस बात पर विचार कर रहा है कि मौत की सजा का ऐसा विकल्प कौन सा हो सकता है जिसमें मृत्युदंड प्राप्त बंदी को कम से कम तकलीफ हो। भारत में मृत्युदंड फांसी के द्वारा दी जाती है। वैसे तो विश्व में इसके विकल्प तो कई है, लेकिन यह नहीं कहा जा सकता है कि वे फांसी से बेहतर विकल्प है अथवा नहीं। इस पर गहन अध्ययन तथा वैधानिक शोध जरूरी है। फांसी को जितना भारत में क्रूर समझा जा रहा है उससे कई ज्यादा क्रूर पद्धतियां दुनिया में ना केवल इस्तेमाल होती है बल्कि उनसे होने वाले कष्टों को पूरी दुनिया में देखा जा रहा है।

कुछ समय से फांसी पर अंतर्राष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर दिलचस्प बहस चल रही है। फांसी की सजा एक क्रूर सजा है, इसे दी जाना चाहिए अथवा नहीं, इस पर निरंतर विचार-विमर्श चल रहा है। यदि दी जानी चाहिए तो उसे किस तरीके से दी जाए, ताकि मृत्यु की सजा प्राप्त करने वाले व्यक्ति को कम से कम तकलीफ हो। मृत्यु दंड के विरोध में जो सबसे महत्वपूर्ण तर्क यह दिया जाता है कि क्रूर अपराध की सजा क्रूर नहीं हो सकती। क्या फांसी मौत का सबसे बर्बर तरीका है! सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार से इस पर विचार मंथन शुरू करने के लिए कहा है। मौत की सजा के लिए फांसी की जगह किसी दूसरे विकल्प की मांग वाली जनहित याचिका पर सर्वोच्च न्यायालय में हाल ही में सुनवाई हुई थी। इस जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए सर्वोच्च न्यायालय ने इस मामले में एक विशेषज्ञों की समिति बनाने के संकेत भी दिए। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय ने एनएलयू एम्स सहित कुछ बड़े अस्पतालों से संबंधित आंकड़े उपलब्ध कराने के लिए भी कहा है। इस संबंध में केंद्र सरकार की और से पेश अटॉर्नी जनरल वेंकटरमनी ने कहा कि अगर कोई समिति बनती है, तो सरकार को आपत्ति नहीं होगी। लेकिन इस संबंध में उन्हें सरकार से निर्देश लेने होंगे।

यह याचिका एक अभिभाषक ऋषि मल्होत्रा ने प्रस्तुत की है। उन्होंने कहा कि गरिमापूर्ण तरीके से मृत्यु व्यक्ति का मौलिक अधिकार है। जब किसी व्यक्ति को फांसी दी जाती है, तो उस मौत में गरिमा जरूरी है। एक दोषी, जिसका जीवन समाप्त होना है, उसे फांसी का दर्द नहीं सहना चाहिए। दूसरे देशों में भी फांसी धीरे-धीरे खत्म की जा रही है। अमेरिका के 36 राज्यों ने फांसी की सजा को खत्म कर दिया गया है। उन्होंने बताया कि फांसी में शरीर को 30 मिनट तक लटकाए रखा जाता है। इसके बाद डॉक्टर जांच करते हैं कि व्यक्ति की मृत्यु हुई है या नहीं। इसलिए फांसी अमानवीय है। याचिका में फांसी को मौत का सबसे बर्बर तरीका बताया गया है। याचिका में कहा गया है कि मौत की सजा के लिए फांसी के अलावा अन्य प्रणाली अपनाई जानी चाहिए। मौत की सजा ऐसी हो जिसमें दर्द एवं यातना कम हो। साथ ही मौत का डर भी न सताए। मौत से ज्यादा मौत का खौफ दुखदायी होता है। याचिका में यह तर्क भी दिया गया है कि फांसी की सजा में लगभग 40 मिनट लगते हैं, जबकि इंजेक्शन, गोली मारने और बिजली के झटके से मारने में महज कुछ मिनिट। ऐसे में मौत की सजा में ऐसे ही किसी तरीके को अपनाया जाना चाहिए।

इस पर मुख्य न्यायाधीश ने यह जानकारी चाही कि फांसी देने से कितना दर्द होता है! फांसी लगने के बाद मौत होने में कितना समय लगता है। फांसी के लिए किस तरह के संसाधनों की जरूरत होती है। क्या देश या विदेश में मौत की सजा के विकल्प के कोई आंकड़े उपलब्ध है। कोर्ट ने यह भी जानना चाहा कि क्या ये अभी भी यह सबसे अच्छा तरीका है? साइंस और टेक्नोलॉजी के आधार पर और क्या बेहतर मानवीय विकल्प हो सकते हैं। मुख्य न्यायाधिपति ने कहा कि हमें यह देखना होगा कि क्या यह तरीका बेहतर विकल्प है। यदि अन्य कोई और तरीका है, जिसे अपनाया जा सकता है तो क्या फांसी से मौत को असंवैधानिक घोषित किया जा सकता है।

दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 415 किसी मृत्यु दंडादेश को स्थगित किए जाने की प्रक्रिया का भी उल्लेख करती है। जब उच्च न्यायालय द्वारा किसी अपील या पुनरीक्षण की कार्यवाही में किसी दोषसिद्ध अपराधी को मृत्यु दंडादेश दिया जाता है तो संविधान के अनुच्छेद 134(1) क या ख अथवा अनुच्छेद 134(2) अथवा अनुच्छेद 134, 132 के अधीन उच्चतम न्यायालय में अपील की जा सकती है। जब सुप्रीम कोर्ट में किसी मृत्यु दंडादेश के विरूद्ध अपील की जाती है तो ऐसी परिस्थिति में दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 415 के अंतर्गत दंड देने वाला उच्च न्यायालय उस समय तक दंड के निष्पादन को स्थगित कर देगा जिस समय तक अपील का निपटारा नहीं कर दिया जाता या फिर अपील की समयावधि नहीं बीत जाती। साथ ही जब किसी ऐसी स्त्री को मृत्यु दंडादेश दिया गया है जो गर्भवती है तो ऐसी स्थिति में दिए गए मृत्यु दंडादेश को स्थगित कर दिया जाता है। सीआरपीसी 1973 की धारा 1973 की धारा 416 के अंतर्गत यह प्रावधान है।

समय-समय पर मृत्युदंड को हटाने की मांग होती रहती है। विश्व में फांसी, मृत्युदंड का सबसे आम तरीका है। ईरान में सन् 2013 में 369 लोगों को मौत की सजा दी गई थी। ईरान फांसी के मामले में दुनिया में सबसे आगे है। फांसी देने वाले अन्य देशों में अफगानिस्तान, बांग्लादेश, बोत्सवाना, भारत, इराक, जापान, कुवैत, मलेशिया, नाइजीरिया, गाजा, दक्षिण सूडान और सूडान में फिलिस्तीनी प्राधिकरण शामिल हैं। इंडोनेशिया में बंदूक से मारना प्रचलन में है। वहां बारह हथियारबंद जल्लादों का एक दल है। उनके द्वारा कैदी के सीने में गोली मार दी जाती है। यदि कैदी तब भी ना मरें तो कमांडर उसके सिर पर एक अंतिम गोली मारता है। पिछले साल मार्च में इंडोनेशिया में फायरिंग स्क्वाड द्वारा एक नाइजीरियाई नागरिक को मृत्युदंड दिया गया था। उसे ड्रग्स बेचने का दोषी पाया गया था। एक अत्यधिक प्रचलित मामले में, जनवरी 2013 में इंडोनेशिया ने 56 वर्षीय ब्रिटिश महिला लिंडसे सैंडीफोर्ड को बाली के नगुराह राय अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे में कोकीन की तस्करी के आरोप में फायरिंग दस्ते द्वारा मौत की सजा सुनाई।

सन् 2013 में फायरिंग स्क्वॉड द्वारा मृत्युदंड देने वाले अन्य देशों में चीन, उत्तर कोरिया, सऊदी अरब, सोमलिया, ताइवान और यमन शामिल हैं। यह संयुक्त अरब अमीरात द्वारा भी उपयोगी तरीका है। आखिरी बार संयुक्त राज्य अमेरिका ने 18 जून 2010 को दोषी ठहराए गए हत्यारे रोनी ली गार्डनर पर फायरिंग दस्ते द्वारा सजा का निष्पादन किया गया था। सऊदी अरब दुनिया का इकलौता ऐसा देश है जहां मौत की सजा के लिए सिर कलम करने को एक तरीके के तौर पर इस्तेमाल किया जाता है। पिछले साल मई में, सऊदी अरब ने पांच यमनी पुरुषों और एक सऊदी का सिर कलम करने की सजा दी थी। यमनी पुरुषों को एक सशस्त्र गिरोह बनाने, सशस्त्र डकैती और हत्या का दोषी ठहराया गया था। एक सऊदी को भी हत्या का दोषी ठहराया गया था। वहां तलवार से सिर कलम करने का कार्य सार्वजनिक रूप से किया जाता है। हालांकि मृत्युदंड के सभी तरीकों में मृत्यु का अंतिम परिणाम समान है, लेकिन घातक इंजेक्शन को अक्सर सबसे कम क्रूर के रूप में देखा जाता है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में मौत की सजा पाने वाले कैदियों को घातक खुराक का इंजेक्शन देना, मृत्युदंड के निष्पादन का प्राथमिक तरीका बन गया है। हालांकि, घातक दवाओं की आपूर्ति करने वाले राज्यों से जुड़े विवाद के परिणामस्वरूप, दवा कंपनियों ने घातक उपयोग के लिए अपनी दवाओं की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस कमी को भरने के लिए कई राज्यों ने मिश्रित दवाओं का इस्तेमाल करने के लिए कंपाउंडिंग फार्मेसियों पर भरोसा किया है। लेकिन यह हाल ही में हुई मौतों में अविश्वसनीय साबित हुआ। ओक्लाहोमा के एक कैदी को इन मिश्रित दवाओं ने गलत परिणाम दिया। इससे उसके दांत कुड़कुड़ाने, मरोड़ने और दांत भींचने लगे, जिससे जेल अधिकारियों को मौत से पहले कार्यवाही रोकनी पड़ी।

सन् 2013 में चीन और वियतनाम में भी घातक इंजेक्षन का इस्तेमाल किया गया था। गौरतलब है कि ना केवल घातक इंजेक्शन सबसे क्रूर तरीका है पर सरकार को सबसे ज्यादा महंगा पड़ने वाला तरीका भी है। आंकड़ों की माने तो केवल एक अमेरिकी प्रदेश एरिजोना को एक मृत्युदंड करीब 13 हजार अमेरिकी डॉलर के खर्च पर करना पड़ रहा है। अमेरिका एकमात्र देश है जिसने 2013 में इलेक्ट्रोक्यूशन का उपयोग करके मृत्युदंड प्रदत्त किया गया था। अलग-अलग मौकों पर दो व्यक्तियों की हत्या के दोषी, 42 वर्षीय रॉबर्ट ग्लीसन जूनियर को 16 जनवरी, 2013 को वर्जीनिया में बिजली की कुर्सी का इस्तेमाल कर मृत्युदंड किया गया था। इससे पहले इलेक्ट्रिक चेयर के दंड से काफी आक्रोश फैल गया था। सन् 1997 में, दोषी हत्यारे, पेड्रो मदीना को फ्लोरिडा में बिजली की कुर्सी से मृत्युदंड दिया गया था। कार्रवाई के दौरान उसका सर आगे से फट गया था। इसके अलावा फ्लोरिडा में, 1999 में, सजायाफ्ता हत्यारे एलन ली डेविस को एक इलेक्ट्रिक चेयर में मृत्युदंड दिया गया था। जिसकी खून से लथपथ चेहरे की तस्वीरें ऑनलाईन देखी गई थी।

सन् 2008 में नेब्रास्का सर्वोच्च न्यायालय ने क्रूर और असामान्य सजा होने के बिजली के झटके से मृत्युदंड के निष्पादन को अवैध घोषित किया। इससे स्पष्ट है कि फांसी को जितना भारत में क्रूर समझा जा रहा है उससे कई ज्यादा क्रूर पद्धतियां दुनिया में ना केवल इस्तेमाल होती है बल्कि उनसे होने वाले कष्टों को पूरी दुनिया में देखा जा रहा है। इसीलिए फांसी की सजा पर विचार मंथन तथा फांसी के समय होने वाली वेदना पर वैज्ञानिक शोध आवश्यक है, ताकि फांसी की सजा पाने वाले बंदी को मृत्यु के समय कम वेदना हो। उम्मीद की जानी चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष विचाराधीन याचिका के मंथन (निराकरण) से ऐसा कोई अमृत (रास्ता) निकल कर सामने आएगा जिसमें मृत्यु की सजा प्राप्त बंदी को मृत्यु के समय कम से कम वेदना सहन करना पड़े।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना, प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

हत्या के आरोपी पुलिस की गिरफ्त में

नैनपुर गत दिवस शासकीय चिकित्सा लय के समक्ष कनौजिया टोला में युवक की हत्या के चार आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार का मामला दर्ज किया गया है थाना प्रभारी दुर्गा प्रसाद नगपुरे ने बताया कि कनौजिया टोला में विवाह आयोजन के दौरान विवाद हुआ??????? था घटना की सूचना मिलते ही पुलिस बल घटना? स्थल पहुंचकर पतासाजी की 24 घंटे के अंदर हत्या के 4 आरोपी को हिरासत में लेकर मामला पंजीबद्ध किया है

इलाज के लिए आर्थिक मदद

नैनपुर? गंभीर रूप से चोटिल टेक लाल रघुवंशी वार्ड न 6 नैनपुर निवासी व्यक्ति के इलाज के लिए नैनपुर नागरिक मंच की एक अपील से लोगो ने दोनो हाथ से दान दिया है इस अर्थ मदद से न सिर्फ आप्रेशन होना है चार बोतल खून की लग चुकी है सीटी स्कैन भी हुआ है और दवाई की पूर्ति हो रही है हमे मंडला पिंडरई से भी दान मिला है अभी सिर्फ हम उन मदद गार के नाम के साथ उन को साधु वाद दे रहे है जिन में हमारी इस मुहिम से जुड़ कर उस परिवार की आर्थिक मदद की है राशि का उल्लेख नही है क्यों की दान किस विचार धारा से दिया गया है किस पुण्य प्रसून कार्य के लिए दिया है ये देखा जाया करता है राशि नही दान कीमुहिम जब तक चोटिल ठीक न हो जाए चलती रहेगी साधु वाद आप सभी को जिन ने आर्थिक मदद कर के पुण्य लाभ कमाया दीपक शर्मा नैनपुर पंकज सोनी,मुकेश मिश्रा,फिरोज भाई,अशोक दीक्षित, प्रजय छोटू जैन, जितू राजपूत पिंडरई,मधुरम स्वीट्स राकेश अग्रवाल जी मंडला,,,अनिल जांगड़े,संजय शर्मा,सम्मू भाई जान संगम हार्ड वेयर, सत्ययेंद्र गाजरानी वादू, दिनेश ठाकुर जामगांव,यश अग्रवाल सौरभ साहू पीयूष शर्मा पकज दरयानी आयूष? गुप्ता नैनपुर ने मदद की गई।

जनसुनवाई में मिले 151 आवेदन

छतरपुर। कलेक्टर संदीप जी.आर. ने मंगलवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला स्तरीय जनसुनवाई में लोगों से प्राप्त आवेदनों की सुनवाई की। जनसुनवाई में प्राप्त 151 शिकायती आवेदनों का परीक्षण करते हुये संबंधित विभाग को आवेदन निराकरण हेतु सौंपे गये साथ ही बीपीएल कार्ड बनाने के संबंध में आवेदन आने पर राजस्व अधिकारियों को परीक्षण करते हुये पात्र पाये जाने पर बीपीएल सूची में नाम जोड़ने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में एडीएम नमः शिवाय अरजरिया सहित जिला स्तरीय विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। जनसुनवाई में शिक्षा, राजस्व, पुलिस, नगरीय निकाय, ग्रामीण विकास, विद्युत मण्डल, स्वास्थ्य, खाद्य, आदिम जाति, श्रम, सामाजिक न्याय, महिला एवं बाल विकास सहित विभिन्न शिकायती आवेदन प्राप्त हुये।

2 फरार आरोपियों की सूचना देने पर 20 हजार का इनाम घोषित

छतरपुर। पुलिस महानिरीक्षक सागर जोन ने 2 फरार आरोपियों को पकड़वाने या सूचना देने के संबंध में पूर्व से घोषित नगद पुरस्कार में वृद्धि की है। फरार आरोपी अब्दुल समीर उर्फ भैया काटर पिता अब्दुल सत्तार और परवेज खान पिता याकूब खान उम्र 37 निवासी छतरपुर थाना कोतवाली की गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपये से वृद्धि करते हुये 20 रुपये इनाम घोषित किया है।

2 फरार आरोपियों की सूचना देने पर 20 हजार का इनाम घोषित

पुलिस महानिरीक्षक सागर जोन ने 2 फरार आरोपियों को पकड़वाने या सूचना देने के संबंध में पूर्व से घोषित नगद पुरस्कार में वृद्धि की है। फरार आरोपी अब्दुल समीर उर्फ भैया काटर पिता अब्दुल सत्तार और परवेज खान पिता याकूब खान उम्र 37 निवासी छतरपुर थाना कोतवाली की गिरफ्तारी पर 10 हजार रुपये से वृद्धि करते हुये 20 हजार रुपये इनाम घोषित किया है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिवों के प्रभार बदले- सीपी मित्तल को सौंपी सागर समेत 13 जिला इकाइयों की कमान

सागर/ अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव और मध्यप्रदेश के सह प्रभारी श्री सी पी मित्तल को सागर जिला शहर एवं ग्रामीण इकाइयों की कमान सौंपी गई है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय महासचिव और मध्यप्रदेश के प्रभारी श्री जेपी अग्रवाल ने अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रभारी सचिवों के कार्यों का नए सिरे से विभाजन किया है। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता डॉ संदीप सबलोक ने उक्त संबंध में बताया कि कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव तथा प्रदेश के सह प्रभारी श्री सी पी मित्तल को सागर संभाग समेत कटनी, शहडोल, सतना व रीवा के शहर व ग्रामीण इकाइयों की कमान सौंपी है। वे जल्द ही अपने प्रभाव क्षेत्र का दौरा शुरू कर संबंधित जिलों में चुनावी तैयारियों संबंधी संगठनात्मक बैठके लेंगे।

भाजपा के पदाधिकारियों को प्रवास पर रहकर पार्टी की योजनाओं का प्रचार करना है : मुरलीधर राव

बूथ लेवल कार्यकर्ताओं के समर्पण से ही सबसे बड़ी पार्टी बनी है भाजपा

दमोह भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव ने जिले के समर्पित कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी राजनीति पार्टी है। पार्टी के कार्यकर्ता पूरे देश में अपने समर्पण के साथ राजनीति के साथ-साथ सामाजिक क्षेत्र में भी उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं और सभी समर्पित पूर्वक कार्य करने वाले लोग ही भारतीय जनता पार्टी में आगे बढते है। त्रिदेव बूथ के वह तीन कार्यकर्ता हैं जो भारतीय जनता पार्टी की रीढ़ हैं, बूथ अध्यक्ष, बूथ महामंत्री और बीएलए यह तीन कार्यकर्ता सजग हैं, उत्साहित होकर विजय का संकल्प लेते हैं तो कोई विजय को रोक नहीं सकता। यह बात पार्टी के प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव ने मंगलवार को जिले की आकांक्षी विधानसभा दमोह के उत्सव विलास में आयोजित त्रिदेव सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। बूथ सम्मेलन में पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष व सागर संभाग प्रभारी चौधरी मुकेश चतुर्वेदी, जिला प्रभारी डॉ अभिलाष पांडेय, जिला अध्यक्ष एड प्रीतम सिंह, पूर्व मंत्री जयंत मलैया, विधायक धर्मेन्द्र सिंह, पी एल तंतुवाय, वेयर हाउसिंग कारपोरेशन अध्यक्ष राहुल सिंह, आकांक्षी विधान सभा प्रभारी संजय नगाइच मंचासिन रहें। एवं होटल उत्सव विलास में पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश महामंत्री संजय राय ने प्रदेश प्रभारी का स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया।

पार्टी के प्रदेश प्रभारी मुरलीधर राव दमोह जिले के प्रवास पर थे। उन्होंने इस दौरान दमोह आकांक्षी विधानसभा के त्रिदेव सम्मेलन को सम्बोधित कर पदाधिकारियों के अलावा विधानसभा क्षेत्र प्रभारियों, मंडल अध्यक्ष और शक्ति केंद्र प्रभारियों से फीडबैक लिया। उन्होंने जिला कौर ग्रुप एंव पार्टी के जिला पदाधिकारियों की बैठक को भी सम्बोधित किया। दमोह प्रवेश के दौरान गैसाबाद में जिला अध्यक्ष प्रीतम सिंह लोधी विधायक, पूर्व विधायक एवं संभागप्रभारी, जिला प्रभारी सहित कार्यकर्ताओं ने प्रदेश प्रभारी का पुष्प वर्षा एवं फूल मालाओं एवं गाजे बाजे से स्वागत किया। जिले में प्रवास पर आने पर बड़ीदेवी मंदिर में पूजा की और संतजनों से भेंट की। इस दौरान उन्होंने वरिष्ठ कार्यकताओं से मुलाकात की और निवास पर भोजन कर परिवारजनों से भेंट की।

प्रदेश प्रभारी श्री राव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जब भी चुनाव के मैदान में जाती है तो सबसे पहले बूथ के कार्यकर्ताओं को जागरूक और संगठित करने का कार्य करती है। हमें विभिन्न समाज बीच पहुंचकर केन्द्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं के हितग्राहियों से सम्पर्क कर उन्हें पार्टी के आचंल में लाना है। हम सोशल मीडिया और डिजिटली जितने स्ट्रांग होंगे, हमारी जीत भी उतनी ही बड़ी होगी। लेकिन इसके साथ ही हमें लगातार प्रवास करना हितग्राहियों से मिलना है। हमें प्रवास, प्रयास और प्राथमिकता का संकल्प लेना है। हमें 'अबकी बार-200 पार' और 51 प्रतिशत वोट के लक्ष्यों को अपनी संगठनात्मक संरचना के माध्यम से हासिल करना है। दुनिया में बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं की दम पर ही नंबर एक बने हैं जिन्होंने प्रलोभन और दबाव का अनदेखा करते हुए पार्टी का निस्वार्थ भाव से काम किया है। बूथ लेवल का कार्यकर्ता अब पार्टी का 365 दिन चिंता करता है।

बूथ स्तरीय सम्मेलन में जिला महामंत्री सतीश तिवारी, गोपाल पटेल, रामेश्वर चौधरी विधानसभा संयोजक श्याम शिवहरे, विधानसभा प्रभारी संजय सेन, जिला उपाध्यक्ष अमित बजाज, रुपेश सेन, विनोद राय, चंद्रभान पटेल, अनीता खरे, अनुराग वर्धन हजारी, उमादेवी खटीक, कोषाध्यक्ष सुरेश पटेल, कार्यालय मंत्री रामलाल उपाध्याय, जिला मंत्री संजय यादव, वर्षा रैकवार, अर्चना जैन, जिला मीडिया प्रभारी राघवेंद्र सिंह परिहार, सहप्रभारी महेंद्र जैन सहित दमोह विधानसभा के पांचो मंडल अध्यक्ष,मोर्चा प्रकोष्ठ अध्यक्ष संयोजक सहित बूथ अध्यक्ष महामंत्री एवं बी एल ए की उपस्थिति रही।

गोंड समाज महासभा एवं जयस के संयुक्त तत्वावधान में राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

दमोह तेंदूखेड़ा तहसील परिसर में गोंड समाज महासभा हुई एकत्रित वही जयस के पदाधिकारी साथ शामिल हुए जयस और गोंड महासभा के संयुक्त तत्वधान में स्छरू महोदय द्वारा के मुख्यमंत्री एवं राज्यपाल महोदय के नाम ज्ञापन सौंपा गया। प्रदेश मीडिया प्रभारी सुनील शाह ऐडाली ठाकुर ने बताया कि ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि गोंडवाना साम्राज्य की धरोहर जबलपुर रानी दुर्गावती की वीर गाथा ओं का बखान करती है जिनके सम्मान में रानीताल चौक एवं रानीताल स्टेडियम प्रचलित है जिसका अनुचित स्थानीय नेताओं के वोट बैंक बनाने के कारण महापौर के माध्यम से रानीताल का नाम बदलकर परशुराम चौक किया जा रहा है। जो कि गोंडवाना गोंड आदिवासी समाज के इतिहास को दबाया जा रहा है मिटाया जा रहा है जिसके विरोध में संपूर्ण गोंड समाज महासभा एवं संपूर्ण आदिवासी समाज में रोष व्याप्त है जिसे रोकने और आपत्ति दर्ज कराने के संबंध में आज ज्ञापन सौंपा गया

ज्ञापन कार्यक्रम में गोंड समाज महासभा के प्रदेश सह सचिव कौशल से पोर्ते प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंवर सुनील शाह ऐड़ाली और संभागीय अध्यक्ष ठाकुर लखन सिंह मरकाम अरविंद सिंह ने डाली देव सिंह भलावी जयस के प्रदेश संगठन मंत्री श्रीकांत पोर्ते सचिन सिंह, मोहन सिंह, वीरेंद्र दुबे, दसरथ धुर्वे, सुनील शाह ठाकुर अप सरपंच ग्राम पंचायत समदई आदि के साथ अनेकों सैकड़ों गोंड समाज महासभा संगठन के लोगों की उपस्थिति रही।

शहर में 172 अवैध कॉलोनियां चिन्हित

शिवपुरी - नगर पालिका अवैध कॉलोनाईजरों पर कार्यवाही करने का मन बना चुकी है। दो दिन पहले 5 अवैध कॉलोनियों में नपा ने वोर्ड लगाकर वहां डाली गई सडकों तहस नहस किया था और अब फिर से 172 अवैध कॉलोनियों की सूची तैयार की है। जिसमें शिवपुरी शहर में कॉलोनियों का सर्वे वर्ष 2016 को पैरामीटर मानकर किया गया। इस वर्ष से पूर्व की बनी कॉलोनियां अभी तक अवैध है, जिन्हें वैध करने की प्रक्रिया नगरपालिका अपनाएगी।

जबकि 2016 के बाद की अस्तित्व में आई कॉलोनियों को एडीएम न्यायालय से अवैध घोषित करने के साथ ही उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसी क्रम में रविवार को प्रशासन की टीम ने 4 स्थानों पर तोड़फोड़ कर आई थी। अब शिवपुरी शहर में हुए सर्वे में 2016 से पहले बनी 23 कोलोनियों को नियमित करने की प्रक्रिया नगरपालिका ने शुरू कर दी है।

संयुक्त सर्वे के दौरान वर्ष 2016 के के बाद जो कॉलोनिया शहर में बनी है, उनकी संख्या 172 है जिसमें 194 लोग कॉलोनी काटने वाले शामिल है। उक्त कॉलोनियों में अधिकांश नोहरी खुर्द नौहरीकला, झींगूरा, फतेहपुर,पुरानी शिवपुरी सहित अन्य स्थानों पर नई कॉलोनिया विकसित हो रही थी। उक्त सभी कॉलोर्नाजरों को एक नोटिस तो पहले ही जारी हो चुका है। अब जल्द दूसरा नोटिस दिया जाएगा। सर्वे मे चिन्हित हुई 23 कालोनियो का पहले चरण नियमिती करण किया जाएगा। दिसंबर 2016 से पहले की बनीं कॉलोनियों को चिह्नित करने के साथ ही अब उस कॉलोनी का ले-आउट तैयार कर टीएनसीपी (टाउन एंड कंट्री प्लान) को भेजा जाएगा। जिसमें संबंधित कॉलोनाइजर को अपने सभी दस्तावेज पेश करने होंगे। ऐसी कॉलोनियों में नगरपालिका भी अपनी जगह लेगी, उसके अनुसार विकास कार्य करवाएगी। यदि कॉलोनी में सड़क व पानी आदि की सुविधा नगरपालिका पहले दे चुकी है तो फिर कॉलोनाइजर व रहवासियों से उसका शुल्क वसूल किया जाएगा। उन कॉलोनियों में सभी सुविधाएं देने की जिम्मेदारी नगरपालिका की होगी।

अंधे कत्ल का पर्दाफाश, सभी आरोपी गिरफ्तार

शिवपुरी- लगभग एक सप्ताह पूर्व रोड के किनारे मिली अज्ञात आदमी की सिर कुचली लाश के मामले में देहात पुलिस ने पर्दा उठा दिया है। पुलिस थाना देहात प्रभारी विकास यादव के द्वारा तत्परता दिखाते हुए एक हफ्ते के भीतर ही ना केवल हत्या के मामले का खुलासा किया गया बल्कि इस हत्याकाण्ड को अंजाम देने वाले सभी आरोपियों को गिरफ्तार भी कर लिया। इस मामले में पुलिस थाना देहात के द्वारा अज्ञात आरोपीगणो के विरूद्ध हत्या का अ.क्र 99/2023 धारा 302,201 भादवि का पंजीबद्द कर विवेचना मे लिया गया।

पुलिस कंट्रोल रूम में प्रेसवार्ता कर मामले का खुलासा करते हुए एसपी रघुवंश सिंह भदौरिया ने बताया कि बीती 17 अप्रैल को पुलिस थाना देहात को फरियादी मोनू उर्फ पुष्पेन्द्र ने सूचना दी थी कि ग्राम बांसखेडी के रोड के किनारे एक अज्ञात आदमी की सिर कुचली लाश पडी है। उक्त अज्ञात आदमी की हत्या किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा सिर पर पत्थर पटक कर की गई है। पुलिस थाना देहात प्रभारी विकास यादव के द्वारा अपनी पुलिस टीम के साथ मिलकर मौके का मुआयना किया गया और मामले की बारीकी से जांच करते हुए सायबर से प्राप्त जानकारियों, परिवारजनों से पूछताछ एंव घटना स्थल से प्राप्त साक्ष्य के आधार पर हत्या के कारण ज्ञात हुए, जिसमें पता चला कि अज्ञात मृतक की पत्नि का एक व्यक्ति से पुराना प्रेम प्रसंग था, पता चलने पर मृतक व उसके परिवारजनों ने प्रेमी आरोपी का घर आना जाना बंद करा दिया, जिससे करीबन डेढ वर्ष से प्रेमी आरोपी मृतक के घर नहीं जा पा रहा था एंव मृतक की पत्नि द्वारा भी प्रेमी आरोपी को मिलने से मना कर दिया गया था। जिस कारण प्रेमी आरोपी द्वारा मृतक रविन्द्र जाटव को रास्ते से हटाने का षडयंत्र बनाया जिसमें उसने अपने दो रिश्तेदार एंव रिश्तेदारों के दो मित्रों से दिनांक 16.04.23 को मृतक रविन्द्र जाटव को उसके गांव पहाडखुर्द थाना मायापुर से शराब की पार्टी के बहाने शिवपुरी बुला लिया और मृतक को अधिक शराब पिला कर बांसखेडी रोड शिवपुरी ले जाकर पत्थरों से उसका सिर कुचल कर हत्या कर दी एंव मृतक रविन्द्र जाटव का मोबाईल, जेब मे रखे कागज व उसकी मोटरसाईकल को लेकर घटना स्थल से भाग गये। मृतक के मोबाईल को एक आरोपी के द्वारा पत्थर से कूट कर टुकडे-2 कर साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से फेंक दिया गया। जिससे मृतक की पहचान न की जा सके। पुलिस के द्वारा दो आरोपियों को दविश देकर ग्राम विजरौनी एवं देवरी थाना इंदार से एंव शेष तीन आरोपियों को ईसागढ़ जिला अशोकनगर से गिरफ्तार किया गया एंव उनके कब्जे से मृतक की मोटरसाईकल,मृतक का टूटा हुआ मोबाईल, कागजात एंव हत्या में प्रयुक्त आरोपीगणों की दो मोटरसाईकल व मोबाईल बरामद कर अंधे कत्ल का खुलासा किया गया।

मेडिकल कालेज के लिए मातृशक्ति ने संभाला मोर्चा

अग्रवाल समाज की महिलाओं ने दिया धरना, सुंदरकांड कर सरकार को सद्बुद्धि देने उठाई आवाज

छतरपुर। छतरपुर में मेडिकल कालेज निर्माण का अधर में लटका काम जल्द शुरू करने के लिए मंगलवार को मातृ शक्ति ने मोर्चा संभालते हुए छत्रसाल चौक पर धरना दिया। इस अवसर पर सरकार को सद्बुद्धि देने के लिए संगीतमय सुंदरकांड पाठ भी किया गया।

मेडिकल कालेज संघर्ष मोर्चा द्वारा 15 अप्रैल से शुरू आन्दोलन के 11 वें दिन आज अग्रसेन महिला विकास समिति की अध्यक्ष सोनम कुलदीप अग्रवाल और अग्रवाल महासभा की जिलाध्यक्ष ज्ञानू अग्रवाल के नेतृत्व में अग्रवाल समाज की महिलाएं सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक धरने पर डटी रहीं।

धरने में सोनम कुलदीप अग्रवाल, ज्ञानू अग्रवाल, अन्नपूर्णा अग्रवाल,किरन अग्रवाल, रजनी अग्रवाल, पिंकी अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, संध्या अग्रवाल, संगीता अग्रवाल,

नीता नवल अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, प्रियंका अग्रवाल, मृदुला निगम, शिप्रा अग्रवाल, दीप्ती अग्रवाल, रचना अग्रवाल, प्रियंका अग्रवाल, रुकमणी विनोद अग्रवाल, रेखा प्रमोद अग्रवाल के साथ ही हरि प्रकाश अग्रवाल, नाथूराम साहू, इन्जी दिलीप अग्रवाल, आनन्द अग्रवाल, आनंद खरे सहित अन्य लोगों ने सहभागिता की।

डेड बॉडी को नहीं मिला फ्रीजर, मृतक के परिजन बदबू मारती बर्फ पर रखने मजबूर

दमोह जिला अस्पताल से आय दिन लापरवाही के मामले सामने आते रहते है। इस क्रम मे सोमवार को देर रात जब एक शव को फ्रिजर न मिलने का मामला सामने आया जिसके कारण उसके परिजन बाजार से बर्फ खरीद कर लाए और शव को बर्फ पर रखा गया। जिले के थाना बटियागढ़ क्षेत्र के ग्राम अगारा टपरिया के समीप गाड़ा घटिया,बड़ी चराई के जंगल से सोमवार को एक लाश मिली,जिसकी पहचान सुरेंद्र सिंह के रूप में हुई जो शनिवार से लापता था और उसके परिजन उसे ढूंढ रहे थे,परिजनों ने बताया कि वे ग्राम अगारा टपरिया से है,और शनिवार से सुरेंद्र को ढूंढ रहे थे, जो सोमवार को मृत अवस्था में मिला। मौके पर पुलिस, एफएसएल पहुंची पंचनामा और कार्यवाही उपरांत शव को जिला चिकित्सालय के शवगृह में रखवाया गया, परंतु यहां फ्रिजर उपलब्ध नहीं हुआ और परिजन बाजार से करीब 800 रुपए में बर्फ खरीदकर लाए जिस पर शव को रखा गया। जानकारी मिली की यहां तीन फ्रिजर है, जिसमें से दो खराब है। परिजनों का कहना था कि वे करीब 7 से 7:30 रात्रि में यहां पहुंचे, अस्पताल में कोई व्यवस्था नहीं मिली,शव को बर्फ पर रखा,फिर लखन पटेल ने रात करीब 10 बजे फ्रिजर उपलब्ध करवाया।

इनका कहना है: बिगड़े पडे फ्रीजर को लोकल स्तर पर सुधारने की कोशिश की गई थी नहीं सुधरने पर नये की डिमांड गई है।

डॉ राजेश नामदेव सिविल सर्जन जिला अस्पताल दमोह

ग्रामीणों की पेयजल संबंधी शिकायतों एवं समाधान के लिए कलेक्ट्रेट कार्यालय में कंट्रोल रूम स्थापित ! कलेक्टर रायसेन

ओबैदुल्लागंज। रायसेन कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित नल जल योजना की जिला स्तरीय समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्री अरविंद दुबे द्वारा जनपदवार जल जीवन मिशन, नल जल योजना के कार्यो की विस्तृत समीक्षा की गई। उन्होंने पूर्ण हो चुकी नल जल योजनाओं तथा प्रगतिरत योजनाओं की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रगतिरत कार्यो को निर्धारित समय सीमा में गुणवत्ता के साथ पूर्ण कराया जाए। गुणवत्ता के साथ कार्य नहीं करने वाले और विलम्ब करने वाले ठेकेदारों के विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाए।

कलेक्टर श्री दुबे ने संचालित नल जल योजनाओं की समीक्षा करते हुए रख-रखाव और सुचारू संचालन के संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ठेकेदार के पास कम से कम चार वाहन होने चाहिए, जिससे कि रख-रखाव में किसी प्रकार की परेशानी ना हो। कलेक्टर श्री दुबे ने पेयजल की समस्या होने पर किन नम्बरों पर सम्पर्क किया जाए, इसकी जानकारी ग्रामीणों को उपलब्ध कराने के लिए गॉवों में सार्वजनिक स्थलों पर दीवार लेखन कराने के संबंध में निर्देश दिए। साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों की पेयजल संबंधी शिकायतों के लिए कलेक्ट्रेट कार्यालय में अलग से कंट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर श्री दुबे ने गैरतगंज क्षेत्र में मरम्मत के लिए तीन टीम, बेगमगंज तथा सिलवानी क्षेत्र में चार-चार टीम, बाड़ी क्षेत्र में पांच टीम, उदयपुरा क्षेत्र में तीन टीम तथा औबेदुल्लागंज क्षेत्र में चार टीम लगाने के निर्देश अधिकारियों को दिए। उन्होंने ग्रीष्म काल में होने वाली पेयजल समस्याओं के समाधान के लिए पृथक से बैठक रखने के भी निर्देश दिए। जिला पंचायत सीईओ श्रीमती अंजू पवन भदौरिया द्वारा भी ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने के संबंध में अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। बैठक में पीएचई विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री सुदेश मालवीय द्वारा नल जल योजना तथा जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। रायसेन, जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल संबंधी शिकायतों के त्वरित समाधान के लिए कलेक्टर श्री अरविंद दुबे द्वारा कलेक्ट्रेट कार्यालय में पृथक से कंट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश पर त्वरित रूप से कलेक्ट्रेट परिसर में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जिसका नम्बर 07552840635 है। ग्रामीणजन प्रातः 08 बजे से रात्रि 10 बजे तक इस कंट्रोल रूम में पेयजल संबंधी शिकायत, समस्या की सूचना दे सकते हैं। ताकि प्राथमिकता के साथ पेयजल समस्या का समाधान किया जा सके।

कार्यालय नगर पालिक निगम, भोपाल
वार्ड क्रमांक 34 जोन क्रमांक 07
नगर निगम स्वामित्व के दुकान के नामांतरण के संबंध में

क्रं.	वार्ड क्रं.	दुकान कम्प्यूटर आई आई डी व खाता नंबर	वर्तमान मूल आवंटी का नाम	दुकान का पता	प्रस्तावित नामांतरण हेतु खातेदार का नाम	नामांतरण का आधार
1	34	34/26 L000003023	श्री लीलाधर बोकडे आ. श्री अमृतलाल बोकडे	दु.क्रं.26/ए मालवीय शांपिग काम्पलेक्स मा. न. भो	श्री कमलेश बोकडे आ. स्व श्री लीलाधर बोकडे	आवेदन पत्र शपथ पत्र, रजिस्ट्रर्ड वसीयत, एंव मृत्यु प्रमाण पत्र

नोटः- उक्त दुकान क्रं.26/ए मा.शा.का. मालवीय नगर भोपाल के नामांतरण पर यदि किसी भी संस्था / व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञाप्ति प्रकाशन की तिथि से 15 दिन भीतर आपत्ति लिखित में साक्ष्य एंव दस्तावेजो सहित प्रस्तुत करे। यदि नियत समयावधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती हैं। तो आवेदक के नाम से दुकान के उपयोग के अंतरण के अधिकार हेतु दुकान क्र.26/ए में नाम दर्ज किया जायेगा 7 नगर पालिक निगम, अधिनियम, 1956 की धारा 167 के अंतर्गत अभिलेखों में नामांतरण कर दिया जावेगा।

वार्ड प्रभारी
वार्ड क्रं.34 नगर निगम भोपाल

नि.क्रं./ 160/023/024

जोनल अधिकारी
जोन क्रं. 07 नगर निगम भोपाल

मंत्रि-परिषद: 70 सीएम राइज विद्यालयों के लिये 2847 करोड़ रुपये स्वीकृत

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में आज मंत्रालय में मंत्रि-परिषद की बैठक हुई। मंत्रि-परिषद ने स्कूल शिक्षा के प्रस्ताव और परियोजना परीक्षण समिति की अनुशंसा अनुसार प्रदेश में 70 सर्वसुविधायुक्त विद्यालयों के लिये अनुमानित लागत 2847 करोड़ 63 लाख रूपये से निर्माण किये जाने का निर्णय लिया। प्रदेश में सी.एम. राइज योजना के प्रथम चरण में स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 275 विद्यालय विकसित किये जा रहे हैं।

मंत्रि-परिषद द्वारा पन्ना जिले की रूंज मध्यम सिंचाई परियोजना लागत राशि 513 करोड़ 72 लाख रूपये, सैंच्य क्षेत्र 14 हजार 450 हेक्टेयर की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। परियोजना से पन्ना जिले की अजयगढ़ तहसील के 47 ग्रामों के 14 हजार 450 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा का लाभ प्राप्त होगा। मंत्रि-परिषद द्वारा मझगाँय मध्यम सिंचाई परियोजना लागत राशि 693 करोड़ 64 लाख रूपये सैंच्य क्षेत्र 13 हजार 60 हेक्टेयर रबी की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई। परियोजना से पन्ना जिले की अजयगढ़ तहसील के 38 ग्रामों के 13 हजार 60 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा का लाभ प्राप्त होगा।

निःशुल्क भूमि आवंटन

मंत्रि-परिषद ने देवी अहिल्याबाई होल्कर स्मारक प्रतिष्ठान इन्दौर को ग्राम कस्बा इंदौर में 1.215 हेक्टेयर भूमि का निःशुल्क आवंटन करने का निर्णय लिया।

नगरीय क्षेत्रों की शासकीय भूमि धारकों के धारणाधिकार संबंध में अनुसमर्थन

मंत्रि-परिषद ने मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए आदेश 31 फरवरी 2023 का अनुसमर्थन किया। नगरीय क्षेत्रों की शासकीय भूमि के धारकों के धारणाधिकार संबंधी मुख्यमंत्री नगरीय भू-अधिकार योजना में नगरीय क्षेत्रों में शासकीय भूमि पर काबिज व्यक्तियों की पट्टा हेतु पात्रता अवधि (अधिभोग की तिथि) में वृद्धि कर 31 दिसम्बर, 2014 से बढ़ा कर 31 दिसम्बर, 2020 की जाये। नगरीय क्षेत्रों की शासकीय भूमि में धारकों के धारणाधिकार संबंधी विभागीय परिपत्र दिनांक 24 सितम्बर, 2020 की प्रक्रिया एवं उपबंधों का अनुसरण करते हुए ऐसे अधिभोगी जो 31 जुलाई 2023 तक सक्षम प्राधिकारी के समक्ष आवेदन करते हैं तो उन पात्र अधिभोगियों को नियमानुसार प्रब्याजि एवं भू-भाटक लेकर उनके अधिभोग के भूखंडों के 30 वर्षीय स्थाई पट्टे जारी किये जायें।

ऐसे मामलों में जिनमें इस परिपत्र के जारी होने की दिनांक के पूर्व लिए गए निर्णयों के अनुसरण में प्रीमियम राशि जमा की जा चुकी है, उन्हें पुनः विचार हेतु नहीं खोला जाएगा और न ही उन्हें कोई राशि वापिस प्राप्त करने अथवा भविष्य में देय राशि के समायोजन की पात्रता होगी।

लाइनमेन के लिए जोखिम भत्ता की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद ने लाईनमेन के विपरीत एवं विषम परिस्थितियों तथा जोखिम भरे कार्य के दृष्टिगत निर्णय लिया गया कि प्रदेश की विद्युत वितरण कंपनियों में आउटसोर्स के माध्यम से नियोजित आई. टी. आई. उत्तीर्ण श्रमिक, जो कंपनी में लाइनमेन का कार्य कर रहे हैं, को श्रमायुक्त द्वारा निर्धारित प्रतिमाह वेतन के अतिरिक्त 1000 रूपये का जोखिम भत्ता प्रदान किया जायेगा। ऐसे कार्यरत लाइनमेन को कंपनियों द्वारा आयोजित प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण किए जाने एवं तत्संबंधी आयोजित परीक्षा उत्तीर्ण करने पर इस वर्ग में नियोजन की पात्रता होगी।

6 उत्पाद के लिए 10 जिलों का चयन

प्रदेश में जिले की विशेषता के आधार पर उनके द्वारा निर्मित उत्पाद की उत्पादन क्षमता में वृद्धि, ब्रांडिंग एवं मार्केटिंग के लिये शासन द्वारा औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के माध्यम से एक जिला एक उत्पाद अंतर्गत जिलेवार उत्पादों का चयन किया गया है। मंत्रि-परिषद में कृषि संबंधी 6 उत्पाद अंतर्गत 10 जिलों में शामिल कोदो-कुटकी जिला अनूपपुर, डिंडौरी, मंडला, सिंगरौली, तुअर दाल जिला-नरसिंहपुर, चना जिला-दमोह. बासमती चावल जिला रायसेन, चिन्नौर चावल जिला-बालाघाट एवं सरसों जिला भिण्ड एवं मुरैना को 'एक जिला-एक उत्पाद' हेतु प्रशिक्षण एवं मूल्य संवर्धन योजना लागू करने का निर्णय लिया। योजना का क्रियान्वयन संचालक, किसान-कल्याण तथा कृषि विकास, भोपाल के माध्यम से किये जाने का निर्णय लिया गया।

राजस्व न्यायालयों के कम्प्यूटरीकरण को स्वीकृति

मंत्रि-परिषद ने राजस्व न्यायालयों की कम्प्यूटरीकरण परियोजना ऋष्टस्र् 4.0. का विकास किए जाने के लिए आगामी 5 वर्षों (2023-24, 2024- 25, 2025-26, 2026-27 एवं 2027-28) के लिए तकनीकी एवं वित्तीय प्रस्ताव राशि 73 करोड़ 48 लाख 65 हजार का व्यय किये जाने तथा ऋष्टस्र् 4.0 का विकास किए जाने की अवधि में समानांतर रूप से ऋष्टस्र् परियोजना 3.0 को आगामी दो वर्षों (2023-24 एवं 2024-25) तक जारी रखने ?9 करोड़ 78 लाख रूपये का व्यय किये जाने की स्वीकृति प्रदान की।

25 नवीन चलित एवं 20 नवीन स्थायी रसोई केन्द्रों की मंजूरी

मंत्रि-परिषद द्वारा दीनदयाल अन्त्योदय योजना के द्वितीय चरण में स्थापित 100 रसोई केन्द्रों के अतिरिक्त 20 निकायों में 20 नवीन स्थाई रसोई केन्द्र तथा ऐसे लोगों की मदद के लिये जो स्थाई रसोई केंद्रों पर नहीं पहुँच पाते हैं, उनके लिये 16 नगर निगम तथा पीथमपुर एवं मण्डीदीप में कुल 25 नवीन चलित रसोई केन्द्र (इस प्रकार कुल 45 नवीन रसोई केन्द्र) खोले जाने का निर्णय लिया गया।

कोविड-19 महामारी के समय रसोई केन्द्रों की महत्ता भी प्रदर्शित हुई। इसलिये 26 फरवरी, 2021 को रसोई योजना के द्वितीय चरण में 52 जिला मुख्यालयों तथा 06 धार्मिक नगर मैहर, ओंकारेश्वर, महेश्वर, अमरकंटक, ओरछा एवं चित्रकूट में कुल 100 रसोई केंद्रों का संचालन आरंभ किया गया था। योजना में प्रत्येक जरूरतमंद को रुपये 10/- प्रति व्यक्ति की दर से भोजन उपलब्ध कराया जाता है। आज तक 01 करोड़ 62 लाख थालियों का वितरण किया जा चुका है।

उल्लेखनीय है कि प्रदेश के नगरीय क्षेत्रों में व्यवसाय एवं श्रम कार्यों के लिए ग्रामीण क्षेत्रों से जरूरतमंद व्यक्तियों और परिवारों का आगमन होता है। शासन द्वारा प्रदेश के 55 नगरीय निकायों के 119 रैन बसेरा/आश्रय स्थलों में इनके लिये अस्थाई आश्रय तथा दीनदयाल अन्त्योदय रसोई योजना के प्रथम चरण 7 अप्रैल, 2017 से प्रदेश के 51 नगरीय निकायों के 56 रसोई केन्द्रों में किफायती दरों पर पौष्टिक भोजन की व्यवस्था की गई है।

972 पदों की स्वीकृति

मंत्रि-परिषद ने चिकित्सा महाविद्यालय, ग्वालियर अंतर्गत 1000 बिस्तर नवीन निर्मित चिकित्सालय के संचालन के लिए नियमित स्थापना के 488 पद और आउटसोर्स के 484 पद विभिन्न संवर्ग को मिला कर 972 नवीन पद सृजित किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गई।

328 करोड़ रूपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति

मंत्रि-परिषद द्वारा सतना में नवीन शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय की स्थापना हेतु पूर्व में जारी प्रशासकीय स्वीकृति 4 अक्टूबर, 2018 में प्रथम चरण के निर्माण कार्य हेतु स्वीकृत राशि 300 करोड़ रूपये के स्थान पर 328 करोड़ 79 लाख रूपये की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई।

फसल क्षति की सहायता राशि के मानदण्डों में संशोधन

मंत्रि-परिषद द्वारा राजस्व पुस्तक परिपत्र खण्ड छ्-ऋमांक 4 में वर्तमान में प्राकृतिक आपदा से फसल क्षति हेतु परिशिष्ट-1 (एक) (क) की तालिका के अनुक्रमांक 01 एवं 02 में संशोधन का अनुसमर्थन किया गया। लघु एवं सीमांत 0 से 2 हेक्टेयर तक कृषि भूमि धारित करने वाले कृषक/खातेदार को वर्षा आधारित फसल के लिए 25 से 33 प्रतिशत फसल क्षति होने पर प्रति हेक्टेयर 5 हजार 500 रूपये, 33 से 50 प्रतिशत फसल क्षति होने पर प्रति हेक्टेयर 8 हजार 500 रूपये, 50 प्रतिशत से अधिक फसल क्षति होने पर प्रति हेक्टेयर 17 हजार रूपये, सिंचित फसल के लिए प्रति हेक्टेयर 25 से 33 प्रतिशत फसल क्षति होने पर 9 हजार 500 रूपये, 33 से 50 प्रतिशत फसल क्षति होने पर 16 हजार रूपये, 50 प्रतिशत से अधिक फसल क्षति होने पर 32 हजार 500 रूपये, बारामाही (पैरीनियल) (बोवाई/रोपाई से 6 माह से कम अवधि में 25 से 33 प्रतिशत फसल क्षति होने पर) फसल के लिये 9 हजार 500 रुपये प्रति हेक्टेयर, 33 से 50 प्रतिशत फसल क्षति होने पर 19 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर, 50 प्रतिशत से अधिक फसल क्षति होने पर 32 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर, बारामाही (पैरीनियल) (बोवाई/रोपाई से 6 माह से अधिक अवधि के बाद 25 से 33 प्रतिशत फसल क्षति होने) पर फसल के लिये 16 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर, 33 से 50 प्रतिशत फसल क्षति होने पर 21 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर, 50 प्रतिशत से अधिक फसल क्षति होने पर 32 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर, सब्जी, मसाले तथा ईसबगोल की खेती के लिये 25 से 33 प्रतिशत फसल क्षति होने पर 19 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर, 33 से 50 प्रतिशत फसल क्षति होने पर 27 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर, 50 प्रतिशत से अधिक फसल क्षति होने पर 32 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर दिया जाएगा। 33 से 50 प्रतिशत फसल क्षति होने पर सेरीकल्चर (एरी. शहतूत और टसर) फसल के लिये 6 हजार 500 रूपये प्रति हेक्टेयर तथा मूंगा के लिये 8 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर दिया जाएगा। 50 प्रतिशत से अधिक फसल क्षति होने पर सेरीकल्चर (एरी. शहतूत और टसर) फसल के लिये 13 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर तथ मूंगा के लिये 16 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर दिया जाएगा।

इसी प्रकार लघु एवं सीमांत कृषक से भिन्न कृषक-2 हेक्टेयर से अधिक कृषि भूमि धारित करने वाले कृषक / खातेदार को वर्षा आधारित फसल के लिए 25 से 33 प्रतिशत फसल क्षति होने पर प्रति हेक्टेयर 5 हजार रूपये, 33 से 50 प्रतिशत फसल क्षति होने पर प्रति हेक्टेयर 7 हजार 300 रुपये, 50 प्रतिशत से अधिक फसल क्षति होने पर प्रति हेक्टेयर 14 हजार 600 रूपये, सिंचित फसल के लिए प्रति हेक्टेयर 25 से 33 प्रतिशत फसल क्षति होने पर 7 हजार रूपये, 33 से 50 प्रतिशत फसल क्षति होने पर 14 हजार 500 रूपये, 50 प्रतिशत से अधिक फसल क्षति होने पर 29 हजार रूपये, बारामाही (पैरीनियल) (बोवाई/रोपाई से 6 माह से कम अवधि के बाद 25 से 33 प्रतिशत फसल क्षति होने पर) फसल के लिये 7 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर, 33 से 50 प्रतिशत फसल क्षति होने पर 19 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर, 50 प्रतिशत से अधिक फसल क्षति होने पर 32 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर, बारामाही (पैरीनियल) (बोवाई/रोपाई से 6 माह से अधिक अवधि के बाद 25 से 33 प्रतिशत फसल क्षति होने पर) फसल के लिये 13 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर, 33 से 50 प्रतिशत फसल क्षति होने पर 19 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर, 50 प्रतिशत से अधिक फसल क्षति होने पर 32 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर, सब्जी, मसाले तथा ईसबगोल की खेती के लिये 25 से 33 प्रतिशत फसल क्षति होने पर 15 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर, 33 से 50 प्रतिशत फसल क्षति होने पर 19 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर, 50 प्रतिशत से अधिक फसल क्षति होने पर 32 हजार रूपये प्रति हेक्टेयर अनुदान सहायता राशि दी जाएगी।

ओके प्ले इंडिया लिमिटेड की वित्त वर्ष 23 की आय 77.5 प्रतिशत उछली

मुंबई, एजेंसी। प्लास्टिक मोल्डेड खिलौना, स्कूल फर्नीचर, आउटडोर प्ले उपकरण, इंफ्रास्ट्रक्चर और आटोमोटिव कंपोनेंट्स, पॉइंट ऑफ परचेस प्रोडक्ट्स और थ्री व्हील्ड प्लेटफार्म पर ई-व्हीकल्स के निर्माण के कारोबार में लगी हुई है, ओके प्ले इंडिया लिमिटेड (बीएसई कोड- 5264 15) ने वित्त वर्ष 23 के लिए अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है । प्रदर्शन के बारे में बोलते हुए, ओके प्ले इंडिया लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर, श्री राजन हांडा ने कहा, कोविड महामारी के बाद हमारे सभी वर्टिकल्स में जोरदार मांग दिखाई दी।

नाइका ने अपने विकास के अगले चरण को गति देने के लिए नये सीनियर लीडर्स का स्वागत किया

मुंबई , एजेंसी। भारत का प्रमुख ब्यूटी और फैशन डेस्टिनेशन, नाइका अपने विकास के अगले चरण को गति देने के लिए प्रौद्योगिकी, वित्त, व्यवसाय और मार्केटिंग में कई नए सीनियर लीडर्स का स्वागत करता है। नए लीडर्स मौजूदा नेतृत्व में शामिल होंगे, जिसमें अभी 50 से अधिक लीडर शामिल हैं, और वो कंपनी के विकास एजेंडे को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। प्रत्येक लीडर को उनकी परिपम्ता, समृद्ध अनुभव, उद्योग विशेषज्ञता, और नवाचार और विकास के जुनून के लिए ध्यानपूर्वक चुना गया है।

टीवी कलाकारों की पसंदीदा बॉलीवुड डांसिंग अभिनेत्रियां

मुंबई, एजेंसी। नृत्य अभिव्यक्ति का एक रूप है, जिसके द्वारा हम भावनाएं व्यक्त कर सकते हैं और कहानियाँ कह सकते हैं। इंटरनेशनल डांस डे पर एण्डटीवी के कलाकार अपने चहेते बॉलीवुड सेलेब्रिटी डांसर्स और एक दिन उनके साथ मंच पर परफॉर्म करने की अपनी आकांक्षा के बारे में बता रहे हैं। ये कलाकार हैं - अनीता प्रधान (मालती देवी, 'दूसरी माँ'), कामना पाठक (राजेश सिंह, 'हप्पू की उलटन पलटन') और शुभांगी अत्रे (अंगूरी, 'भाबीजी घर पर हैं')। 'दूसरी माँ' की मालती देवी, यानि अनीता प्रधान ने बताया, ''डांस मेरी रगों में दौड़ता है और मैं उसके बिना अपने जीवन की कल्पना भी नहीं कर सकती। लोग मुझे इस इंडस्ट्री में एक अभिनेत्री के तौर पर जानते हैं, लेकिन उन्हें पता नहीं है कि मैं एक प्रोफेशनल डांसर और इंस्ट्रक्टर भी हूँ। मैं दुनियाभर में परफॉर्म करती रहती हूँ। मुझे लोकनृत्य पसंद है, क्योंकि मैं जयपुर की हूँ।

नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट्स स्कीम में एफडी से ज्यादा ब्याज

नई दिल्ली। सरकार ने इसी महीने पोस्ट ऑफिस की नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट्स (हस्ष्ट) स्कीम पर मिलने वाले ब्याज में बढ़ोतरी की है। आप टैक्स बचाने के साथ अपने निवेश पर फिक्स्ड डिपॉजिट यानी स्नष्ठ से ज्यादा रिटर्न चाहते हैं तो इस स्कीम में पैसा लगा सकते हैं। इस स्कीम में 7.7त्न सालाना ब्याज दिया जा रहा है। हम आपको इस स्कीम के बारे बता रहे हैं।

इस स्कीम में फिलहाल 7.7त्न ब्याज मिल रहा है। पोस्ट ऑफिस की इस स्कीम में आपको न्यूनतम 1000 रुपए निवेश करना होगा। आप हस्ष्ट में कितनी भी रकम निवेश कर सकते हैं। इसमें निवेश की कोई अधिकतम सीमा नहीं है। हस्ष्ट का लॉक इन पीरियड 5 साल का है। नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट में आप जो भी पैसा निवेश करते हैं इनकम टैक्स एक्ट के सेक्शन 80ष्ट के तहत उस पर आप टैक्स छूट क्लेम कर सकते हैं। एक फाइनेंशियल ईयर में हस्ष्ट में आप अधिकतम 1.5 लाख रुपए निवेश करके इस पर टैक्स छूट का फायदा ले सकते हैं।

इस स्कीम में बच्चों के नाम से भी अकाउंट खोला जा सकता है। अगर बच्चा 10 साल से कम उम्र का है तो उसके नाम पर माता-पिता की ओर से खाता खोला जा सकता है। 10 साल की उम्र में बच्चा अपना अकाउंट खुद संचालित कर सकता है, वहीं वयस्क होने पर उसे खाते की पूरी जिम्मेदारी मिल जाती है।

इसके अलावा एक 18 साल की उम्र का व्यक्ति खुद या माइनर व्यक्ति की ओर से हस्ष्ट में निवेश कर सकता है। इस खाते को 3 वयस्कों के नाम पर संयुक्त खाता भी खोला जा सकता है।अगर आप अपना निवेश निकालना चाहते हैं तो आपको 5 साल का इंतजार करना होगा। इसमें 5 साल का लॉक इन पीरियड रखा गया है।

मध्य प्रदेश में 15,000 से ज्यादा ऑफलाईन रिटेलर और नज़दीकी स्टोर 'लोकल शॉप्स ऑन एमेज़ॉन' का हिस्सा बने

जबलपुर एजेंसी। 2020 में लॉन्च किए गए 'लोकल शॉप्स ऑन एमेज़ॉन' प्रोग्राम ने पूरे देश के विक्रेताओं को अपना व्यवसाय बढ़ाने और बनाए रखने में मदद की है, और उन्हें अपने नजदीकी इलाकों के बाद भी ग्राहकों तक पहुँचने में समर्थ बनाया है। यह कार्यक्रम मध्य प्रदेश में तेजी से बढ़ रहा है और परिधान, होम एवं किचन, हैल्थ एवं पर्सनल केयर, इलेक्ट्रॉनिक्स, किताबें एवं खिलौने आदि जैसी विभिन्न श्रेणियों में स्थानीय दुकानदार इसमें शामिल हो रहे हैं। 40 वर्ष पुराना पारिवारिक स्वामित्व का पोषाक व्यवसाय पाकीज़ा इंदौर, मध्य प्रदेश में स्थित है। पिछले सालों में इस व्यवसाय ने वस्त्रों और व्यक्तिगत सेवाओं का अद्वितीय संग्रह प्रस्तुत कर ग्राहकों के साथ एक मजबूत रिश्ता बना लिया है। विश्व में बदलते परिवेश और डिजिटल युग की शुरुआत के साथ इस परिवार के युवा और महत्वाकांक्षी सदस्य, वसीम गोरी को अहसास हुआ कि उनके व्यवसाय को समय के साथ चलने के लिए अनुकूलित होने की जरूरत है। उन्होंने एमेज़ॉन.इन पर भरोसा करके ई-कॉमर्स की दुनिया में प्रवेश किया और अपने प्रोडक्ट्स एमेज़ॉन से बेचना शुरू किया। वो 'लोकल शॉप्स' प्रोग्राम में शामिल हुए। उनके वस्त्रों का अद्वितीय संग्रह, खासकर महिलाओं की कुर्तियाँ भारत में ऑनलाईन शॉपर्स के बीच तेजी से लोकप्रिय हो गईं। एमेज़ॉन से उनके बिज़नेस को बहुत लाभ मिला, और सेल ईवेंट्स के दौरान पाकीज़ा रिटेल की सेल में 10 प्रतिशत से 15 प्रतिशत की वृद्धि हुई। ऑनलाईन बाजार में मिली सफलता से वसीम को अपने बिज़नेस का और ज्यादा विस्तार करने की प्रेरणा मिली, और उन्होंने अपने स्टोर के आसपास रहने वाले ग्राहकों को लोकल शॉप्स प्रोग्राम द्वारा फ्री होम डिलीवरी देना भी शुरू कर दिया। अपने कलेक्शन को प्रमोट करने और ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए उन्होंने सोशल मीडिया का उपयोग शुरू किया। अपने उत्साह, समर्पण, और ई-कॉमर्स में दृढ़ विश्वास के साथ वसीम को भरोसा है कि आने वाले सालों में उनका व्यवसाय फलता-फूलता रहेगा। आज वसीम गोरी मध्य प्रदेश से 15,000 से ज्यादा ऑफलाईन रिटेलर्स और नज़दीकी स्टोर्स में से एक हैं, जो 'लोकल शॉप्स ऑन एमेज़ॉन' प्रोग्राम में सैलर के रूप में रजिस्टर्ड हैं। यह प्रोग्राम ऑफलाईन रिटेलर्स और नज़दीकी स्टोर्स को ई-कॉमर्स के फायदे पहुँचाता है। यह बिज़नेसेज़ को अपनी पहुँच का विस्तार करने के लिए एमेज़ॉन.इन द्वारा ज्यादा ग्राहकों को आकर्षित करने में मदद करता है।

आईएफएल एंटरप्राइजेज लिमिटेड को 8.16 मिलियन अमरीकी डालर, करीबन रु. 67 करोड मूल्य के निर्यात ऑर्डर प्राप्त हुए

अहमदाबाद , एजेंसी। सभी प्रकार के पेपर और स्टेशनरी वस्तुओं के व्यापार के कारोबार में अग्रणी कंपनी आईएफएल एंटरप्राइजेज लिमिटेड को केन्याई कंपनी, फ़ेरियाना होल्डिंग लिमिटेड से निर्यात ऑडर प्राप्त हुए हैं। यह ऑडर केन्या में स्कूलों के लिए राइटिंग बुक्स, टेक्स्ट बुक्स, बॉन्ड पेपर, कॉपियर पेपर की आपूर्ति के लिए है। ऑर्डर का कुल एफओबी मूल्य 8.16 मिलियन अमरीकी डालर

IFL ENTERPRISES LIMITED

(लगभग 67 करोड़ रुपये) अनुमानित है, जिसे 1 वर्ष के भीतर पूरा किया जाना है। कंपनी ने ओवरसीज पार्टनर के साथ जरूरी सभी प्रक्रियाएं पूरी कर ली है। निर्यात शिपमेंट जून 2023 से निर्धारित है और मार्च 2024 तक पूरा होने की उम्मीद है। ऑर्डर अनुबंध की सहमत शर्तों के अनुसार 80 प्रतिशत अग्रिम भुगतान और शेष 20 प्रतिशत ऑर्डर डिलीवरी पर अधीन है। फ़ेरियाना होल्डिंग लिमिटेड ने अपने पत्र में आईएफएल एंटरप्राइजेज लिमिटेड को दिनांक 21 अप्रैल 2023 के आदेश की पुष्टि करते हुए कहा है कि केन्या सरकार ने कंपनी को राइटिंग बुक्स, टेक्स्ट बुक्स, बॉन्ड पेपर, कॉपियर पेपर की आपूर्ति करने के लिए ऑर्डर दिया है।

घरेलू समानता पर बनी एरियल की नयी भावनात्मक फिल्म दर्शाती है कि दंपतियों को साथ रहना है, तो साथ देना भी है

जबलपुर, एजेंसी। भारत के बड़े डिटर्जेंट ब्रांड, एरियल ने साल 2015 में स्रद्धङ्घद्गह्लद्धद्वद्यशङ्घस्र शुरू किया था ताकि वे घरेलू कामकाज के समान बँटवारे के बारे में सार्थक बातचीत को बढ़ावा दे सकें और ज्यादा-से-ज्यादा संख्या में पुरुषों को घरेलू कामकाज में हाथ बटाने के लिए प्रोत्साहित कर सकें। इस मुद्दे पर बातचीत को जारी रखने और परिवारों के भीतर समानता के संदेश को लगातार आगे बढ़ाने की बात को ध्यान में रखते हुए, एरियल ने हाल ही में अपनी नई फिल्म सी द साइन्स स्रद्धङ्घद्गह्लभ्द्धद्दरुशङ्घस्र' को लॉन्च किया। ब्रांड ने अपनी इस साल की मुहिम में लंबे समय तक असमान बँटवारे के शादी के रिश्ते पर पड़ने वाले प्रभाव को उजागर किया है, ताकि दंपति इसे समझें और घरेलू कामकाज में आज ही से हाथ बटाने लगें, ताकि उनका वैवाहिक जीवन खुशहाल रहे। एरियल की नई फिल्म सवाल उठाती है कि- आपके वैवाहिक जीवन में आप एक साथ आगे बढ़ रहे हैं या अलग-अलग घरेलू कामकाज के बँटवारे में असमानता को नजरअंदाज करने से कुछ दंपतियों के बीच भावनात्मक दूरी बढ़ रही है।

फ्रंटियर्स इन फोटोनिक्स एंड मेटामैटेरियल्स विषय पर भारत-फ्रांस सम्मेलन में दुनियाभर से अग्रणी विशेषज्ञ और अनुसंधानकर्ता एक साथ आए

हैदराबाद, एजेंसी। महिन्द्रा युनिवर्सिटी-इकोल सेंट्रल स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग (इंडिया) और इकोल सेंट्रल ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस (फ्रांस) ने तीन दिन के अंतर्दृष्टिपूर्ण और प्रेरणादायी परिचर्चा के बाद फ्रंटियर्स इन फोटोनिक्स एंड मेटामैटेरियल्स-2023 पर भारत-फ्रांस सम्मेलन को सफलतापूर्वक संपन्न किया। महिन्द्रा युनिवर्सिटी में हुए इस सम्मेलन में भारत और दुनियाभर से अकादमिक क्षेत्र के लोग, उद्योग के पेशेवर लोग, युवा वैज्ञानिक और उत्साही विद्यार्थियों सहित 100 से अधिक प्रतिनिधि शामिल हुए। ` विशेषज्ञों और अनुसंधानकर्ताओं को फोटोनिक्स एवं मेटामैटेरियल्स के क्षेत्रों में अपने अनूठे योगदान और चुनौतियों को साझा करने का मंच उपलब्ध कराया जिसका लक्ष्य अंततः इस तेजी से उभरते क्षेत्र में नवाचार को प्रेरित करना था।

तीन महीने में अरहर दाल 29 रु. किलो तक महंगी

दिल्ली में ये 105 रुपए से बढ़कर 128 रुपए प्रति किलो पर पहुंची

नई दिल्ली। देशभर में जमाखोरी के खिलाफ एक महीने से कई राज्यों में छापामार कार्रवाई और स्टॉक लिमिट तय किए जाने के बाद भी अरहर (तुअर) दाल के दाम बढ़ रहे हैं। दिसंबर 2022 में पूरे देश में 100 रु. के आसपास चल रही दाल अब 129 रुपए किलो मिल रही है। यह खुद केंद्र सरकार मानती है।

मार्च में दामों के 120 रुपए पार होने के बाद सरकार ने सीमा से अधिक दाल के भंडारण पर रोक लगा दी थी, लेकिन दाम नहीं घटे। जानकार कहते हैं कि मांग और आपूर्ति के बीच अंतर बढ़ने के कारण दाम बढ़े हैं।

ऑल इंडिया दाल मिल एसोसिएशन के अध्यक्ष सुरेश अग्रवाल कहते हैं, अरहर की फसल में 8 माह लगते हैं। इतने समय में किसान दूसरी दो फसलें ले लेता है। गेहूं-धान की तरह इसकी सरकारी खरीद भी नहीं होती। किसान उचित मूल्य को लेकर आश्वस्त नहीं रहता। इसलिए मध्य प्रदेश , महाराष्ट्र, कर्नाटक में किसानों ने अरहर कम बुवाई की। इससे पैदावार घटी और दाम बढ़ गए।

सरकार आयात करेगी दाल

देश में 2021 में 42 लाख टन तुअर दाल का उत्पादन था। 2022 में 19त्न घटकर 34 लाख टन रह गया। इस साल दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और मलावी से 4.5 लाख टन और म्यांमार से 2.5 लाख टन दाल आयात की जानी है। पिछले साल 4.5 लाख टन दाल ही मंगवाई गई थी। आयातित दाल खुदरा बाजार में आने के बाद ही दामों पर लगाम लग सकती है। हालांकि इसमें दो माह लग सकते हैं।

छोटे मिल संचालकों के लिए आयात के दरवाजे खुलें

मप्र दाल-चावल एसोसिएशन के अध्यक्ष शीलचंद्र लचकिया के मुताबिक, म्यांमार समेत कई अफ्रीकी देश भारत को निर्यात करने के लिए ही अरहर उगाते हैं। सरकार छोटे मिल संचालकों के लिए भी आयात के दरवाजे खोले।

ट्रेड लाइसेंस के नए नियम सरकार ने किए स्थगित

भोपाल। राज्य शासन नगरीय प्रशासन एवं आवास विभाग ने ट्रेड लाइसेंस के संबंध में हाल ही में जारी नए आदेश को तत्काल प्रभाव से स्थगित कर दिया है।इस संबंध में राज्य शासन द्वारा जारी आदेश में बताया गया है कि नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा मध्यप्रदेश राजपत्र में प्रदेश के नगरों की सीमाओं के भीतर कोई व्यापार करने के विनियमन के लिए मध्य प्रदेश नगर पालिका नियम 2023 अधिसूचित किए गए हैं।

राज्य शासन ने उक्त नियम के क्रियान्वयन को तत्काल प्रभाव से आगामी आदेश तक के लिए स्थगित कर दिया है। इन नियमों के लागू होने के पूर्व मध्य प्रदेश नगर पालिका अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार निकाय स्तर पर व्यापार विनियमन के लिए ट्रेड लाइसेंस जारी करने, शुल्क निर्धारित करके लागू किए हैं, वह पूर्व अनुसार लागू रहेंगे। बता दें कि राज्य शासन द्वारा जारी नोटिफिकेशन के बाद व्यापारियों में इसको लेकर भारी विरोध था।

हायर ने कस्टमर्स को इमर्सिव एक्सपीरियंस प्रदान करने के लिए, क्यूएलईडी सेगमेंट में गूगल टीवी को किया लॉन्च

नई दिल्ली,एजेंसी। हायर एप्लायंसेज इंडिया (हायर इंडिया), जो कि होम एप्लायंसेज में एक ग्लोबल लीडर होने के साथ साथ लगातार 14 वर्षों से मेजर एप्लायंसेज में दुनिया का नंबर 1 ब्रांड है, ने आज गूगल टीवी के साथ क्यूएलईडी सीरीज की अपनी नई रेंज लॉन्च करने की घोषणा की है। हायर ने अत्याधुनिक टेक्नोलॉजिकल फीचर्स और इंडस्ट्री की बेस्ट पिख्र मलिटी के साथ इस क्यूएलईडी टीवी सेगमेंट में प्रवेश किया है, जो इसे इनोवेशन, डिजाइन और स्मार्ट टेक्नोलॉजिकल दक्षताओं का एक सही मिश्रण बनाता है। लॉन्च के इस मौके पर हायर अप्लायंसेज इंडिया के प्रेसिडेंट श्री सतीश एनएस ने कहा, हम अपने इस नई क्यूएलईडी टीवी सीरीज़ के लॉन्च से बेहद उत्साहित हैं जो कि हमारे कंज्यूमर्स को टेलीविज़न देखने का एक नया और शानदार एक्सपीरियंस प्रदान करेगी। यह लॉन्च हायर की ब्रांड फिलॉसफी इंस्पायर्ड लिविंग के प्रति हमारी प्रतिबद्धता का एक और शानदार उदाहरण है।

फ्लाईट ने लॉन्च किया नया टीवी विज्ञापन 'सर उठा कदम बढ़ा'

नई दिल्ली, एजेंसी। हममें से ज़्यादातर लोग अपने जीवन के लिए वहीं रास्ता चुनते हैं जिसे अक्सर चुना जाता है, लेकिन कुछ लोग ऐसे भी होते हैं तो दुनिया की बातों की परवाह न करते हुए अपने मन की आवाज़ सुनते हैं और अपने चुने रास्ते पर चलकर कामयाबी हासिल करते हैं। फ्लाईट का नया टीवी विज्ञापन- सर उठा, कदम बढ़ा- उस भावना पर आधारित है जो हम सभी के भीतर गहराई से बसी है। यह विज्ञापन हमारे भीतर छिपी इस भावना के साथ हमें जोड़ता है। विज्ञापन में एक युवक की भावनाओं को दर्शाया गया है जो इंजीनियरिंग कर रहा है, लेकिन कहीं न कहीं उसमें लिखने का जुनून है। वह मुंबई जाकर अपने इस सपने को साकार करना चाहता है। लेकिन जैसा अक्सर होता है, उसके परिवार को उसका यह आइडिया पसंद नहीं आता और वे उसे सपोर्ट नहीं करते। कई मुश्किलों के बावजूद वह हार नहीं मानता और आखिरकार एक डायरेक्टर उसकी स्क्रिप्ट पर फिल्म बनाने के लिए तैयार हो जाता है। और फिर पता चलता है कि लेखक बन चुका यह इंजीनियर कोई और नहीं बल्कि पुरस्कार विजेता स्क्रिप्ट राइटर वरुण ग्रोवर है- यह टीवी विज्ञापन उन्हीं के जीवन की सच्ची कहानी पर आधारित है।

हजरत शाह अब्दुल कादिर बापू अरमानी का उर्स गांगीवाड़ में 28 से 30 तक

छिंदवाड़ा। हजरत शाह अब्दुल कादिर बापू अरमानी रह.अलैह का ती दिवसी उर्स कुंडालीकला गांगीवाड़ा में 28 से 30 अप्रैल तक मनाया जायेगा। जिसमें 28 अप्रैल को गुस्ल, परचम कुशाई 29 को शाम 7 बजे से रात तक नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया है एवं रात्र में 9 बजे से सरफराज चिश्ती(उत्तरप्रदेश), अजमी नाजा कव्वाली का कार्यक्रम एवं भण्डारा (लंगर) रखा गया है, 30 अप्रैल को सुबह फजर में रंग महफिल एवं लंगर का आयोजन किया गया है।

जीवन मे मिला मान अपमान आपके कर्म का परिणाम : हितेंद्र शास्त्री

अमरवाड़ा। व्यक्ति के स्वयम के कर्म ही उसके लाभ-हानि, मान-अपमान का कारण है ड़ू देवी कृपा से बड़ा संकट भी कट जाता है और जगदंबा की भक्ति भोग एवं मोक्ष प्रदायिनी है ड़ू मातेश्री मंदिर जगतदेव परिसर में आयोजित श्रीमद्देवीभागवत कथा ज्ञानयज्ञ में कथावाचक हितेंद्र शास्त्री जी ने नवरात्रि में कन्या पूजन, देवी आराधना विधान की शास्त्रोक्त व्याख्या करते हुए देवी महिमा का बखान किया ड़ू कथा श्रवण हेतु विधायक कमलेश शाह, आरएसएस के जिला संघ रामेश्वर सिंह पटेल,जिला कार्यवाह रविशंकर कहार, पूर्व विभाग प्रचारक राघवेन्द्र, भाजपा पूर्व जिला महामंत्री उत्तम ठाकुर, संतोष नेमा,नगरपालिका अध्यक्ष प्रीति नितिन तिवारी, नविता चौरसिया, दीपक नेमा उपाध्यक्ष प्रकाश ठाकुर, सभापति नीतू पटेल,कल्पना साहू, विनोद साहू, राजेश अहिरवार,राजकुमार बरकड़ नरेंद्र,संजय तिवारी, सन्तु साहू,भोला प्रसाद मिश्रा,गजेंद्र सिसोदिया सहित गणमान्य नागरिक एवं आयोजक लोकेश्वर प्रसाद तिवारी, नितिन तिवारी, सचिन तिवारी, शक्तिशेष तिवारी उपस्थित रहे।

नेशनल लोक अदालत 13 मई का विद्युत उपभोक्ताओं के प्रकरणों में छूट का प्रावधान

छिन्दवाड़ा। जिला न्यायालय परिसर छिन्दवाडा और तहसील मुख्यालयों के सिविल न्यायालयों अमरवाड़ा, चौरई, सौंसर व जुन्नारदेव में विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 एवं 126 के अंतर्गत बिजली चोरी, अनाधिकृत विद्युत का उपयोग एवं भार वृद्धि के लंबित प्रकरणों के निराकरण के लिये 13 मई को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया गया है। इस नेशनल लोक अदालत में सभी घरेलू और कृषि, 5 किलोवाट भार तक के गैर घरेलू और 10 अश्व शक्ति भार तक के औद्योगिक श्रेणी के उपयोगकर्ता/उपभोक्ताओं के लिये छूट के प्रावधान किये गये हैं। म.प्र.पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड के कार्यपालन अभियंता ने बताया कि नेशनल लोक अदालत में विशेष न्यायालय में दर्ज प्रकरणों में आकलित सिविल दायित्व की राशि में 20 प्रतिशत और छ: माही चक्रवृद्धि दर के अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर शत-प्रतिशत तथा न्यायालय में प्रकरण दर्ज नहीं होने की स्थिति में आकलित सिविल दायित्व की राशि पर 30 प्रतिशत और छ: माही चक्रवृद्धि दर के अनुसार 16 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से लगने वाले ब्याज की राशि पर शत-प्रतिशत छूट प्रदान की जायेगी।

आदि गुरु शंकराचार्य जी कि 2530 वी जयंती मनाई

छिंदवाड़ा। श्रीमति कीर्ति विजय गावंडे के घर जाम में पुजन कर आदि गुरु शंकराचार्य जी कि 2530 वी जयंती मनाई गई इस कार्यक्रम में रामहरी जामकर मोरेश्वर घटकडे प्रभाकर लोखंडे शिवराव गावंडे चंद्रशेखर घोरके शेशराव गावंडे शुशील जामकर विनोद घोरके तारेंद्र लोखंडे सुनील लोखंडे चंचलेश अल्डक उपसरपंच अतुल अल्डक मनोज लोखंडे शशीकांत जामकर चंद्रशेखर गावंडे गगन लोखंडे अरविंद चोपडे सहित गुरु परिवार के लोग उपस्थित थे।

नगर-उमरानाला स्टेशन में इतवारी-रीवा एक्सप्रेस ट्रेन का स्टॉप मांग

इतवारी-रीवा एक्सप्रेस ट्रेन के भव्य शुभारम्भ

उमरानाला। मोहखेड़ विकासखंड में कई गांव बसते है और वर्तमान में अनुमानित जनसंख्या दो लाख के पार हो चुकी है सरकार द्वारा दी गयी इस बड़ी सौगात से जिले की जनता को सीधे रीवा तक जोड़ने में बड़ी कामयाबी हासिल हुई है किन्तु मोहखेड़ विकासखंड की जनता को यह ट्रेन या तो सौसर से पकड़नी होंगी या तो छिंदवाड़ा से हाईकोर्ट, कॉलेज और भी अन्य महत्वपूर्ण काम को लेकर जबलपुर संभाग में स्थानीय जनता का अक्सर आना-जाना लगा रहता है! किन्तु नगर उमरानाला में इतवारी-रीवा ट्रेन का सिर्फ दो मिनट का स्टोपेज ना देना स्थानीय जनता के लिये निराशा उत्पन्न कर रहा है साथ ही मोहखेड़ विकासखंड की जनता को टिकट रिसर्वेशन के लिये अक्सर छिंदवाड़ा स्टेशन जाना पड़ता है; इसकी वजह नगर उमरानाला के रेलवे स्टेशन में टिकट रिसर्वेशन काउंटर की सुविधा का ना होना है इतवारी-रीवा एक्सप्रेस ट्रेन का नगर उमरानाला स्टेशन में स्टोपेज और टिकट रिसर्वेशन काउंटर का चालू होना मोहखेड़ विकासखंड की जनता के लिये बहुत बड़ी सौगात साबित हो सकता है।

कलेक्टर ने किया जल जीवन मिशन सहित विभिन्न निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण

छिन्दवाड़ा। शासकीय योजनाओं की जमीनी क्रियान्वयन और विभिन्न निर्माण कार्यों का जायजा लेने कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने जिले के अनुभाग सौंसर का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने अनुभाग अंतर्गत विकासखंड सौंसर और मोहखेड़ के विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर जल जीवन मिशन के कार्यों की गुणवत्ता और ग्रामीणों को मिल रही बुनियादी सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की एवं अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम सौंसर श्री श्रेयांस कुमट, एसडीओ पीएचई मनोज बघेल सहित अन्य स्थानीय अधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे।

छिंदवाड़ा विधानसभा से कमलनाथ ही चुनाव लड़ेंगे: दीपक सक्सेना

कमलनाथ नकुलनाथ के प्रयासों से छिंदवाड़ा-नैनपुर-मंडला ट्रेन प्रारंभ हुई पत्रकार वार्ता में भाजपा पर बरसे कांग्रेस नेता

छिन्दवाड़ा। कमलनाथ एवं नकुलनाथ के प्रयासों से छिन्दवाड़ा-नैनपुर-मण्डला ट्रेन प्रारंभ हुई है, यह जिले की जनता जानती है। मैंने स्वयं इस रेल लाइन के अंतर्गत निर्मित होने वाले 68 करोड़ रुपयों की लागत से बनने वाले पुल-पुलियाओं के निर्माण का भूमिपूजन किया था भाजपा के मंत्री ट्रेन को हरीझंडी दिखाकर श्रेय लेने का काम कर रहे हैं, पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना पत्रकारों से चर्चा कर रहे थे। उन्होने कहा कि भाजपा ने छिन्दवाड़ा के विकास को रोकने का काम अवश्य किया है। कमलनाथ की 15 महीनों की सरकार में जो भी विकास के कार्य छिन्दवाड़ा में प्रारंभ हुये उन्हें भाजपा ने बंद कर दिया या फिर उनका बजट आधा कर दिया। उन्होंने छिन्दवाड़ा रेलवे स्टेशन पर कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ताओं के साथ पुलिस के द्वारा किये गये बर्ताव की निंदा करते हुये कहा कि अगर भविष्य में पुलिस प्रशासन पुनरावृत्ति करता है तो कांग्रेस उग्र प्रदर्शन करेगी। पत्रकार वार्ता में गंगा प्रसाद तिवारी, विश्वनाथ ओक्टे, महापौर विक्रम अहके, गोविंद राय, जिला युवक कांग्रेस अध्यक्ष एकलव्य यहके उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री लगातार झूठ बोल रहे: गंगातिवारी

प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष गंगा प्रसाद तिवारी ने प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के झूठ की पोल खोलते हुये कहा कि वे जनता से तो लगातार झूठ बोल रहे हैं, लेकिन उन्होंने देश के प्रधानमंत्री के सामने भी झूठ परोस दिया। रीवा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सामने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने झूठ बोला कि किसानों की आय दोगुनी हो गई है, आय तो दोगुनी नहीं हुई लेकिन लागत अवश्य दोगुनी हो गई है।

भाजपा ने पांढुर्ना में 36 ट्रेनों के स्टापेज को समाप्त किया: विश्वनाथ

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे ने कहा कि कमलनाथ ने केंद्रीय मंत्रित्व कार्यकाल मेंछिन्दवाड़ा×नैनपुर×मण्डला रेल लाइन की सौगात दी। उन्होंने पांढुर्ना और सौंसर रेलवे स्टेशन को भी मॉडल बनवाया, जबकि जिन्होंने कोई काम नहीं किया वे श्रेय ले रहे हैं। पांढुर्ना रेलवे स्टेशन से 65 ट्रेनें चलती थी। श्रद्धालुओं के लिये दादाधाम एक्सप्रेस की शुरुआत कमलनाथ के प्रयासों से हुई, जबकि भाजपा ने इसके विपरित जाकर कोरोना संक्रमण काल में पांढुर्ना स्टेशन से 36 ट्रेनों के स्टॉपेज को समाप्त कर दिया, इनकी पुन:शुरुआत के लिये कांग्रेस संघर्ष कर रही है।

कमलनाथ के प्रयासों से ट्रेन की सौगात मिली:विक्रम अहके

नगर पालिक निगम महापौर विक्रम अहके ने कहा कि कमलनाथ व नकुलनाथ के प्रयासों से छिन्दवाड़ा को एक और नई ट्रेन की सौगात मिली है। छिन्दवाड़ा-नैनपुर-मंडला आमान परिवर्तन का शिलान्यास कमलनाथ के हस्ते हुआ था। शिलान्यास आज भी रेलवे स्टेशन परिसर में है, किन्तु भाजपा केवल श्रेय लेने के लिये कांग्रेस के कार्यों को अपना बता रही है।

कमलनाथ छिंदवाड़ा विधानसभा से ही चुनाव लड़ेंगे

पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना और जिला कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ ओक्टे ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव छिंदवाड़ा से कमलनाथ ही लड़ेंगे इससे माहौल अच्छा बनेगा और जिले की सभी विधानसभा कांग्रेस जीतेगी।

रेलवे ने कमलनाथ, नकुलनाथ को उनकी वरियता के आधार पर आमंत्रित नहीं किया

रेल सुविधाओं को लेकर विश्वनाथ ओक्टे और दीपक सक्सेना ने कहा कि कमलनाथ 1980 से जिले के विकास के लिए प्रयास कर रहे हैं उनका ही प्रयास है कि ब्राडगेज लाईन बनी है। किन्तु श्रेय भाजपा ले रही है। उन्होने केन्द्रीय मंत्री मुरूगन को भेज दिया। यह पूछे जाने पर कि कमलनाथ और नकुलनाथ छिंदवाड़ा में उपस्थित थे और रेलवे ने उन्हें आमंत्रित किया था तो वे क्यों नहीं आए वे आते तो उन्हें श्रेय मिलता इस पर दीपक सक्सेना ने कहा कि रेलवे ने उनकी वरियता के अनुसार उन्हें आमंत्रित नही किया इसीलिए वे नहीं आए कमलनाथ की ओर से विधायक प्रतिनिधि दीपक सक्सेना उपस्थित थे।

भाजपा और कांग्रेस दोनों को ही मलाल था रेल्वे ने नियमानुसार जनप्रतिनिधियों को बुलाया

गोविन्द चौरसिया

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा-नैनपुर रेल लाईन के कार्यक्रम का आयोजन रेल्वे ने किया था इस कार्यक्रम में सत्ता का असर दिखा रेल्वे ने नियम के अनुसार जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया। मुख्य अतिथि भाजपा के केन्द्रीय मंत्री डॉ. मुरूगन थे, इसके अलावा प्रोटोकाल के तहत नगर के प्रथम नागरिक महापौर विक्रम अहाके व जिला पंचायत के जिले के प्रथम नागरिक संजय पुनहार एवं दीपक सक्सेना को विधायक प्रतिनिधी के नाते आमंत्रित किया था, जिले के सातों विधायक कांग्रेस के है, भाजपा के महापौर व जिला पंचायत अध्यक्ष होते तो भाजपा का कब्जा होता, चूकि केन्द्रीय मंत्री डॉ. मुरूगन अतिथि थे, इसीलिए जिला भाजपा को मंच पर जगह मिली किन्तु रेल्वे ने केन्द्रीय मंत्री के अलावा किसी को बोलने का मौका नहीं दिया। केन्द्र में भाजपा की सरकार है और मुख्य अतिथि केन्द्रीय मंत्री थे, इसीलिए कमलनाथ एवं सांसद नकुलनाथ दोनों ही नहीं आये। यहां पर भाजपा एवं कांग्रेस के दोनों ही पार्टियों को समझ में आया कि सत्ता और जनप्रतिनिधियों का क्या महत्व होता है। रेल्वे ने नियमानुसार जनप्रतिनिधियों को आमन्त्रित किया था। भाजपा को मलाल था कि सरकार उनकी है, किन्तु जनप्रतिनिधी उनके नहीं है, और कांग्रेस को मलाल था कि सरकार उनकी नहीं है।

37 वाहनों से मिले जुर्माने में 18500/-

सयुंक्त सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम 30 अप्रैल तक

छिंदवाड़ा। सुप्रीम कोर्ट कमेटी ऑन रोड सेफ्टी लीड एजेंसी परिवहन विभाग द्वारा दिनांक 24 से 30 अप्रैल 2023 तक सम्पूर्ण प्रदेश मे सयुंक्त सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया है जिनके निर्देशों के परिपालन मे परिवहन कार्यालय छिंदवाड़ा द्वारा दिनांक 25.04.2023 को अमरवाड़ा नरसिंगपुर मार्ग पर बिना हेलमेट, बिना सीटबेल्ट लगाय व देखते हुए ऋञ्जह्ल अधिकारी मनोज कुमार तेहनगुरिया जी के मार्गदर्शन मे परिवहन जाँच दल द्वारा अमरवाड़ा नरसिंगपुर मार्ग पर सवारी बसों सहित बिना हेलमेट पहने दोपहिया चालक और बिना सीट बेल्ट लगाय चार पहिया चालको पर सख्त कार्यवाही करते हुए लगभग 65 वाहनों की जाँच की गई जिसमे 37 वाहनों के संचालक पर कार्यवाही करते हुए उन से लगभग 18500 /-? जुर्माना शमन शुल्क लिया गया साथ ही अन्य वाहनों की जाँच की गई और ट्रेक्टर ट्रालीयों मे रिफ़लेक्टर रेडियम लगाया गया और 181 महिला हेल्पलाइन नम्बर का स्टिकर बसों मे लगाया गया अन्य वाहन संचालको को समझाइस दी गई की अगर जिन यात्री वाहन संचालक की भविष्य मे किसी भी तरह की शिकायत प्राप्त होती है तो परिवहन अधिकारी द्वारा उन वाहनों पर जब्ती की कार्यवाही भी की जावेगी। सीटबेल्ट तथा हेलमेट, ओवर स्पीड, शराब पीकर वाहन संचालन और यातायात नियमों का पालन नहीं करने वाले वाहनों की सघन जाँच अभियान पुरे सप्ताह निरंतर जारी रहेगा!

90 किलो अमानक पॉलीथिन जब्त कर दुकानदारों का चालान काटा

छिंदवाड़ा। नगर निगम आयुक्त राहुल सिंह और प्रदूषण नियन्त्रण बोर्ड के अधिकारी के.एन.कटारे के आदेशानुसार बुधवारी रोड,मेन पोस्ट आफिस के पास, इतवारी बाजार के थोक एवं फुटकर दुकानदारो के पास से 90 किलो अमानक पालिथीन और डिस्पोजल गिलास, प्लास्टिक के चम्मच आदि नगर निगम स्वास्थ्य अमले एवम प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए जब्त किया।इस क्षेत्र के दुकानदारों द्वारा पालिथिन व डिस्पोजेबल सामग्री का उपयोग लगातार किया जा रहा था तथा आस-पास कचरा भी फेंका जाता था। इन दुकानों से लगभग 90 किलो अमानक पॉलीथिन जब्त कर दुकानदारों का कुल ?6300/- का चालान काटा गया। यह कार्यवाही प्रभारी स्वास्थ्य अधिकारी अनिल मालवी, निगम जोन प्रभारी रामवृक्ष यादव,सुनील मालवी,अनिल लोट,गोविन्द चौहान, एवं प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के कर्मचारी रमेश कुमार द्विवेदी एवं अन्य के द्वारा की गई।

भूमि का कब्जा दिलाने व आवासीय पट्टा प्रदाय करने मांग की

कलेक्ट्रेट में सुनी गई 145 आवेदकों की समस्याएं

छिन्दवाड़ा। राज्य शासन के जनसुनवाई कार्यक्रम के अंतर्गत प्रति सप्ताह मंगलवार को आम नागरिकों की समस्याओं की सुनवाई की जाती है और संबंधित विभाग के अधिकारियों से इन समस्याओं का त्वरित निराकरण कराया जाता है। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के मार्गदर्शन में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत पार्थ जैसवाल ने आज जनसुनवाई कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में 145 आवेदकों की समस्यायें सुनी। इस दौरान जिले के शहरी और ग्रामीण, दूरस्थ अंचलों से आये आवेदकों ने सामूहिक और व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी समस्याओं के निराकरण के लिये आवेदन प्रस्तुत किये। जनसुनवाई में मुख्य रूप से अनुकंपा नियुक्ति दिलाने, वृध्दावस्था पेंशन दिलाने, सीमाकंन व बंटवारा करने, नक्शा में सुधार करने, सड़क निर्माण करने, भूमि का कब्जा दिलाने व आवासीय पट्टा प्रदाय करने, आर्थिक सहायता दिलाने आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुये। जनसुनवाई के दौरान आवेदकों के बैठने की व्यवस्था भी की गई थी। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जैसवाल ने विभिन्न आवेदनों में तत्काल प्रकरण नोट कराते हुए तत्परता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई कार्यक्रम में छिंदवाड़ा नगर की श्रीमती मधु गजभिये ने वृध्दाश्रम में प्रवेश करने की अनुमति दिलाने, श्रीमती चंद्रकला मालवी ने पति की आकस्मिक दुर्घटना में मृत्यु हो जाने पर आर्थिक सहायता दिलाने व श्रीमती पूजा परतेती ने गरीबी रेखा की सूची में परिवार का नाम जोड़ने, ग्राम बांडाबोह के श्री रोशन परतेती ने वृध्दावस्था पेंशन दिलाने, ग्राम जूनापानी के दिव्यांग श्री तीरथलाल बेलवंशी ने संबल योजना के अंतर्गत या मुख्यमंत्री सहायता कोष से अनुदान राशि दिलाने, ग्राम पंचायत छिंदीकामथ क्षेत्र के समस्त जनप्रतिनिधिगण और सरपंच ने ग्राम में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हिरदागढ़ का नाम परिवर्तित कर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्त्र छिंदीकामथ करने, ग्राम बुचनखापा के श्री नन्हूलाल बुवाड़े ने कृषि भूमि पर जंगली सुअर द्वारा गेहूं और संतरे की फसलों को नुकसान पहुंचाने पर आर्थिक सहायता राशि दिलाने, ग्राम गोहजर कछार के ग्रामवासियों ने नाले पर बड़ा पुल एवं तुर्कीखापा से झिरिया मार्ग देवगढ़ तक पक्की सड़क निर्माण कराने, आदि के आवेदन प्रस्तुत किये।

पुरानी पेंशन को लेकर अशोक नगर में आयोजित होगा छठवां महाकुंभ

प्रांतीय अध्यक्षों ने ली छिंदवाड़ा में विशेष बैठक

छिंदवाड़ा-विगत दिवस नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम के प्रांतीय अध्यक्ष परमानंद डेहरिया एवं ट्राईबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष डी.के. सिंगौर ने छिंदवाड़ा में पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन जिला छिंदवाड़ा टीम के जिलाध्यक्ष विनोद डेहरिया,जिला प्रभारी अरविंद भट्ट,जिला समन्वयक ताराचंद भलावी की उपस्थिति में एनएमओपीएस के साथियों के साथ बैठक में आगामी 30 अप्रैल 2023 को ग्वालियर संभाग के अशोकनगर जिला मुख्यालय में पुरानी पेंशन बहाली महाकुंभ के आयोजन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने के लिए चर्चा की।प्रथम नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता की गणना कर पुरानी पेंशन बहाल करने की एक सूत्रीय मांग को लेकर अशोकनगर में महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है बैठक में विशेष रूप से एनएमओपीएस टीम जिला छिंदवाड़ा के प्रांतीय सचिव रमेश पाटिल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रामाजी पाठे, सत्यभान पटेल,सुशील दोइजड, कमलेश चौरासे, प्रहलाद मालवीय, समीमउल हसन शेख ,टुकड़या भादे उपस्थित रहे वरिष्ठता के साथ पुरानी पेंशन बहाली की एक सूत्रीय मांग को लेकर पूरे मध्यप्रदेश में लगातार आंदोलन, रैली धरना का आयोजन हो रहा है मध्यप्रदेश के विभिन्न विभागों के साढ़े छ:लाख अधिकारी कर्मचारी 2004 में बंद हुई अपनी पुरानी पेंशन की वरिष्ठता के साथ निरंतर मांग कर रहे हैं पूरे देश में नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्कीम के राष्ट्रीय अध्यक्ष विजय कुमार बंधु के नेतृत्व में वरिष्ठता के साथ पेंशन की लड़ाई लड़ी जा रही है जिसमें पश्चिम बंगाल ने पुरानी पेंशन बंद ही नहीं किया। साथ ही अन्य प्रदेश जैसे राजस्थान,छत्तीसगढ़,पंजाब,झारखंड और हिमाचल प्रदेश के कर्मचारियों को पुरानी पेंशन का लाभ दिया जा रहा है।

महापौर वार्डों में साफ़-सफ़ाई एवं स्वच्छता का जायज़ा लेने पहुंचे

छिंदवाड़ा। चहुमुंखी विकास एवं स्वच्छता सर्वेक्षण सर्वे 2023 में छिंदवाड़ा को प्रथम स्थान पर लाने के लिए संकल्पित महापौर विक्रम अहके आज प्रात: आपका महापौर आपके द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत पहुँचे वार्ड क्रमांक 48 मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ एवं छिंदवाड़ा सांसद नकुलनाथ की मंशानुसार छिंदवाड़ा महापौर विक्रम अहके छिंदवाड़ा में विकास की अलख जगाने के लिए दृढ़ संकल्पित है जिसका परिणाम है कि महापौर आये दिन वार्डो में साफ़-सफ़ाई एवं स्वच्छता का जायज़ा लेने पहुँच रहे हैं एवं छिंदवाड़ा को स्वच्छता सर्वेक्षण सर्वे 2023 में प्रथम स्थान पर लाने हेतु परिवारजनों से भी सहयोग की अपील कर रहे हैं जहाँ महापौर जी परिवारजनों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं का यथा सम्भव निराकरण भी कर रहे हैं एवं निर्माणाधीन विकास कार्यो का जायज़ा ले रहे हैं इसी तारतम्य में वार्ड क्रमांक 48 में स्थानीय पार्षद एवं वार्ड के परिवारजनों के साथ साफ़-सफ़ाई एवं स्वच्छता का जायज़ा लिया एवं वार्डवासियों की मांग को देखते हुए वहाँ स्थित मंदिर के सौन्दर्यीकरण हेतु नगर निगम से यथासंभव मदद का आश्वासन दिया जहाँ वार्डवासियों ने महापौर का धन्यवाद ज्ञापित कर फूल माला से स्वागत किया इस कार्यक्रम में महापौर के साथ स्थानीय पार्षद अनुराग सराठी , नगर निगम ग्रामीण समन्वयक चेतराम पाल, क्षेत्रीय अध्यक्ष नीरज वमा, युवक कांग्रेस कार्य. उमेश चौहान जी,युवक कांग्रेस नगर उपाध्यक्ष आर्यन बारी, नफ़ीज़ भाई, अंकुर बिसेन्द्रे, आशीष डोले,सुशील डेहरिया जी साथ ही अन्य सभी वार्ड के परिवारजन उपस्थित थे ।।

63 रनों से दादा सांई बोरवेल ने मैच जीता

छिंदवाड़ा प्रीमियम टी 20 डे नाईट क्रिकेट टूर्नामेंट

छिंदवाड़ा। खेल मित्र नितिन खंडेलवाल ने बताया कि छिंदवाड़ा प्रीमियम टी-20 मैच लगातार चल रहे है इसी क्रम में सोमवार के दिन पहला मैच दादा साई बोरवेल व ब्रेंड स्ट्रीट गुड़गांव के मध्य खेला गया। जिसमे पहले बल्लेबाजी करते हुए दादा साई बोरवेल ने 20 ओवर में 9 विकेट पर 179 रन बनाए। जवाब में ब्रेंड स्ट्रीट गुड़गांव 18 ओवर में 116 रनों पर आलआउट हो गयी। जिया उल हक को मैन ऑफ द मैच पुरुस्कार से सम्मानित किया गया ।मैच 63 रनों से दादा साई बोरवेल ने जीता।सोमवार के दिन दूसरा मैच स्पार्टन छिंदवाड़ा व आईपीएस परतला के मध्य खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए स्पार्टन ने 20ओवर में 5 विकेट पर 146 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आईपीएस परतला ने लक्ष्य 17.3 ओवर में 6 विकेट पर हासिल कर लिया मैच 4 विकेट से आईपीएस परतला से जीता, मैन ऑफ द मैच दारा जुनेजा एवं मीनू सिंघई के द्वारा शांतनु राजपूत को प्रदान किया गया। मैच में अंपायर मोनीश रामटेके व दिग्विजय डिसिल्वा रहे। स्कोरर अभय मालवी व कॉमेंटेटर श्रांत चंदेल व हिमांशु जायसवाल रहे। आज दिनांक 26.04.2023 को पहला मैच शाम 4 बजे से वेनम क्रिकेट क्लब उमरेठ व सतपुड़ा टाइगर्स छिंदवाड़ा के मध्य खेला जाएगा एवं दूसरा मैच रात 7:30 बजे से तिवारी प्रॉपर्टी व अग्रवाल इन्फोटेक के मध्य खेला जाएगा ।

सनातन धर्म के चिंतक थे आदिगुरु शंकराचार्य: नवनीत ब्यास

अनेकों धर्म ग्रंथ को लिखने का कार्य किया आदिगुरु शंकराचार्य ने: विनोद तिवारी

आदि गुरु शंकराचार्य की जयंती पर एकात्म-पर्व का आयोजन

छिंदवाड़ा। अद्वैत वेदांत दर्शन के प्रखर प्रवक्ता सनातन संस्कृति के पुनरुद्धार एवं सांस्कृतिक एकता के देवदूत भगवान आदि गुरु शंकराचार्य जी की जयंती के पावन अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकास खंड छिंदवाड़ा के तत्वाधान में एकात्म-पर्व पर आचार्य शंकर-जीवन दर्शन पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन पी जी कालेज में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता नवनीत व्यास अध्यक्षता पवन सहगल जिला समन्वयक जन अभियान परिषद, पर्यावरणविद, वरिष्ठ समाजसेवी राष्ट्रपति पुरस्कार प्राप्त विनोद तिवारी ने कार्यक्रम में सारस्वत उद्बोधन हम सबको प्राप्त हुआ। आभार प्रदर्शन अखिलेश जैन नें किया। कार्यक्रम का शुभारंभ भागवतपाद भगवान आदि गुरु शंकराचार्य की प्रतिमा पर माल्यार्पण पूजन एवं एकात्मता मंत्र व गीत के साथ शुभारंभ हुआ। भगवान आदि गुरु शंकराचार्य का प्राकृटय केरल के कालड़ी ग्रामके हुआ उनकी सन्यास दीक्षा के बाद उनका भारत में परिव्राजक के रूप में भ्रमण तथा आम्नाय पीठों की स्थापना चार महा वाक्यों के साथ-प्रज्ञानम बृह्म ऋवेद को स्थापित करते हुए गोवर्धन पीठ पूरी(उड़ीशा) में,अहम् ब्रह्मास्मि यजुर्वेद को प्रतिस्थापित करते हुए श्रृंगेरी पीठ रामेश्वरम, तत्त्वमसि महावाक्य तथा सामवेद को प्रतिपादित करते हुए शारदा द्वारकामठ द्वारका(गुजरात) तथा अयआत्मा ब्रह्म अथर्व वेद को प्रतिपादित करते हुए ज्योतिरमठ बद्रीनाथ(उत्तराखंड) की स्थापना उनके द्वारा की गई। वर्तमान भारत की अखंडता व सांस्कृतिक एकता के देवदूत है भगवान शंकर ऐसा उन्होंने अपनी प्रस्तावना उद्बोधन में बताया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता नवनीत व्यास ने अपने उद्बोधन में भगवान आदि शंकर के प्राकट्य पंचमी पर अपनी शुभकामनाएं देते हुए बताया कि मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद निरंतर सामाजिक सरोकार के मुद्दों तथा सांस्कृतिक रूप से भारत की सनातन संस्कृत को सुदृढ़ करने वाले ऐसे महान कार्यक्रमों का आयोजन करता है मैं उन सब को शुभकामनाएं देता हूं और भगवान आदि गुरु द्वारा भारत की अखंडता तथा सनातन संस्कृत की ऐक्य व अखंडता के कार्यों के लिए उनका शत शत वंदन अभिनंदन करता ऐसा कहते हुए भगवान आचार्य शंकर के श्री चरणों में नमन करता हूं। व्यास जी ने कहा की भगवान आदि शंकर के जन्म के पीछे के महान उद्देश्यों को प्रतिपादित करते हुए बताया की जीव-जगत सभी में वही ब्रह्म है। जिस प्रकार हाथी महावत और चांडाल के अंदर बृह्म है उसी प्रकार संपूर्ण जगती में ब्रह्म की स्थापना है, हमारी अल्प बुद्धि के कारण हम भेद समझते हैं जबकि वास्तव में सारा संसार चैतन्यमय है एक दूसरे में कोई भेद नहीं भगवान शंकर की संस्कार सन्यास दीक्षा तथा उनके द्वारा भारत भ्रमण कर आमनाय शंकराचार्य पीठों की स्थापना करते हुए जो सनातन संस्कृति के पुनरुद्धार लिए कार्य किया है, व्याख्यान कार्यक्रम में नगर के समाज सेवी आराधना शुक्ला, परामर्शदाता श्रीमती तृप्ति ठाकुर, जयप्रकाश सूर्यवंशी, आशीष साहू, समाज सेवी देवी प्रसाद चोरे, हर्षा वनोदे, नंदू निर्मलकर, महेश बंदेवार, नीलिमा पुरी गोस्वामी, मीना गुप्ता, रेखा डेहरिया, प्रीति बंदेवार, डीपी मालवीय, डॉ. यास्मीन, दीपक सोनगढ़, दिगंबर देशमुख, के जोगी राव, सूर्या अरगुडे, बबीता बंदेवार, चीतेश डेहरिया, कामेश सूर्यवंशी, अमित वर्खानिया, शिवा तिवारी, स्टेला अल्बर्ट, ज्योति कुशवाहा, बंदना ठाकरे, प्रदीप डेहरिया, गुंजा गिडवानी प्राची विश्वकर्मा, मुकेश दीक्षित, मनसा डेहरिया, आकांक्षा मराठा, सहित अन्य नगर विकास प्रस्फुटन समिति, ग्राम विकास प्रस्फुटन समितियों के पदाधिकारी गणमान्यजन ,साहित्यकार, शिक्षाविद, नावांकुर समितियों के सदस्य एमएसडब्ल्यू बीएसडब्ल्यू के परामर्शदाता, विद्यार्थी एवं छात्रों की उपस्थिति रही है।

शंकराचार्य का प्रकटोत्सव एकात्म पर्व मनाया

अमरवाड़ा। जन अभियान परिषद द्वारा अमरवाड़ा के जनपद पंचायत सभागृह में शंकराचार्य जी का प्रकटोत्सव एकात्म पर्व के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में जगतगुरु स्वामी स्वरूपानंद जी के परम शिष्य आचार्य जितेंद्र पांडे मौजूद रहे। कार्यक्रम में उपस्थित जन अभियान परिषद के सदस्यों एवं नगर वासियों को संबोधित करते हुए शंकराचार्य के बारे में विस्तृत जानकारी बताई गई। कार्यक्रम को पंडित लोकेश्वर तिवारी के द्वारा भी संबोधित किया गया। आज के इस कार्यक्रम में विधानसभा प्रभारी उत्तम सिंह ठाकुर जनपद पंचायत अध्यक्ष नीलेश कंगाली नगर पालिका अध्यक्ष प्रीति तिवारी पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष देवेंद्र कुमार जैन पूर्व मंडी अध्यक्ष पंडित बसंत चौबे पूर्व जनभागीदारी अध्यक्ष सतीश साहू पूर्व पार्षद मुकेश यादव पार्षद सुशीला शर्मा शोभा शर्मा पंडित भूपेंद्र मिश्रा जन अभियान परिषद विकासखंड समन्वयक सुश्री वंदना राकेसिया मेंटर्स राजेश तिवारी अंशुल जैन प्रवीण सक्सेना सहित जन अभियान परिषद ,सोपान समिति अनुपम शिक्षा समिति ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्य एमएसडब्ल्यू बीएसडब्ल्यू के छात्र मौजूद रहे।

सच की जीत होगी: विवेक तन्खा

जबलपुर। जाने माने वकील विवेक तन्खा ने ट्वीट के माध्यम से है कि झूठ और सच के ट्रायल की शुरुआत जबलपुर मजिस्ट्रेट कोर्ट में 29 अप्रैल को होगी। बीजेपी लीडर्स ने शब्दों एवं आचरण और असत्य एवं झूठे बयान बाज़ी कर मेरे विरुद्ध प्रदेश में आपत्तिजनक माहौल निर्मित किया, जो कि पूर्णतः कोर्ट रिकॉर्ड एवं कार्यवाही के विपरीत था। ओबीसी के वकील को ओबीसी का विरोधी बना दिया। 29 अप्रैल को मेरा कोर्ट बयान होगा। कपिल सिब्बल जी मेरे वकील होंगे, मजिस्ट्रेट अदालत में। हम सब सत्य की लड़ाई में हैं।

एआईसीसी के सचिवों को प्रदेश के जिलों के प्रभार सौंपे गए

भोपाल। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के मध्यप्रदेश प्रभारी जयप्रकाश अग्रवाल ने विधानसभा चुनाव के मद्देनजर एआईसीसी द्वारा भेजे गए पांच सचिवों को प्रदेश के जिलों की जिम्मेदारी का बंटवारा कर दिया। इन्हें चुनाव अभियान के साथ चुनाव संबंधी सारे प्रभार दिए गए हैं।

कुलदीप इंदौरा को रतलाम धार इंदौर उज्जैन मंदसौर नीमच रायसेन विदिशा भोपाल और सीहोर जिले की जिम्मेदारी दी गई है।

संजय कपूर को अनूपपुर, डिंडोरी, मंडला, जबलपुर, बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा, होशंगाबाद, नरसिंहपुर, बैतूल, सीधी, सिंगरौली, शहडोल और उमरिया जिले की जिम्मेदारी दी गई। सीपी मित्तल को टीकमगढ़, निवाड़ी, छतरपुर, सागर, दमोह, कटनी, सतना और रीवा जिले की जिम्मेदारी दी गई। शिव भाटिया को शिवपुरी मुरैना भिंड दतिया ग्वालियर गुना अशोकनगर और राजगढ़ जिले की जिम्मेदारी दी गई है। संजय दत्त को खंडवा बुरहानपुर खरगोन बड़वानी अलीराजपुर झाबुआ, हरदा, देवास, शाजापुर और आगर मालवा जिले की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

द्धद्दद्धस्नद्दस्नद्दस्नद्दस्नद्दस्नस्नद्दस्नद्दस्नद्दस्नद्दस्नद्दस्नद्दस्नद्दस्नद्दस्नद्दस्नद्दस्नद्द

द्धद्दद्धस्नद्दस्नद्दस्नद्दस्नद्दस्नस्नद्दस्नद्दस्नद्दस्नद्दस्नद्दस्नद्दस्नद्दस्नद्दस्नद्दस्नद्दस्नद्द

द्धद्दद्धस्नद्दस्नद्दस्नद्दस्नद्दस्नद्दस्नस्नद्दस्नद्दस्नद्दस्नद्दस्नद्दस्नद्दस्नद्दस्नद्दस्नद्दस्नद्दस्नद्द

आधे प्रदेश में आज से फिर आंधी-पानी का दौर

भोपाल। मध्यप्रदेश में बुधवार से फिर आंधी-बारिश का दौर शुरू होगा। अरब सागर, बंगाल की खाड़ी से नमी आने और वेस्टर्न डिस्टरबेंस के एक्टिव होने से मई के पहले सप्ताह तक ऐसा ही मौसम रहेगा। भोपाल-जबलपुर में अगले 4 दिन बारिश होने की संभावना है। प्रदेश के आधे हिस्से में बारिश के आसार हैं। इंदौर-ग्वालियर में बादल छाए रहेंगे।

मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे ने बताया कि 26 अप्रैल से उत्तर भारत में वेस्टर्न डिस्टरबेंस एक्टिव हो जाएगा। मध्यप्रदेश में 27 अप्रैल से इसका असर दिखाई देगा। 4 मई तक यह एक्टिव रहेगा। इस कारण मई के शुरुआती सप्ताह में भी मौसम बदला सा ही रहेगा। प्रदेशभर में बादलों का दौर रहेगा। गरज-चमक के साथ बारिश होगी।

उधर, मंगलवार जबलपुर में तेज बारिश हुई। ओले भी गिरे। दमोह और मंडला

में भी बूंदाबांदी हुई है। छिंदवाड़ा में देर रात आंधी के साथ पानी गिरा। जिले के जुन्नारदेव, परासिया, न्यूटन, पारडसिंगा और पांढुरना में ओले भी गिरे। पांढुर्ना में तो आंवले के आकार के ओले गिरे।

इन जिलों में बारिश के आसार- मौसम वैज्ञानिकों ने 29 अप्रैल तक की वेदर रिपोर्ट जारी की है। इसमें बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, सिंगरौली, सीधी, रीवा, सतना, अनूपपुर, शहडोल, उमरिया, डिंडोरी, कटनी, जबलपुर, नरसिंहपुर, सिवनी, मंडला, बालाघाट, पन्ना, दमोह, सागर, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में 26 से 29 अप्रैल तक कहीं तेज तो कहीं हल्की बारिश होने की संभावना है, जबकि बड़वानी, आलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, शाजापुर, आगर-मालवा, मंदसौर, नीमच, गुना, ग्वालियर, मुरैना और श्योपुरकलां में बादल छाए रहेंगे। 40 से 50द्यद्व प्रतिघंटे की रफ्तार से आंधी भी चल सकती है।

पचमढ़ी से ठंडी ग्वालियर की रात

मध्यप्रदेश के 10 से ज्यादा शहरों में मंगलवार रात का तापमान 20 डिग्री या इससे कम रहा। पचमढ़ी से ठंडे मलाजखंड और ग्वालियर रहे। मलाजखंड में न्यूनतम पारा 16.3, ग्वालियर में 18.5 डिग्री रिकॉर्ड हुआ, जबकि पचमढ़ी में यह 19.0 रहा। 25 डिग्री तापमान के साथ उज्जैन की रात सबसे गर्म रही। बाकी शहरों में न्यूनतम तापमान 25 डिग्री से कम दर्ज हुआ।

भोपाल में ऐसा रहेगा मौसम

मौसम विभाग ने भोपाल में अगले चार दिन तक बारिश होने की संभावना जताई है। 26 अप्रैल को हल्की बारिश होगी। वहीं, 27, 28 और 29 अप्रैल को तेज बारिश होने का भी अनुमान है। इस कारण दिन और रात के तापमान में मामूली गिरावट होगी।

परिवहन मंत्री गोविंद राजपूत ने किया मीडिया डायरेक्टरी का विमोचन

बीडीए अध्यक्ष कृष्ण मोहन सोनी ने की अध्यक्षता

भोपाल। प्रदेश के राजस्व परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने भोपाल प्रेस क्लब द्वारा प्रकाशित मीडिया डायरेक्टरी का विमोचन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भोपाल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष कृष्ण मोहन सोनी ने की। विशेष अतिथि रहे एनसीपी के राष्ट्रीय सचिव एवं प्रवक्ता बृज मोहन श्रीवास्तव।

श्री राजपूत ने डायरेक्ट्री की प्रशंसा करते हुए कहा कि ये संग्रहणीय वस्तु है और सराहनीय काम है। भोपाल प्रेस क्लब इसके लिए प्रशंसा का पात्र है। बीडीए अध्यक्ष कृष्ण मोहन सोनी ने डायरेक्टरी के प्रकाशन की तारीफ कटे हुए इसे लगातार जारी रखने को कहा।

क्लब के संस्थापक एवं संयोजक सतीश सक्सेना ने डायरेक्ट्री के इतिहास और इसकी आवश्कता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि चार पांच लोगों ने कैसे शुरुवात की और फिर कैसे इसे बरकरार रखा। विमोचन समारोह में अध्यक्ष संजय सक्सेना, इंडेक्स समूह के सुरेश सिंह भदोरिया पत्रकार ओपी श्रीवास्तव, अरुण पटेल,

अजय बोकिल, कमाल खान कमाल, प्रेम नारायण प्रेमी, ब्रजेंद्र तिवारी, हाकम सिंह गुर्जर,जिला पंचायत सदस्य नर्मदापुरम, प्रवेश विजयवर्गीय, रघुवीर तिवारी, एडवोकेट दिलीप शर्मा, संजय चतुर्वेदी, आशीष चौधरी, सुशील शर्मा, परवेज खान, प्रवीण सक्सेना, रूपेश गुप्ता, नासिर अली, अभय शर्मा, सचिव विजय शर्मा, समाजसेवी आशीष तिवारी, जे पी खरे, विनीत अग्रवाल, अलंकृत दुबे, सहित कई पत्रकार छायाकार एवं नेता मौजूद रहे।

कमलनाथ, दिग्गी समेत कांग्रेस के दिग्गज नेता रथ पर सवार होकर करेंगे प्रचार

भोपाल। इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस के दिग्गज नेता मैदान में उतरने के लिए रथ बुलाने जा रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस कमेटी ऐसे पांच रथ प्रदेश में लाने जा रही है। कर्नाटक चुनाव के बाद यह रथ मध्य प्रदेश में आएंगे। इन्हीं रथों पर सवार होकर कमलनाथ, दिग्विजय सिंह और कांग्रेस के अन्य दिग्गज नेता प्रचार करते हुए नजर आएंगे। इससे पहले प्रदेश में भाजपा नेता रथ पर सवार होकर चुनाव प्रचार करते रहे हैं।

रथों को प्रदेश लाने की जिम्मेदारी प्रदेश कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अशोक सिंह को दी गई है। विधानसभा चुनाव में प्रचार के तरीकों को हाईटेक बनाने के लिए और ज्यादा से ज्यादा रोड शो के जरिए लोगों तक पहुंच बनाने के लिए 5 चुनावी रथ हायर करने का तय हो चुका है। यह रथ कर्नाटक चुनाव के बाद मध्य प्रदेश पहुंचेंगे। कर्नाटक के साथ ही कुछ रथ दिल्ली से भी लाए जाएंगे। इन रथो पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष कमलनाथ, पार्टी के

राष्ट्रीय नेता और प्रदेश के कई नेता चुनाव प्रचार कर सकेंगे। चुनावी रथ की डिजाइन किस तरह की होगी इसे अभी फाइनल रूप नहीं दिया गया है, लेकिन रथ को कुछ इस तरीके से डिजाइन किया जाएगा कि कांग्रेस पार्टी के नेता सीधे रथ के ऊपरी हिस्से पर बैठकर रोड शो कर सकेंगे। इन रथों पर वीडियो स्क्रीन लगाकर कांग्रेस नेताओ की ब्रांडिंग भी की जाएगी और बताया जाएगा कि वचन पत्र में की जाने वाली प्रमुख घोणनाओं के भी इस पर वीडियो बनाकर चलाए जाएंगे।

पिछले चुनाव में आई थी हाईटेक बस

पिछले विधानसभा चुनाव में राहुल गांधी के रोड शो के दौरान भी कांग्रेस पार्टी ने हाईटेक बस का इस्तेमाल किया था। भोपाल में हुए राहुल गांधी के रोड शो के दौरान बुलेट प्रूफ बस के जरिए राहुल गांधी, कमलनाथ ने प्रचार किया था।

112 अस्पतालों के पास फायर एनओसी नहीं, अंतिम नोटिस जारी

इंदौर। फायर एनओसी जमा करने में निजी अस्पतालों की लापरवाही लंबे समय से चली आ रही है। इस बात से कलेक्टर इलैयाराजा टी भी नाराज है। इसे लेकर कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को कार्रवाई करने से पहले अस्पतालों को अंतिम नोटिस देने के लिए कहा है। सीएमएचओ ने भी कलेक्टर के आदेश का पालन करते हुए अस्पतालों की सूची तैयार कर ली है।

निजी अस्पतालों ने पिछले छह महीनों में प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग द्वारा दी गई चेतावनियों को भी गंभीरता से नहीं लिया। यह अस्पताल इंदौर नगर निगम से बिना किसी फायर एनओसी के चल रहे हैं और न उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से नवीनीकरण की अनुमति ली हैं। यह सभी स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की अनदेखी के चलते अस्पताल संचालित कर रहे हैं। स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि जिले में बिना अग्नि सुरक्षा उपायों के चल रहे 100 से ज्यादा निजी अस्पतालों की पहचान कर ली गई है।

कलेक्टर के निर्देश पर इन अस्पतालों को 15 दिनों का समय दे रहे हैं। यह आखिरी नोटिस होगा, इसके बाद हम रजिस्ट्रेशन रद्द करने और अस्पताल को सील करने की कार्रवाई करेंगे। इससे पहले

स्वास्थ्य अधिकारियों ने 50 बिस्तर से कम क्षमता वाले अस्पतालों को फायर एनओसी के बजाय फायर सर्टिफिकेट लेने का निर्देश दिया था। फायर एनओसी के मानदंडों में बदलाव के बाद सुविधाओं की पहचान की गई। नए मानदंड 16 जनवरी को जारी किए गए थे।

नए मानदंडों में कम से कम 50 बेड या 15 मीटर या उससे अधिक की ऊंचाई वाले अस्पताल भवनों या किसी भी स्तर पर 500 वर्ग मीटर के निर्माण क्षेत्र वाली सुविधाओं के लिए फायर एनओसी अनिवार्य है। रविवार को भी फायर एनओसी के संबंध में सभी निजी अस्पतालों की बैठक बुलाई थी। जिसमें सीएमएचओ डॉ बीएस सैत्या ने सभी अस्पतालों को फायर एनओसी देने के लिए कहा।

उन्होंने कहा कि 50 से कम बिस्तर वाले अस्पताल फायर सर्टिफिकेट जमा करा दे, वहीं 50 से ज्यादा बिस्तर क्षमता वाले अस्पतालों को नगर निगम से फायर एनओसी देना होगी। वहीं फायर एनओसी नहीं लेने का कारण यह सामने आ रहा है कि अस्पताल संचालक कमर्शियल टैक्स नहीं भरना चाहते हैं। वहीं इस संबंध में सीएमएचओ डॉ सैत्या का कहना है कि कुछ दिनों का समय अस्पतालों को दिया है। इसके बाद भी वह फायर एनओसी नहीं लेते हैं तो कार्रवाई की जाएगी।

तो क्या बदल जाएगा झाबुआ जिला पंचायत अध्यक्ष..?

झाबुआ। जिले में एक बार फिर से राजनीतिक भूचाल आ सकता है। जिला पंचायत झाबुआ के क्षेत्र क्रमांक 9 से निर्वाचित झाबुआ जिला पंचायत सदस्य रेखा निनामा ने अपना इस्तीफा दे दिया है। जिले की पहली व्हिसल ब्लोअर रेखा ने जयस के बैनर तले चुनाव लड़ा था। उन्होंने भाजपा व कांग्रेस के प्रत्याशी को पटखनी देते हुए 5662 वोट से चुनाव जीता था। सीईओ जिला पंचायत अमन वैष्णव ने बताया कि बुधवार को सदस्यों की बैठक रखी गई है। इसमें त्यागपत्र का अनुमोदन होगा। सदस्य के पास पद छोड़ने व बने रहने का विकल्प होगा जिस पर उन्हें इस बैठक में निर्णय लेना होगा। रेखा निनामा का चयन वर्ग 3 में हो चुका है । उन्होंने अपनी पोस्टिंग गृह ग्राम कुकड़ी पाड़ा से 21 किमी दूर पाटड़ी के प्राथमिक विद्यालय में जॉइनिंग भी कर लिया है।

खतरे में पड़ गई शांति डामोर की कुर्सी- अगर रेखा निनामा का इस्तीफा मंजूर हो गया तो झाबुआ जिला पंचायत का अध्यक्ष पद खतरे में पड़ सकता है। जिला पंचायत में भाजपा

व कांग्रेस के पास 6-6 सदस्य है । अकमाल मालू निर्दलीय चुनाव लड़े ओर जीते ।वैसे तो मालू विधिवत कांग्रेस में शामिल हो चुके है जिससे कांग्रेस की संख्या 7 हो चुकी है।अब वार्ड क्रमांक 9 में रिक्त हुई सीट पर 6 माह के भीतर विधिवत चुनाव होगा।यह सीट अगर भाजपा जीत गई तो जिला पंचायत में उंसके भी कांग्रेस के बराबर 7 सदस्य हो जाएंगे।जिला पंचायत पर काबिज होने के लिए फिर शुरू हो सकता है जोड़तोड़ का गणित।

भाजपा ला सकती है अविश्वास प्रस्ताव- लगातार जिले की सत्ता पर काबिज कांग्रेस को बेदखल करने कर लिए भाजपा ने जिला पंचायत चुनाव में सारे हथकंडे अपनाए परंतु फिर भी बाजी कांग्रेस ने मारी ओर जिला पंचायत झाबुआ में कांग्रेस का परचम लहराया ज्अब रिक्त हो रही सीट पर फिर से भाजपा की नजर है और जिला पंचायत झाबुआ में भाजपा अविश्वास प्रस्ताव लाने की तैयारी में जिसके लिए भाजपा के नेता अंदरूनी ही इस कार्य के लिए लग चुके ओर लगातार वर्किंग कर रहे है कि किस तरह से सदस्यो को अपने पाले में किया जाए और भाजपा का परचम लहराया जाए।अगर ऐसा होता है तो भाजपा साम दाम दण्ड भेद की नीति अपनाकर भाजपा का अध्यक्ष बनाना चाहेगी। यह तो रिक्त हुई सीट का परिणाम ही तय करेगा कि जिला पंचायत अध्यक्ष बदलेगा या नही परंतु इस क्षेत्र में दावेदार अभी से सक्रिय हो चुके है।साथ ही अब विधानसभा चुनाव भी बिल्कुल करीब है ऐसे में देखना होगा कि दोनों चुनाव साथ मे भी हो जाए?

अब अवैध कालोनियों में दिए जा सकेंगे बिल्डिंग परमिशन, नल-जल कनेक्शन

भोपाल। प्रदेश में अब अवैध कालोनियों में रहने वाले लोगों को बिल्डिंग परमिशन, नल जल कनेक्शन और अन्य तरह की एनओसी के साथ रहवासी सुविधाएं दिए जाने की तैयारी है। नगरीय विकास और आवास विभाग ने नगर पालिक अधिनियम में संशोधन के जरिये इसके लिए प्रावधान किए हैं जिसके आदेश जल्द ही जारी होने वाले हैं। इसमें यह व्यवस्था की जा रही है कि अवैध कालोनी के ले आउट के प्रारूप प्रकाशन के बाद वहां सुविधाएं दिए जाने का काम शुरू किया जा सकेगा।

नगरीय विकास और आवास विभाग द्वारा अवैध कालोनियों को वैध करने की प्रक्रिया में नियमों के सरलीकरण के लिए ऐसा फैसला किया है। इसमें कहा गया है कि किसी भी अवैध कालोनी में नागरिक सुविधाएं दिए जाने से लिए अभिविन्यास (ले आउट) के आधार पर योजना तैयार की जाएगी। इसमें नागरिक सुविधाएं दिए जाने में आने वाले खर्च के साथ विकास कार्य पूरे करने की टाइम लिमिट का उल्लेख किया जाएगा। विकास कार्यों के लिए प्रति वर्गमीटर लगने वाले विकास शुल्क की जानकारी देने और आवंटित नहीं हुए भूखंडों व भवनों के विक्रय के लिए तय मापदंडों का उल्लेख किया जाएगा। इससे संबंधित जानकारी का ले आउट प्रारूप प्रकाशित होने के बाद नगरीय निकाय संबंधित कालोनी में एनओसी जारी करने और सुविधाएं देने का काम कर सकेंगे। इस आधार पर इन कालोनियों में रहवासी संघ के गठन की भी सहमति दी जा रही है।

एक माह पहले मांगे थे दावे आपत्ति

इसको लेकर नगरीय विकास और आवास विभाग द्वारा एक माह पहले दावे आपत्ति मांगे गए थे। इसमें कहा गया था कि ऐसी कालोनियों में विकास शुल्क की कुल राशि में से 20 प्रतिशत ईडब्ल्यूएस के रहवासियों से और 50 प्रतिशत अन्य रहवासियों से ली जाएगी। यहां विकास शुल्क जमा करने की तारीख सक्षम अधिकारी तय करेगा। यह राशि जैसे-जैसे जमा होती जाएगी वैसे ही सुविधाओं का विस्तार करने का काम नगरीय निकाय कर सकेंगे।

विधायक निधि से भी हो सकेंगे काम

ऐसी कालोनियों में अब केंद्र और राज्य सरकार द्वारा घोषित योजनाओं में मिलने वाले फंड से भी विकास कार्य कराए जा सकेंगे। सांसदों और विधायकों की निधि का उपयोग भी यहां किया जा सकेगा। इसके लिए ऐसा कोई बंधन नहीं रहेगा कि विकास शुल्क की पूरी राशि जमा हो तभी सांसद-विधायक निधि से काम कराए जा सकेंगे।

मुख्यमंत्री की घोषणा के बाद बनाए नियम

नगरीय क्षेत्र में अवैध कालोनियों को वैध करने की कवायद 2002 से चल रही है। इसके लिए पहले 2002, फिर 2008, फिर 2012 और फिर 2018 कट ऑफ डेट तय की गई लेकिन नियमों की जटिलता के चलते सीएम की बार-बार घोषणा के बाद भी इसका काम नहीं हो सका। अब इन नियमों को सरलीकरण करने की घोषणा सीएम शिवराज सिंह चौहान ने की है जिसके तारतम्य में यह नियम बनाए गए हैं और जल्द ही इसको लेकर आदेश जारी किए जाने की तैयारी है।